जबलपुर
रविवार, 19 जुलाई 2026
■ आषाढ़ मास 'शुक्ल पक्ष-5
■ वर्ष : 21, अंक : 78
■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 31
न्यून. 25

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

विक्रम-1 आसमान में प्रवेश करता हुआ

स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी ने पहली ही कोशिश में अंतरिक्ष में जमाई 'जड़ें'

पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च, पीएम मोदी बोले-अंतरिक्ष में भी वंदेमातरम

2 दोस्तों ने इसरो छोड़कर बनाई थी यह कंपनी

पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया। यह टेस्ट पहले ही प्रयास में कामयाब रहा। जब कोई रॉकेट पृथ्वी के चारों ओर लगातार चक्कर लगाने लायक स्पीड हासिल कर लेता है, तो वह ऑर्बिटल रॉकेट कहलाता है। यह स्पीड लगभग 28,000 किमी/घंटा या 7.8 किमी/सेकंड होती है। विक्रम-1 को स्काईरूट एयरोस्पेस ने तैयार किया और लॉन्चिंग भी खुद ही की।

पीएम मोदी ने टीम को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस के सीईओ पवन कुमार चंदना को फोन कर बधाई दी। इस रॉकेट के साथ पीएम मोदी का भेजा वंदे मातरम का संदेश भी अंतरिक्ष में स्थापित हुआ है। बातचीत के दौरान पीएम ने इसका कारण बताते हुए कहा कि देश वंदे भारत की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। साथ ही, वंदे मातरम ने हमेशा युवाओं को प्रेरणा दी है और आज का भारत इसी भावना से आगे बढ़ रहा है।

सलकनपुर मंदिर ट्रस्ट विवाद

ट्रस्टियों की निजी संपत्ति की भी जांच कराई जाए, सरकारी प्रशासक नियुक्त हो

पूर्व मंत्री पटेल बोले-तत्काल भंग हो ट्रस्ट सीबीआई करे 'वित्तीय गड़बड़ियों' की जांच

आज तक मंदिर की आय-व्यय का कोई स्पष्ट सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने नहीं रखा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल सलकनपुर स्थित बिजासन देवी मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर उठा विवाद अब पूरी तरह राजनीतिक रंग ले चुका है। ट्रस्ट में लंबे समय से एक ही नेतृत्व और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बीच पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल ने एक बड़ा बयान देकर सियासी हलकों में हड़कंप मचा दिया है। उन्होंने राज्य सरकार से सलकनपुर मंदिर ट्रस्ट को तत्काल भंग करने और पूरे मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है।

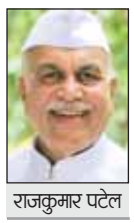
राजकुमार पटेल

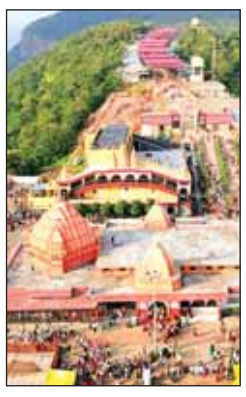

लगातार सवाल उठ रहे

पटेल ने कहा कि यहां वर्षों से पारदर्शिता का पूरी तरह अभाव है। मंदिर में आने वाले करोड़ों रुपए के चढ़ावे और उसकी विशाल संपत्तियों के प्रबंधन को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, लेकिन आज तक मंदिर की आय-व्यय का कोई स्पष्ट सार्वजनिक रिकॉर्ड सामने नहीं रखा गया। पटेल ने कहा कि ट्रस्ट के सभी वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों की चल-अचल संपत्तियों की गहन जांच होनी चाहिए।

महाकाल मंदिर में पारदर्शिता के लिए बड़ा कदम

15 लाख की कैरेट मीटर मशीन से होगी सोने व चांदी की जांच

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में दान मिलने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की जांच अब पूरी तरह पारदर्शी होगी। मंदिर प्रबंध समिति ने बहुमूल्य धातुओं की शुद्धता और कैरेट का सटीक पता लगाने के लिए अत्याधुनिक एक्स-रे फ्लोरेसेंस मशीन मंगवाई है। मंदिर की उप प्रशासक व डिप्टी कलेक्टर सिम्मी यादव ने बताया कि सीएसआर फंड से करीब 15 लाख रुपए की लागत से यह मशीन महाराष्ट्र से बुलाई गई है, जिसका संचालन सोमवार से शुरू होगा।

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

कैबिनेट की आठवीं बैठक आज भोपाल से सटे जगदीशपुर में

समान नागरिक संहिता सहित कुल 14 विधेयकों को मिलेगी 'मंजूरी'

कैबिनेट व विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर बैठक की

यहां होगी कैबिनेट बैठक

भोपाल के साथ ही अब तक जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में कैबिनेट की बैठकें हो चुकी हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल के नजदीक जगदीशपुर के पुरातात्विक धरोहर स्थल में होने वाली कैबिनेट की बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) समेत कुल 14 विधेयकों को मंजूरी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट व विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में एक उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में उन्होंने कैबिनेट की बैठक में अनुमोदन के लिए लाए जाने वाले विधेयक प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा एवं संसदीय कार्य अनुपम राजन समेत अन्य आईएएस अफसर मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने विधेयक प्रस्तावों पर विस्तार से जानकारी ली और दिशा-निर्देश दिए

समीक्षा बैठक में सीएम मंत्रियों के साथ

पैतृक संपत्ति में महिला और पुरुष को समान अधिकार होगा

जनजातीय समाज को यूसीसी से छूट दी गई

सरकार की कोशिश यूसीसी विधेयक का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करना

मप्र सरकार विधानसभा के मानसून सत्र में कुछ 14 विधेयकों को पारित कराने जा रही है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026 है। इस विधेयक के पारित होने के बाद मप्र देश उन राज्यों में शामिल हो जाएगा, जहां समान नागरिक संहिता लागू है। इस मप्र समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 में प्रमुख रूप से विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार के लिए सभी धर्मों के लिए एक समान कानून होगा। लिव-इन में रहने वाले दंपत्ती का पंजीकरण अनिवार्य होगा।

जगदीशपुर प्राचीन धरोहर होने से पर्यटन क्षेत्र के रूप में हो सकेगा विकसित

जगदीशपुर में कैबिनेट की बैठक रखने का मुख्य उद्देश्य प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर है। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंग्रामपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता की जिज्ञासा बढ़ी।

प्रमुख रूप से इन 14 विधेयकों को मिलेगी मंजूरी

- मप्र उपकर (संशोधन) विधेयक -2026
- मप्र समान नागरिक संहिता (संशोधन) विधेयक-2026
- मप्र समान नागरिक संहिता विधेयक- 2026
- मप्र राजमार्ग (संशोधन) विधेयक- 2026
- मप्र निरसन विधेयक- 2026
- मप्र अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विधेयक-2026
- निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक- 2026
- मप्र आयुर्विज्ञान विवि (संशोधन) विधेयक- 2026
- मप्र वैट संशोधन विधेयक - 2026
- मप्र माल एवं सेवाकर संशोधन विधेयक-2026
- मप्र कार्य स्थन सशक्तिकरण संहिता (श्रम शक्ति संहिता)-2026
- मप्र ईज ऑफ डूइंग विजनेस एक्ट-2026
- मप्र धनवंतरी विवि विधेयक-2026
- मप्र पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज संशोधन विधेयक-2026

अहमदाबाद में बड़ा हादसा

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट... 8 की मौत

लाइसेंस रद्द होने के बाद भी चल रहा था कारखाना

हादसे के बाद आरएएफ के जवान राहत व बचाव कार्य में जुटे

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

यहां शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यहां के वस्त्राल क्षेत्र में रामोल-गतराद रोड पर स्थित टैलेंट फायरवर्क्स पटाखा फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से अचानक भीषण आग लग गई। पटाखों के कारण हुए जोरदार धमाके की चपेट में आने से 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही अहमदाबाद के महापौर हितेश बारोट और मनपा आयुक्त बच्छा निधि पानी प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर पहुंचे। संयुक्त पुलिस आयुक्त जयपाल सिंह ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि इस पटाखा फैक्ट्री का लाइसेंस पहले ही रद्द कर दिया गया था, इसके बावजूद झोपड़ीनुमा जगह पर इसका अवैध संचालन किया जा रहा था।

खबर संक्षेप

पदयात्रा से पहले दिग्विजय ने सोशल मीडिया से बनाई दूरी

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 20 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या तक करीब 1,000 किमी की पदयात्रा शुरू करने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने सोशल मीडिया और अपने मोबाइल से दूरी बना ली है। स्पष्ट किया है कि यात्रा के दौरान वे किसी राजनीतिक मुद्दे पर प्रतिक्रिया नहीं देंगे।

अब आमिर खान को बिश्नोई गैंग की धमकी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को भी जान से मारने की धमकी मिली है। वायरल एक पोस्ट और कथित ऑडियो क्लिप में खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताने वाले शख्स ने आमिर की गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी पर आपत्ति जताई गई है। एक्टर पर लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, युवती गंभीर

भिंड। लहार नगर बायपास पर शनिवार दोपहर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और बाइक में आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। जमुहा तिराहे के पास हुए इस भीषण हादसे में बाइक सवार दो युवकों अभिषेक यादव (19 वर्ष) और उप्र निवासी राज यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में राज की 18 वर्षीय सगी बहन प्रिंसी यादव गंभीर रूप से घायल हो गई है।

भोपाल-देवास फोरलेन टोल केस

वाहन मालिकों को कंपनी 11 करोड़ रुपए रिफंड दे

फास्टैग के जरिए अतिरिक्त टोल वसूली को बताया अवैध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने वाहन मालिकों के हक में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए भोपाल-देवास फोरलेन पर फास्टैग के जरिए की गई अतिरिक्त टोल वसूली को अवैध करार दिया है। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड को 11 करोड़ की भारी-भरकम राशि वाहन मालिकों को लौटाने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने मई 2025 में कंपनी को अतिरिक्त टोल राशि वापस करने का आदेश दिया था।

कथित शिव अवतार भोंदू बाबा पर शिकंजा

चार्जशीट दाखिल और 36.90 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त

अशोक कुमार खरात
पीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

खुद को भगवान शिव का अवतार बताकर लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले कथित बाबा अशोक कुमार एकनाथ खरात (भोंदू बाबा) के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सख्त कानूनी कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने 17 जुलाई को मुंबई की विशेष पीएमएलए कोर्ट में इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट में अशोक खरात, उसकी पत्नी कल्पना और चार अन्य सहयोगियों को आरोपी बनाया गया है। अब तक कुल 36.90 करोड़ की संपत्ति कुर्क, जब्त या फ्रीज की जा चुकी है।

दावा : सिर्फ पानी और नमक लेकर अपना अनशन जारी रखे हुए

20 दिन से 'अनशन' कर रहे सोनम वांगचुक को पुलिस चादरों से ढककर ले गई अस्पताल

राहुल गांधी व अन्ना हजारे ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिनों से अनशन पर बैठे लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार सुबह 7.40 बजे जबरन हिरासत में लेकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करा दिया। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि ने सफदरजंग अस्पताल की मेडिकल रिपोर्ट में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए उन्हें तुरंत डिस्चार्ज करने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि शुक्रवार तक वांगचुक का पोटेशियम लेवल 4.3 था, जो अचानक 2.9 दिखाया जा रहा है। अस्पताल प्रशासन न तो परिजनों के सामने ब्लड सैंपल ले रहा है और न ही दूसरी लैब से जांच की अनुमति दे रहा है।

राजकुमार राव स्टारर 'श्रीकांत' सर्वश्रेष्ठ हिंदी फीचर फिल्म

72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का ऐलान

कार्तिक आर्यन-ममूटी बेस्ट एक्टर यामी को बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

साल 2024 में रिलीज हुई फिल्मों के लिए प्रतिष्ठित 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को विजेताओं के नामों का ऐलान किया। इस साल राजकुमार राव स्टारर 'श्रीकांत' को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फीचर फिल्म चुना गया है, जबकि यामी गौतम की 'आर्टिकल 370' ने बेस्ट फीचर फिल्म का खिताब अपने नाम किया है। कार्तिक आर्यन को उनकी फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए और साउथ सुपरस्टार ममूटी को फिल्म 'ब्रह्मायुगम' के लिए संयुक्त रूप से बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया। यामी गौतम ने फिल्म 'आर्टिकल 370' में अपने दमदार अभिनय के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड जीता। रणदीप हुड्डा को फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए डायरेक्टर के सम्मान से नवाजा गया।

राजकुमार राव

कार्तिक आर्यन

यामी गौतम

ममूटी

अभी तक पूर्वी मप्र भीगा... अब पश्चिमी हिस्से की बारी, इस सप्ताह ऐसी बारिश रहेगी जारी

बारिश नहीं होने से लोगों में घबराहट, वे इसे सूखे की दस्तक मान रहे

भोपाल सहित 45 से अधिक शहर-गांव रिमझिम बारिश से भीगे, दो सकुर्लेशन गिराएंगे 'तेज पानी'

- भोपाल में सुबह से शाम तक बदला रहा मौसम का मिजाज
- दोपहर बाद 4 बजे से पड़ी बौछारें, पारा 5 डिग्री तक गिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश हिस्सों में अब मौसम बदलना शुरू हो गया है। शनिवार को सुबह से शाम 5.30 बजे के बीच प्रदेश के करीब 45 से अधिक शहर और गांवों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज हुई।

भोपाल में सुबह से बादल छाए रहे, जो दोपहर 3 बजे के बाद से फुहारों में बरसते रहे। देर रात तक यह क्रम जारी रहा। इससे भोपाल में दिन का पारा बौछारों के बाद करीब 5 डिग्री तक गिर गया। यहां अधिकतम तापमान दशमलव 4 डिग्री गिरकर 34 डिग्री रहा।

पहला : भोपाल में शाम को बारिश। दूसरा :गधों को गुलाब जामुन खिलाते हुए

आज यहां अलर्ट: रविवार तक भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, देवास, गन्नु, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड,मुरैना, श्योपुरकलां, सिंगरौली, सीधी, सतना, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरिसंहपुर,छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा में मध्यम बारिश का अलर्ट है।

तेज बारिश के लिए यह टोटका गधों को खिलाए 'गुलाब जामुन'

कई दिन से तेज बारिश नहीं होने पर कोलार रोड स्थित एक गेस्ट हाउस के पास कुछ लोगों ने गधों को गुलाब जामुन खिलाए। शनिवार सुबह 11 बजे कई लोग कोलार गेस्ट हाउस के पास जुटे और गधों को गुलाब जामुन खिलाने लगे। बताया गया कि यह वर्षों पुरानी यहां की लोक मान्यता और परंपरा का हिस्सा मानी जाती है। यहां के लोगों की मान्यता है कि समय पर बारिश न होने पर ऐसे प्रतीकात्मक उपायों से इंद्रदेव प्रसन्न होते हैं और अच्छी वर्षा होती है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सब नागरिक समान
सबको सम्मान

समानता और न्याय की
भावना को समर्पित

मध्यप्रदेश
मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जुलाई 2026

जगदीशपुर, जिला भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समान नागरिक संहिता

सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित होंगे

सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं, धार्मिक रीति-रिवाज पूरी तरह सुरक्षित होंगे

विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार जैसे मामलों में अब सभी को एक समान कानूनी सुरक्षा मिलेगी

जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय होंगे

बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह और तलाक पर पंजीयन अनिवार्य होगा

लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य

माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या एआरटी से जन्मे बच्चों को समान कानूनी मान्यता

जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा

D-11063/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी/2026

अमेरिका का लगातार सातवीं रात ईरान पर भीषण हमला

सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को बनाया निशाना

एजेंसी ▶▶ तेहरान/वॉशिंगटन

ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने लगातार सातवीं रात ईरान के सैन्य ठिकानों, हथियार भंडार और समुद्री सैन्य क्षमताओं पर हमले किए। इन हमलों में सीरिक, बुशेहर, बंदर अब्बास, केश्म द्वीप और यज्द को निशाना बनाया गया।

वहीं, ईरानी सांसद अहमद बख्शायेश अर्देस्तानी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया, तो ईरान कुवैत और बहरीन में घुस जाएगा और वहां मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को तबाह कर देगा। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में विस्फोट हो गया। आईआरजीसी ने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए। हालांकि, सेंटकॉम) ने इस दावे को झूठा बताया।

समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद दो तेल टैंकरों में लगी आग

अमेरिकी हमले में क्षतिग्रस्त ईरान में बंदर अब्बास-रुदान पुल

ईरान का समझौते से पीछे हटने का ऐलान

ईरान ने अमेरिका के साथ एक महीने पहले हुए समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया है। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि अमेरिका ने खुद समझौते का उल्लंघन किया, इसलिए तेहरान अब उसकी शर्तों का पालन नहीं करेगा। पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा था कि उन्हें लगता है कि ईरान के साथ हुआ युद्धविराम अब खत्म हो चुका है।

ताबूत में ट्रंप की फैमिली लिखा- 'खून के बदले खून'

ईरान ने राजधानी तेहरान में एक नया होर्डिंग लगाया है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और उनके पूरे परिवार को ताबूतों में दिखाया गया है। इन ताबूतों पर अमेरिकी झंडा लिपटा हुआ है, जबकि पीछे व्हाइट हाउस को आग की लपटों में घिरा दिखाया गया है। होर्डिंग में ट्रंप के साथ उनकी पत्नी मेलानिया और उनके पांचों बच्चों की तस्वीरें भी हैं। इस पर फारसी भाषा में 'खून के बदले खून' का नारा लिखा गया है।

ईरान के 20 गांवों में पानी संकट

ईरान के जस्क काउंटी के बुंजी तटीय गांव में समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले सिस्टम पर अमेरिकी हमले के बाद 20 गांवों के करीब 10 हजार लोग पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। होर्मोजगान वाटर और वेस्टवाटर कंपनी के प्रमुख हमजेह पूर ने कहा कि हमले में समुद्र से पानी खींचने वाला पंपिंग स्टेशन और बुंजी के डिसैलिनेशन प्लांट का पावर ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह नष्ट हो गया। उन्होंने इन हमलों को अपराध और आतंकवादी हमला बताया।

अमेरिकी ठिकानों को बनाया निशाना

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के ईंधन आपूर्ति पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' और कुवैत में अमेरिकी सिग्नल एवं दूरसंचार केंद्र को भी नष्ट कर दिया गया।

कुवैत में आग लगने से कई यूनिट बंद

कुवैत के बिजली, जल और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ईरान के ताजा हमलों के बाद एक बिजली और समुद्री जल विलवणीकरण (डिसैलिनेशन) संयंत्र के एक हिस्से में आग लग गई। इसके बाद एहतियात के तौर पर बिजली उत्पादन की कई यूनिटों को बंद कर दिया गया।

खबर संक्षेप

यूक्रेनी ड्रोन हमले में 7 रूसी लोगों की मौत

मॉस्को। रूस में रात में यूक्रेन के ड्रोन हमलों में 7 लोगों की मौत हो गई और 51 अन्य घायल हो गए।

रूसी अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने रात में रूस की प्रमुख ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के दो बड़े गोदामों को निशाना बनाया। इनमें से एक यूक्रेन की सीमा से लगभग 360 किमी दूर तांबोव क्षेत्र के कोतोव्स्क कस्बे में और दूसरा मॉस्को से लगभग 50 किमी पूर्व स्थित इलेक्ट्रोस्टाल शहर में है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने भी इसकी पुष्टि की है।

नॉर्वे में भीषण आग से 100 घर जलकर खाक

ड्रामेन। दक्षिणी नॉर्वे में लगी भीषण आग में 100 से अधिक घर जलकर खाक हो गए। सैकड़ों

लोगों को यहां से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे ड्रामेन शहर में एक इमारत में आग लगी और देखते ही देखते आसपास के इलाके और नजदीकी जंगलों तक फैल गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह भी दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे रहे।

चीन में भूस्खलन से 8 की मौत, बचाव कार्य जारी

चोंगकिंग। दक्षिण-पश्चिमी चीन के चोंगकिंग शहर में हुए भूस्खलन में कम से कम 8 लोगों की मौत हो

गई, जबकि 34 अन्य लापता हैं। बचाव दल शनिवार को जीवित बचे लोगों की तलाश में अभियान चला रहा है। यह भूस्खलन शुक्रवार सुबह चोंगकिंग नगर पालिका के बाहरी क्षेत्र स्थित पेंगशुई काउंटी में हुआ, जब बड़ी मात्रा में चट्टानें और मिट्टी ढलान से नीचे खिसक गईं और 10 से अधिक रिहायशी इमारतें इसकी चपेट में आ गईं।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक

'फोर्सेस फर्स्ट कॉन्क्लेव' में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले

आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' केवल एक बयान नहीं, सरकार की कार्यशैली

राजनाथ सिंह ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे जटिल अभियान की सफलता में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र की बड़ी भूमिका रही। इस अभियान के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया

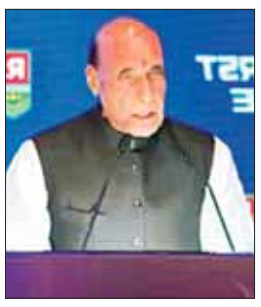

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित 'फोर्सेस फर्स्ट कॉन्क्लेव' में कहा कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस केवल एक बयान नहीं, बल्कि सरकार की कार्यशैली है। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ केवल अपनी सीमा पर ही नहीं, बल्कि जहां से आतंकवाद संचालित होता है, वहां तक पहुंचकर भी कार्रवाई करने की क्षमता रखता है।

उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रतीक है। हमारे जवानों ने आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण देने वालों को करारा जवाब दिया, जिससे आतंकवाद के प्रति सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति स्पष्ट हुई।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा भारत

आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण पर ध्यान

भारतीय सैनिक राष्ट्र गौरव का प्रतीक

राजनाथ सिंह ने कहा कि सीमाओं पर तैनात सैनिक, समुद्र की गहराइयों में देश की सुरक्षा कर रहे नौसैनिक और आकाश में राष्ट्र की रक्षा करने वाले वायु योद्धा भारत के राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि जो देश अपने सैनिकों का सम्मान करना नहीं जानता, उसका भविष्य कभी सुरक्षित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे जटिल अभियान की सफलता में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र की बड़ी भूमिका रही। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल प्रणाली और ब्रह्मोस जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया।

रक्षा औद्योगिक गलियारे में 70 हजार करोड़ का निवेश

रक्षा मंत्री ने कहा कि यूपी और तमिलनाडु में रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा सुधार है। इन गलियारों में उन्नत रक्षा विनिर्माण का काम हो रहा है और कई कंपनियां वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन चुकी हैं। इन दोनों रक्षा औद्योगिक गलियारों में लगभग 70 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है, जिनमें से करीब 10 हजार करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है।

12 वर्षों में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 'राष्ट्र सर्वोपरि' और 'सेना सर्वोपरि' की भावना के साथ रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण, स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने रक्षा क्षेत्र में निर्भरता से आत्मनिर्भरता की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए हैं।

भारत की क्षमता पर भरोसा जरूरी

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण भारत की क्षमता और कौशल पर विश्वास करने का है, जबकि पहले की सरकारों का नजरिया देश की क्षमताओं को लेकर उतना भरोसेमंद नहीं था। उन्होंने कहा कि भारत के पास रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की पूरी क्षमता है और सरकार उसी दिशा में लगातार काम कर रही है। यदि किसी देश को हथियार, गोला-बारूद, मिसाइल, रडार, ड्रोन, नेवीगेशन सिस्टम और अन्य रक्षा उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़े, तो उसकी रणनीतिक और सैन्य स्वायत्तता भी सीमित हो जाती है।

रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

राजनाथ सिंह ने बताया कि वर्ष 2025-26 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जबकि वर्ष 2014 के आसपास यह करीब 40 हजार करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात भी बढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। वित्त वर्ष 2013-14 में यह केवल 686 करोड़ रुपए था।

जल्द जारी होगी नई सूची

राजनाथ सिंह ने कहा कि अब तक सशस्त्र बलों की ओर से 509 वस्तुओं वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी की जा चुकी हैं। इसके अलावा रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) की ओर से 5,012 वस्तुओं वाली पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां भी जारी की गई हैं।

बीएसएफ के जवानों के साथ अमित शाह

'चिकन नेक' पर सुरक्षा का ध्यान

शाह ने सिलीगुड़ी के पास सीमा सुरक्षा इंतजाम का लिया जायजा

एजेंसी ▶▶ सिलीगुड़ी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को उत्तरी बंगाल में संवेदनशील राष्ट्रीय सीमाओं पर बॉर्डर फेंसिंग के साथ सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने बीएसएफ के लिए 77.06 करोड़ रुपए की लागत वाली विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उनका दौरा 'चिकन नेक' पर सुरक्षा पर ध्यान बढ़ता है, यह क्षेत्र भारत और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एकमात्र जमीनी संपर्क है। शाह उत्तरी बंगाल के शहर सिलीगुड़ी के बाहरी इलाके में फुलबारी बॉर्डर आउटपोस्ट के जुमागाछ इलाके में बीएसएफ की 18वीं बटालियन की सीमा चौकी पर पहुंचे। यहां उन्होंने अर्द्धसैनिक बलों के जवानों से बातचीत की, फेंसिंग के पास बने वॉच टॉवर का दौरा किया और एक पौधा भी लगाया। बता दें, केंद्रीय गृह मंत्री राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम बागडोगरा पहुंचे थे।

3 अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच है 'चिकन नेक'

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बैठक में मुख्य रूप से 'चिकन नेक' के नाम से प्रसिद्ध सिलीगुड़ी गलियारे की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई है। 17 से 22 किलोमीटर लंबा यह महत्वपूर्ण क्षेत्र पूर्वोत्तर के 8 राज्यों को शेष भारत से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी संपर्क का माध्यम है। यह गलियारा तीन अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के बीच स्थित है। इसके उत्तर में नेपाल, दक्षिण में बांग्लादेश और उत्तर-पूर्व में भूटान है। हाल ही में राज्य में बनी सुवेंदु अधिकारी सरकार ने इस क्षेत्र में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 120 एकड़ भूमि बीएसएफ को हस्तांतरित की है।

सीमा प्रबंधन पर की चर्चा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उत्तर बंगाल स्थित राज्य सचिवालय की शाखा 'उत्तर कन्या' में सीमा प्रबंधन और अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर कई बैठकों की अध्यक्षता की। इन बैठकों में राज्य में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन तथा जन्म और मृत्यु पंजीकरण से जुड़े मुद्दों की भी समीक्षा की गई। शाह शनिवार शाम कोलकाता पहुंचें।

इजराइल की पूर्व सांसद बोलीं

पाक पर मध्यस्थ के तौर पर भरोसा नहीं, वो मानता है शत्रु

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल की पूर्व सांसद और ओज पार्टी की चेयरपर्सन डॉ. इनात विल्फ

ने पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि इजराइल के लोग भारत और पीएम मोदी के लिए अच्छी राय रखते हैं। लोग दोनों देशों के बीच अगले कुछ वर्षों में एक बड़े और गहरे गठबंधन की उम्मीद कर रहे हैं। वहीं अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका को लेकर उन्होंने कहा कि इजराइल, पाकिस्तान पर भरोसा नहीं करता और न ही कर सकता है। अगर कोई देश मध्यस्थ बनना चाहता है, तो सबसे अहम जरूरत यह है कि उसके उन पार्टियों के साथ पूरे और खुले राजनयिक संबंध हों जिनके साथ वह मध्यस्थता करने का दावा करता है। पाकिस्तान खुद को इजराइल का दुश्मन बताता है और उसके नेताओं ने इजराइल की नीतियों के बारे में ही नहीं, बल्कि उसके वजूद के बारे में भी ऐसी निंदात्मक बातें कही हैं।

सीसीपीए का स्पाइसजेट पर एक्शन

डार्क पैटर्न अपनाने पर 1 लाख रुपए का जुर्माना, जांच में दोषी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर 'डार्क पैटर्न' (भ्रामक डिज़ाइन प्रथाओं) का इस्तेमाल करने के मामले में स्पाइसजेट लिमिटेड पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी की ये प्रथाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019, उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 के नियम 4(9) और डार्क पैटर्न्स की रोकथाम एवं विनियमन संबंधी दिशानिर्देश, 2023 का उल्लंघन हैं।

सीसीपीए की अध्यक्ष मुख्य आयुक्त स्मति निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अगुवाई में हुई जांच में पाया गया कि स्पाइसजेट अपने फ्लाइट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर पहले से टिक किए गए चेकबॉक्स के जरिए उपभोक्ताओं को स्वतः 'स्पाइसक्लब' लॉयल्टी प्रोग्राम में नामांकित कर रही थी।

टाइगर हिल अभियान: वीरता का सम्मान

मिलिट्री टूरिज्म को बढ़ावा दे रहे

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने द्रास के सिविल प्रशासन के साथ मिलकर, 27वें कारगिल विजय दिवस समारोह के हिस्से के तौर पर 'टाइगर हिल अभियान 2026' को सफलतापूर्वक आयोजित किया। द्रास के जिला मुख्यालय बनने के बाद यह अपनी तरह की पहली पहल थी। इस अभियान ने कारगिल युद्ध की विरासत को संजोते हुए मिलिट्री टूरिज्म को बढ़ावा दिया। इसमें गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, द्रास के ग्यारह प्रशिक्षित टूर और ट्रेक गाइड भी शामिल हुए।

पीओके में हो रही हिंसा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घिरा पाक

यूएन मानवाधिकार ने जताई चिंता, मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच की भी मांग

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी अशांति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच संयम बरतने की अपील की है।

उन्होंने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों, दोनों पक्षों में हुई मौतों की परिस्थितियों की पारदर्शी जांच कराने की मांग की है ताकि जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। जिनेवा से जारी बयान में

ओएचसीएचआर ने कहा कि 27 जुलाई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जून से अब तक दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश प्रदर्शनकारी हैं, जबकि कुछ कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।

निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए

वोल्कर तुर्क ने अशांति के दौरान हुई सभी मौतों की त्वरित, गहन और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। वोल्कर तुर्क ने कहा कि गिरफ्तार किए गए संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) नेताओं को कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए और उन्हें अपने परिवारों से संपर्क करने का अवसर मिलना चाहिए। साथ ही उनके निष्पक्ष सुनवाई और विधिसम्मत प्रक्रिया के सभी अधिकारों की पूरी तरह गारंटी दी जानी चाहिए।

पीयूष गोयल ने फिनलैंड की प्रमुख कंपनियों से की मुलाकात

नोकिया के साथ 5जी और 6जी तकनीक पर की चर्चा

दूरसंचार, निवेश सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी और मजबूत करने पर जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने फिनलैंड की अग्रणी प्रौद्योगिकी और औद्योगिक कंपनियों के साथ रणनीतिक बैठकों के जरिए भारत-फिनलैंड आर्थिक एवं तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। बैठकों में दूरसंचार, अनुसंधान, स्मार्ट अवसंरचना, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।

■ स्मार्ट सिटी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में बढ़ेगा

वीटीटी के साथ नवाचार पर जोर

यूरोप के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों में शामिल वीटीटी तकनीकी अनुसंधान केंद्र में हुई बैठक के दौरान अनुसंधान, नवाचार, उन्नत प्रौद्योगिकी, औद्योगिक परिवर्तन, उन्नत सामग्री, डिजिटलीकरण और सतत विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने अनुसंधान साझेदारी और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को मजबूत करने की संभावनाओं पर भी विचार किया।

केओएनई के साथ स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा

केओएनई कॉरपोरेशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठक में स्मार्ट शहरी अवसंरचना, लिफ्ट और एस्केलेटर तकनीक, सतत निर्माण समाधान, उन्नत विनिर्माण और स्थानीयकरण पर सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की गई। भारत के तेजी से विकसित हो रहे अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर भी विचार हुआ।

केम्पी समूह के साथ औद्योगिक नवाचार पर फोकस

केम्पी समूह के नेतृत्व के साथ हुई बैठक में उन्नत औद्योगिक मशीनरी, वेल्डिंग तकनीक, विनिर्माण नवाचार, आधुनिक औद्योगिक समाधान और भारत के बढ़ते विनिर्माण एवं अवसंरचना क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा हुई। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशीं गईं।

भारत-फिनलैंड आर्थिक संबंधों को मिली नई गति

इन बैठकों ने फिनलैंड के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ प्रत्यक्ष संवाद का अवसर प्रदान किया, जिससे भारत की विश्वसनीय विनिर्माण और नवाचार साझेदार के रूप में पहचान और मजबूत हुई। यह दौरा प्रौद्योगिकी, अनुसंधान, सतत विनिर्माण और निवेश के क्षेत्रों में दोनों देशों की साझेदारी को नई गति देने की साझा प्रतिबद्धता के साथ संपन्न हुआ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल, प्रदेश प्रभारी डॉ. सिंह ने दतिया में किया मीडिया एवं सोशल मीडिया सेंटर का उद्घाटन

आज मीडिया व सोशल मीडिया जनसंचार के सबसे प्रभावशाली माध्यम, सत्य तथ्य व विश्वसनीय जानकारी को समाज तक पहुंचाना सभी की साझा जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सूचना और विचारों के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है मीडिया व सोशल मीडियाः हेमंत

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते खंडेलवाल। साथ में उपस्थित डॉ. सिंह व अग्रवाल।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने शुक्रवार को दतिया उपचुनाव के लिए होटल प्राक्षी में बनाए गए मीडिया एवं सोशल मीडिया सेंटर का उद्घाटन कर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की बैठक को संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए स्थापित मीडिया एवं सोशल मीडिया सेंटर संगठन, मीडिया और जनता के बीच प्रभावी संवाद, समन्वय तथा तथ्यपरक सूचना के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक कार्यालय का उद्घाटन नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी संवाद तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। आज के डिजिटल युग में मीडिया और सोशल मीडिया जनसंचार के सबसे प्रभावशाली माध्यम बन चुके हैं।

तकनीक ने सूचनाओं के प्रसार को तेज और व्यापक बनाया है, लेकिन इसके साथ कई नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। ऐसे समय में सत्य, तथ्य और विश्वसनीय जानकारी को समाज तक पहुंचाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने उपस्थित पत्रकारों एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदेश सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक सुयश त्यागी, पार्टी के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया, राजलखन सिंह एवं सोशल मीडिया संभाग प्रभारी आयुष सुरेश शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हमें संगठन को निरंतर मजबूत बनाना हैः शिवप्रकाश

हम सभी कार्यकर्ता एक विचार और एक उद्देश्य के लिए कार्य करते हैं। हमें संगठन को निरंतर मजबूत बनाना है। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कही। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा, उपचुनाव प्रभारी भारत सिंह कुशवाह, भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने होटल रतन रॉयल में बनाए गए दतिया उपचुनाव कार्यालय का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता को अवसर मिलता हैः खंडेलवाल

खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा विचारधारा और कार्यकर्ताओं का संगठन है। भाजपा में एक सामान्य कार्यकर्ता को अपनी मेहनत और क्षमता के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

भाजपा सरकारों ने भ्रष्टाचार मुक्त शासन दियाः डॉ. सिंह

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकारों ने भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी शासन के साथ विकसित भारत की मजबूत नींव रखने का कार्य किया है।

खबर संक्षेप

गुरुनानक टेकरी द्वार एवं सड़क का किया लोकार्पण

भोपाल। सांसद आलोक शर्मा व महापौर मालती राय ने शुक्रवार को ईदगाह हिल्स क्षेत्र में बने श्री गुरुनानक टेकरी द्वार एवं सड़क का लोकार्पण किया। गुरुनानक टेकरी द्वार एवं सड़क निर्माण पर करीब 2 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। लोकार्पण कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद सरोज आसेरी के अलावा नेहा बग्गा, राकेश कुकरेजा, यतेन्द्र मकवाना, विक्रम सिंह, पम्मी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं गुरुद्वारा गुरुनानक टेकरी प्रबंध समिति के सदस्यगण मौजूद थे।

महापौर ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन

भोपाल। महापौर मालती राय ने शुक्रवार को सांई बाबा नगर में विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। यहां करीब 14 लाख रुपए की लागत से सड़क एवं नाली का निर्माण कराया जा रहा है।

बुंदेली शेफ सीजन 4 में 7 प्रतिभागी पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

छतरपुर। ऑनलाइन कुकिंग प्रतियोगिता 'बुंदेली शेफ सीजन 4' के हाल ही में आयोजित दूसरे ऑडिशन का परिणाम घोषित कर दिया गया है, जिसमे 7 प्रतिभागियों ने जगह बनाई है। दूसरे ऑडिशन में कुल 20 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से दीक्षा पटेल, किरण लाल, नाज़मी अख्तर, ऋतिका शर्मा, रुचि जैन, सुरुचि जैन और वरीशा नियाज़ी आगे बढ़ी। इन प्रतिभागियों ने बुंदेलखंड की पारंपरिक रेसिपीज़ को अनोखे अंदाज़ में प्रस्तुत किया। पहले और दूसरे ऑडिशन से चयनित सभी प्रतिभागियों का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में होगा। इसके बाद चयनित प सेमी फाइनल और अंततः अगस्त के अंत में आयोजित होने वाले भव्य ग्रैंड फिनाले तक पहुँचने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। बुंदेली शेफ सीजन 4 का तीसरा और अंतिम ऑडिशन 20 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

बुंदेलखंड के किसानों ने पानी का अभाव झेला, हम इसे बनाएंगे समृद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा-टीकमगढ़ में बनेगा सर्व सुविधायुक्त मेडिकल कॉलेज

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

189 करोड़ के 72 विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी किए वितरित

आयोजन को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन। दूसरी फोटो में उपस्थित नागरिक।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है बुंदेलखंड के किसानों ने पानी के अभाव में गरीबी झेली और कई कठिनाइयां उठाईं। लेकिन अब हम केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के जरिए बुंदेलखंड को समृद्ध बनाने के लिए पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। परियोजना पूरी होने पर यह क्षेत्र खेती के मामले में पंजाब और हरियाणा को भी पीछे छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस विशाल परियोजना से टीकमगढ़ जिले की हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी, जिससे किसानों के खेतों में पर्याप्त पानी पहुंचेगा और उनकी आय में ऐतिहासिक वृद्धि होगी।

डॉ. यादव शुक्रवार को टीकमगढ़ जिले के खरगापुर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जिले को 189 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 72 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 102.45 करोड़ रूपए के 33 कामों का लोकार्पण और 86.66 करोड़ रुपए के 39 कामों का भूमिपूजन शामिल है। डॉ. यादव ने घोषणा की कि टीकमगढ़ में सर्वसुविधायुक्त भव्य मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। इसका भूमिपूजन भी शीघ्र ही किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

एक करोड़ हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि टीकमगढ़ जिले के जतारा और बड़ागांव धसान में सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय भवनों और सोलह विद्यालयों में विभिन्न श्रेणी के नव-निर्माण कार्यों का उपहार मिला है। युवाओं और खिलाड़ियों के लिए हॉकी सिंथेटिक एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम और बास्केटबॉल कोर्ट का भी लोकार्पण हुआ है। खरगापुर में 40 करोड़ रूपए से बनने वाले नए सांदीपनि विद्यालय भवन का भूमिपूजन भी हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002-03 तक सिंचाई का रकबा मात्र 7.50 लाख हेक्टेयर था। हमारी सरकार में प्रदेश की सिंचित भूमि का रकबा बढ़कर अब 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है। हम एक करोड़ हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार लाड़ली बहनों को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर सौगात दे रही है। कार्यक्रम को पूर्व मंत्री एवं जतारा के वर्तमान विधायक हरिशंकर खटीक ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा टीकमगढ़ जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने किया झिंझरी और बहोरीबंद सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए सांदीपनि विद्यालयों की सौगात दे रही हैं। प्रदेश के सांदीपनि विद्यालय सर्वसुविधा युक्त गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा का माध्यम बन रहे है। इसी का परिणाम है कि विद्यार्थी निजी विद्यालयों से निकलकर शासकीय सांदीपनि विद्यालयों में प्रवेश ले रहे हैं। डॉ. यादव स्लीमनाबाद कटनी में सांदीपनि विद्यालयों के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। झिंझरी का सांदीपनि विद्यालय 38 करोड़ 61 लाख रुपए तथा बहोरीबंद का सांदीपनि विद्यालय 35 करोड़ 63 लाख रुपए से अधिक लागत से बनकर तैयार हुआ। यहां उपलब्ध सुविधाएं गुरुकुल की गरिमा और डिजिटल युग की दक्षता का समन्वय प्रस्तुत करती हैं।

पढ़ाई के लिए बच्चों को दिए जा रहे साधन एवं सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार शासकीय शालाओं में बच्चों की पढ़ाई के लिए सभी साधन और सुविधाएं प्रदान कररही है। उन्हें निःशुल्क पुस्तकें और साइकिलें प्रदान की जा रही है। बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने पर मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप और अगर कोई विद्यार्थी स्कूल में टॉप करता है तो उसे स्कूटी दी जा रही है। राज्य में गुरुपूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के लिए कुलगुरु संबोधन की परंपरा शुरू की गई है।

टिकरापारा थाना क्षेत्र का मामला

बैटरी कारोबारी ने पत्नी समेत चार लोगों को जहर देकर लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बीती रात को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बैटरी कारोबारी ने अपनी पत्नी समेत चार लोगों को जहर देकर मौत की नींद सुला दी। फिर खुद फांसी लगा ली। संजय नगर स्थित मदनी मस्जिद के पास एक घर में पांच लोगों की लाश संदिग्ध अवस्था में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच करने में जुटी है। मामला टिकरापारा थाने क्षेत्र का है। फिलहाल, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। चर्चा है कि एक ही परिवार के पांच लोगों ने सामूहिक रूप से जहर खाकर मौत को गले लगा लिया। फिलहाल, पुलिस सभी बिंदुओं पर गहराई से छानबीन कर रही है। मकान में पांच लोगों की लाश मिलने की सूचना जैसे ही इलाके में आग की तरह फैली, मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर टिकरापारा थाना पुलिस पहुंची। पूरे घर को सील कर मामले की जांच कर रही है।

घटनास्थल से मिला कीटनाशक का डब्बा

पुलिस की शुरुआती जांच में मृतकों के मुंह से झाग निकलना मिला है। कमरे में खाद्य सामग्री और एक कीटनाशक का डब्बा भी मिला है। देर रात पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाये फिर मकान को सील कर दिया। कारोबारी साजिद पुरानी बैटरी की खरीदी-बिक्री का काम करता था। वहीं उसका बेटा एक निजी अस्पताल में नौकरी करता था। पड़ोसियों ने गुरुवार की शाम को जब घर के किसी सदस्य को नहीं देखा, तो उन्हें शक हुआ। शुक्रवार को भी पूरे दिन घर का दरवाजा बंद रहा। गेट पर आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। कमरे के अंदर से सड़ने की बदबू आ रही थी। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई।

223 ध्यानाकर्षण, 1756 सवाल और चार स्थगन प्रस्ताव

कल से होगा मानसून सत्र, यूसीसी समेत कई विधेयकों पर रहेगी नजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा का चार दिवसीय मानसून सत्र सोमवार, 20 जुलाई से शुरू होगा। सत्र के लिए अब तक सीमित संख्या में ही विधेयक विधानसभा सचिवालय पहुंचे हैं।

रविवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सहित कई विधेयकों के मसौदों को मंजूरी मिलने के बाद उन्हें विधानसभा में पेश किए जाने की संभावना है। विधानसभा सचिवालय के अनुसार, अब तक सदस्यों की ओर से 223 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, 1756 प्रश्न और चार स्थगन प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। विपक्ष ने कानून-व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी की है। सत्र के लिए अब तक 64 शून्यकाल सूचनाएं, नियम-139 के तहत एक सूचना और 18 याचिकाएं भी विधानसभा सचिवालय को प्राप्त हुई हैं। विधायकों ने कुल 1756 प्रश्न लगाए हैं, जिनमें 900 तारांकित और 856 अतारांकित प्रश्न शामिल हैं। इनमें 1091 प्रश्न ऑनलाइन और 665 प्रश्न ऑफलाइन हैं। इससे पहले कैबिनेट बैठक में प्रथम अनुपूरक अनुमान सहित कई विधेयकों के मसौदों पर चर्चा हो चुकी है।

किशोर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

मुराद पूरी करने के नाम पर फर्जी बाबा पर अश्लील हरकत करने के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुराद पूरी करने के नाम पर 17 वर्षीय युवक के साथ अश्लील हरकत करने वाले बाबा मुस्तकीम बेग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना आजाद चौक क्षेत्र के ईदगाहभाठा की बताई जा रही है।

प्रार्थी ने थाना आजाद चौक में शिकायत दर्ज कराई कि वह 15 जून 2026 को अपनी मुराद पूरी कराने के लिए मुस्तकीम बेग के पास गया था। कमरे में घुसते ही किसी ने दरवाजा बंद कर दिया। बाबा मुस्तकीम ने युवक का पूरा कपड़ा उतारकर उसे नग्न अवस्था में कमरे में पांच मिनट तक घुमाया। इसके बाद अपने पैर चुमवाकर कहा कि "तुम्हारी मुराद पूरी हो गई, सभी बाधाएं दूर कर दीं" और कपड़े पहनाकर घर भेज दिया। इस घटना से युवक काफी अपमानित महसूस कर रहा था, जिसके बाद उसने पुलिस में रिपोर्ट लिखाई। थाना आजाद चौक में इस मामले में अपराध क्रमांक 151/26 दर्ज किया गया है। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(2) और POCSO एक्ट की धारा 11(2) के तहत मामला दर्ज है।

सरगुजा के लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम नागम की घटना

आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चों की मौत, दो झुलसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरगुजा

जिले के लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम नागम में शुक्रवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से दर्दनाक हादसा हो गया। हल्की बारिश के दौरान एक पेड़ के नीचे बैठे चार बच्चे इसकी चपेट में आ गए। इस दुर्घटना में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो सगे भाई झुलस गए। घायल दोनों भाइयों का अस्पताल में उपचार जारी है।

चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर और स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब 5 बजे ग्राम नागम में बारिश शुरू हुई थी। इसी समय ये चारों बच्चे एक पेड़ के नीचे

बैठकर मोबाइल देख रहे थे। अचानक तेज चमक के साथ आकाशीय बिजली उसी पेड़ पर आ गिरी।

बिजली गिरने से चारों बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों ने बताया कि बच्चे बारिश शुरू होने के बाद भी पेड़ के नीचे ही बैठे रहे थे। इसी वजह से यह दुखद हादसा हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

मृतकों और घायलों के नाम

इस दुर्घटना में 12 वर्षीय रंजीत नगेशिया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रंजीत के पिता का नाम लोहरा नगेशिया है। 12 वर्षीय रोशन नगेशिया (पिता विजय नगेशिया) ने भी मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं 11 वर्षीय प्रभु राम (पिता भीमसाय) और उसका 13 वर्षीय भाई दिनेश घायल हो गए। प्रभु राम और दिनेश को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों ने बताया कि दोनों की हालत अब स्थिर है। उनकी जान को कोई खतरा नहीं है।

पहचान छिपाकर रह रहा था आरोपी, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

बहुचर्चित वासेपुर दोहरे हत्याकांड के फरार आरोपी शब्बीर मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

बहुचर्चित वासेपुर दोहरे हत्याकांड के फरार दोषी शब्बीर (साबिर), आलम को धनबाद पुलिस की वैध अभिरक्षा से छुड़ाकर फरार कराने के मामले में अंबिकापुर कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है।

मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है, जबकि पुलिस शब्बीर आलम को वर्षों तक संरक्षण देने वालों की भूमिका भी खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, धनबाद के बैंकमोड़ थाना के उपनिरीक्षक अभय कुमार अपनी टीम के साथ 29 जून को वारंटी शब्बीर उर्फ साबिर आलम की गिरफ्तारी के लिए अंबिकापुर पहुंचे थे। मुखबिर से सूचना मिली थी कि वह

मोमिनपुरा क्षेत्र में पहचान छिपाकर रह रहा है। पुलिस ने मोमिनपुरा मस्जिद के पास स्कूटी सवार एक युवक को रोककर पूछताछ की, जिसने अपना नाम साबिर आलम बताया। पुलिस जब गिरफ्तारी की वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर रही थी, तभी आरोपी ने आसपास मौजूद लोगों को बुला लिया।

बल प्रयोग कर वारंटी को छुड़ाकर फरार कराने का आरोप

आरोप है कि कुछ ही देर में मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस टीम का विरोध करते हुए बल प्रयोग किया और वारंटी को पुलिस अभिरक्षा से छुड़ाकर फरार करा दिया। भीड़ का फायदा उठाकर अन्य लोग भी मौके से भाग निकले। घटना के बाद कोतवाली थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान धनबाद पुलिस के अधिकारियों और गवाहों के बयान दर्ज किए गए। वीडियो कॉल और व्हाट्सएप के माध्यम से पहचान कराए जाने पर जुनैद खान (30) और उसके पिता मोहम्मद जाहिद खान (59) की घटना में संलिप्तता की पुष्टि हुई। पूछताछ में दोनों ने घटना में अपनी भूमिका स्वीकार की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया।

बस संचालक पर भी मामला दर्ज

पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शशिकांत सिन्हा, सहायक उपनिरीक्षक अदीप प्रताप सिंह, सहायक उपनिरीक्षक विवेक पांडेय तथा साइबर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जांच के दौरान अंबिकापुर पुलिस ने बस संचालक वैदुल खान के खिलाफ भी अपराध दर्ज किया है। आरोप है कि उसने वासेपुर हत्याकांड के दोषी शब्बीर आलम को करीब 13 वर्षों तक संरक्षण दिया, जबकि उसे उसकी दोषसिद्धि और फरार होने की जानकारी थी। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि अंबिकापुर में इतने लंबे समय तक शब्बीर आलम को किन-किन लोगों का संरक्षण मिलता रहा।

दोहरे हत्याकांड का आरोपी था शब्बीर आलम

पुलिस के अनुसार, शब्बीर आलम झारखंड के धनबाद स्थित वासेपुर में वर्ष 2001 के चर्चित दोहरे हत्याकांड का आरोपी है। आरोप है कि कोयला कारोबार में वर्चस्व की लड़ाई के दौरान 18 अक्टूबर 2001 को उसने फहीम खान की मां नजमा खातून और मौसी शहनाज खातून की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वर्ष 2013 में गिरफ्तारी के बाद वह अदालत में पेशी के दौरान फरार हो गया था। वर्ष 2018 में झारखंड हाईकोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित करते हुए उसकी संपत्तियों की कुर्की के आदेश दिए थे।

अंतिम दिन शादाबुद्दीन और बघेल ने नाम वापस लिए

दतिया में 22 प्रत्याशी मैदान में हर बूथ पर लगेंगी दो ईवीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दतिया विधानसभा उपचुनाव में नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। अंतिम दिन शादाबुद्दीन और मेहरबान सिंह बघेल ने अपने नाम वापस ले लिए।

इससे पहले केशव यादव भी चुनावी मैदान से हट चुके थे। अब नोटा सहित कुल 22 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इस बार प्रत्येक मतदान केंद्र पर दो बैलेट यूनिट वाली ईवीएम का उपयोग किया जाएगा। निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार एक बैलेट यूनिट में नोटा सहित अधिकतम 16 उम्मीदवारों के नाम ही दर्ज किए जा सकते हैं। ऐसे में शेष उम्मीदवारों के नाम दूसरी बैलेट यूनिट में प्रदर्शित होंगे। मतदान के दौरान मतदाता दोनों यूनिट में उम्मीदवारों के नाम और चुनाव चिह्न देख सकेंगे। नामांकन की जांच और वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिला प्रशासन ने अंतिम सूची भारत निर्वाचन आयोग को भेज दी है। देर रात तक चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया जारी रही। अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार को सभी उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए जाएंगे।

हाईकोर्ट ने पुलिस की छठी ई-निविदा निरस्त की

एल वन कंपनी का टेंडर निरस्त करना सरकार को पड़ा महंगा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस के 26 जिलों के लिए डिजिटल वीएचएफ वायरलेस सिस्टम की खरीद से जुड़े करोड़ों रुपये के टेंडर मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार द्वारा जारी छठी ई-निविदा को रद्द करते हुए पांचवीं निविदा की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने याचिकाकर्ता मोबाइल कम्युनिकेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में सरकार पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

कोर्ट ने कहा कि तकनीकी और पात्रता संबंधी सभी शर्तें पूरी करने के बाद सबसे कम दर देने वाली कंपनी एल वन होती है। पांचवें टेंडर में याचिकाकर्ता कंपनी एल वन थी, जबकि दूसरी कंपनी एल-टू थी। इसके बावजूद एल वन को अयोग्य घोषित किए बिना पूरी निविदा निरस्त कर नई प्रक्रिया शुरू करना नियमों और पारदर्शिता के सिद्धांतों के विपरीत है।

खंडपीठ ने माना कि वित्तीय बोली खुलने के बाद सभी कंपनियों की दरें

सार्वजनिक हो जाती हैं। ऐसे में एल टू कंपनी को बाद में अपनी कीमत घटाने का अवसर देना पूरी निविदा प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। रिकार्ड से यह भी सामने आया कि एल टू की संशोधित पेशकश मिलने के बाद सरकार ने पांचवीं निविदा निरस्त कर उसी दिन छठी ई-निविदा जारी कर दी, जिसमें तकनीकी और पात्रता की कई शर्तें भी बदल दी गई थीं।

कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति को दो माह में कार्रवाई के निर्देश

स्कूल परिसर व खेल मैदान के अतिक्रमण हटाएं : हाई कोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सीधी जिले के मझौली तहसील स्थित ग्राम मझगवां के शासकीय माध्यमिक शाला परिसर और खेल मैदान पर कथित अतिक्रमण के मामले में महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने कहा कि यदि जांच में अतिक्रमण पाया जाता है तो संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद नियमानुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। पूरी प्रक्रिया दो माह के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। याचिका ग्राम पंचायत मझगवां के सरपंच सुजय सिंह ने जनहित याचिका के रूप में दायर की थी। याचिका में कहा गया कि शासकीय माध्यमिक शाला की बाउंड्रीवाल और खेल मैदान पर कुछ लोगों ने निर्माण कर अतिक्रमण कर लिया है, जिससे विद्यार्थियों को खेलकूद और अन्य गतिविधियों में परेशानी हो रही है। शिकायत के बावजूद प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने पर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता को निर्देश दिया कि वह अपनी शिकायत पीएमएलए समिति (कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति) के समक्ष प्रस्तुत करे। समिति शिकायत की जांच कर अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर देकर कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। मामले में राज्य शासन के सचिव, कलेक्टर सीधी, एसडीएम, अतिरिक्त तहसीलदार मझौली सहित छब्बीलाल साहू, बालमुकुन्द साहू, भरत साहू, राजकुमार नामदेव और प्रेमलाल साहू को पक्षकार बनाया गया था। सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने उक्त निर्देशों के साथ याचिका का निराकरण कर दिया।

भेड़ाघाट में वारदात, आरोपी गिरफ्तार

हिजडा बोलने पर ले ली दोस्त की जान

जबलपुर। भेड़ाघाट थाना अतंर्गत बरखेड़ा गांव में शुक्रवार को हिजडा कहने की बात पर भडके एक व्यक्ति ने गांव के ही अपने दोस्त को लाठियों से पीट कर उसे मरणासन्न हालत में पहुंचा दिया। गंभीर घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उपचार के दौरान शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को वारदात के कुछ घंटों के भीतर ही हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 42 वर्षीय बृजेश पटेल निवासी बरखेड़ा (थाना भेड़ाघाट) के रूप में हुई है, वहीं आरोपी गांव का ही राजा चौबे है। दोनों आपस में दोस्त बताए जाते हैं।

मामले में थाना प्रभारी भेड़ाघाट से मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को राजा बड़खेरा में वारदात होने की सूचना पर पहुॅची पुलिस को अनिकेत पटेल निवासी राजा बरखेड़ा ने बताया कि वह शुक्रवार को अपरान्ह बरखेड़ा मोड़ की ओर चाय पीने के लिये पैदल आ रहा था जैसे ही रिंग रोड पुलिया के आगे पहुंचा देखा कि बरखेड़ा (राजा)

निवासी अनिल कुमार चौबे उर्फ गुड्डा चौबे डंडे से ब्रजेश पटेल को बरखेड़ा मोड़ पर वैभव ठाकुर की टी स्टाल के पीछे मारपीट कर रहा था। साथ ही चिल्लाकर गाली गलोज करते हुये बोला कि मुझे हिजड़ा बोलता है, तुझे जान से खत्म कर देता हूॅ, और जान से मारने की नियत से अनिल कुमार चौबे उर्फ गुड्डा चौबे उसकी बडी मां के बेटे ब्रजेश पटेल को डंडे से मारपीट कर रहा था। उसे आता देख अनिल कुमार चौबे वहां से डंडा लेकर भागने लगा। वैभव टी स्टाल के पीछे देखा उसका चचेरा भाई ब्रजेश पटेल पेट के बल पडा था जिसे सिर, नाक, मुंह में चोट थी जिसे गांव के लोगों की मदद से उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। रिपोर्ट पर धारा 296 बी, 109 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर सरगर्मी से तलाश करते हुये आरोपी अनिल चौबे उर्फ गुड्डा उम्र 48 वर्ष निवासी राजा बडखेरा को अभिरक्षा मे लेते हुये घटना मे प्रयुक्त डण्डा जप्त कर आरोपी को प्रकरण में विधिवत गिरफ्तार कर लिया। अवहीं घायन की उपचार के दौरान मौत हो जाने पर मामले में हत्या की घारा बढाई गई। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

हरियाली और विकास कार्यों का लिया जायजा

वीआईपी कल्चर छोड़ सामान्य वाहन से शहर भ्रमण पर निकले निगमायुक्त

जबलपुर। सादगी और कार्यों के प्रति निष्ठा की मिसाल पेश करते हुए निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने वीआईपी वाहन और प्रोटोकॉल को छोड़ सामान्य गाड़ी से अधिकारियों की टीम के साथ शहर का करीब पांच घंटे तक सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों, पर्यावरण संरक्षण और शहर सौंदर्यीकरण की योजनाओं का जमीनी निरीक्षण किया। निगमायुक्त ने दमोहनाका से आईएसबीटी, इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग प्वाइंट, वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और गार्डन लैंडफिल साइट का निरीक्षण कर अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सिविल लाइन, पचपेढ़ी और डुमना नेचर पार्क में चल रहे पौधारोपण कार्यों का भी जायजा लिया। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 15 सितंबर तक निर्धारित लक्ष्य के अनुसार पौधारोपण का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर को ग्रीन सिटी बनाने के लिए पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखरेख भी सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा नगर निगम द्वारा विकसित की जा रही 'अशोक वाटिका' और 'सीता वाटिका' जैसी पौराणिक थीम आधारित वाटिकाओं को शहर के आकर्षण का केंद्र बनाने की योजना पर चर्चा की गई। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने कहा कि समयसीमा तय कर अधिकारियों की जिम्मेदारी सुनिश्चित करना और शहर को हराभरा एवं सुंदर बनाना प्राथमिकता है। इस दौरान नगर निगम के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मृत भाई की सहायता राशि पर साइबर ठगों की नजर, खाते से 30 हजार रुपये उड़ाए

जबलपुर। साइबर ठगों ने इस बार सड़क हादसे में मृत युवक के परिजनों को मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि को निशाना बनाया। माढ़ोताल थाना क्षेत्र निवासी एक युवक के बैंक खाते से 29 हजार 999 रुपये ऑनलाइन धोखाधड़ी कर निकाल लिए गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम औरिया केवट मोहल्ला निवासी 30 वर्षीय अजीत केवट ने शिकायत दर्ज कराई कि उसके भाई आशीष केवट की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद मिलने वाली सहायता राशि उसके बैंक खाते में जमा हुई थी। 3 जुलाई को वह विजयनगर स्थित सेंट्रल बैंक शाखा में राशि की जानकारी लेने पहुंचा, जहां उसे पता चला कि उसी दिन उसके खाते से यूपीआई के माध्यम से 29 हजार 999 रुपये निकाल लिए गए हैं। पीड़ित का कहना है कि उसने किसी को ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी साझा नहीं की, फिर भी अज्ञात साइबर ठगों ने उसके खाते से रकम पार कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रांजैक्शन की जांच शुरू कर दी है।

स्कूलों के आसपास स्वच्छ और सुरक्षित माहौल के लिए निगम ने की कार्रवाईः अतिक्रमण हटाया

जबलपुर। शहर के शैक्षणिक क्षेत्रों को स्वच्छ, सुरक्षित और नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम एवं जिला प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई की। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर संभाग क्रमांक-13 अंतर्गत भंवरताल गार्डन और सेंट नॉर्बर्ट स्कूल के आसपास अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया गया और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार वीर बहादुर सिंह धुर्वे की उपस्थिति में निगम की अतिक्रमण एवं स्वास्थ्य टीम ने स्कूल के बाहर और आसपास लगे हाथ ठेले, गंदगी फैलाने वाले स्थानों तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कार्रवाई की। प्रशासन ने बताया कि बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। अधिकारियों के अनुसार, विद्यालयों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और नशीले पदार्थों के संभावित विक्रय जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन ने सराहना करते हुए इसे बच्चों के हित में आवश्यक कदम बताया।

जंगली सूअर के लिए बिछाया जाल, खेत मालिक पर मामला दर्ज

करंट की चपेट में आए किसान की मौत

जबलपुर। बेलखेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में जंगली सूअरों का शिकार करने के लिए खेत के चारों ओर बिछाए गए करंटयुक्त तार की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में खेत मालिक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान पप्पू पटेल के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि खेत मालिक प्रदीप पटेल जंगली सूअरों और अन्य वन्यजीवों को खेत से दूर रखने अथवा उनका शिकार करने के उद्देश्य से खेत की मेड़ पर नंगे बिजली के तार बिछाकर उनमें करंट प्रवाहित करता था। घटना के दिन पप्पू पटेल खेत के पास से गुजर

रहे थे, तभी उनका पैर करंट प्रवाहित तार पर पड़ गया। तेज करंट लगने से उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही बेलखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची, पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस ने आरोपी प्रदीप पटेल के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

अर्बन चैलेंज फंड से जबलपुर को 314 करोड़ की जल व सीवरेज परियोजनाओं की सौगात

जबलपुर। केंद्र सरकार के अर्बन चैलेंज फंड के तहत जबलपुर में जल प्रदाय और सीवरेज व्यवस्था के विस्तार एवं आधुनिकीकरण के लिए 314.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी मिली है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने स्वीकृति दी है। जल प्रदाय योजना के लिए 64.18 करोड़ रुपये तथा सीवरेज परियोजना के लिए 250 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इन परियोजनाओं के माध्यम से शहर की बढ़ती आबादी को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा। जल प्रदाय योजना के तहत वर्ष 2040 की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 31.75 किलोमीटर नई पाइपलाइन, पांच ओवरहेड सर्विस रिजर्वायर और 2.51 किलोमीटर फीडर नेटवर्क विकसित किया जाएगा। करीब 1.14 लाख नए घरेलू नल कनेक्शन दिए जाएंगे जिससे कुल कनेक्शनों की संख्या लगभग 2.90 लाख तक पहुंच जाएगी। वहीं 4,969 स्मार्ट मीटर और पीएलसी-एससीएडीए प्रणाली के जरिए जलापूर्ति की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी।

सिहोरा बैंक डकैती के मास्टरमाइंड से पूछताछ में नए खुलासे

11 महीने फरारी में कोल कारोबार और लग्जरी वाहनों में खपाई डकैती की रकम

जबलपुर। सिहोरा स्थित इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में हुई 14.50 करोड़ रुपये की सनसनीखेज डकैती के मास्टरमाइंड सुनील पासवान की गिरफ्तारी के बाद जांच में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि फरारी के दौरान उसने लूटी गई रकम का बड़ा हिस्सा बिहार में कारोबार और संपत्तियां खड़ी करने में लगाया। रिश्तेदारों के नाम पर ट्रक और लग्जरी कारें खरीदकर उन्हें अपनी फर्म के माध्यम से कोल माइंस के कारोबार में लगा दिया, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बिहार निवासी सुनील पासवान की मुलाकात मध्यप्रदेश के राजेश दास से हुई थी। दोनों ने सिहोरा की तीन बैंकों की रेकी की और इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक को इसलिए निशाना बनाया क्योंकि वहां सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था। वारदात से पहले गिरोह करीब दस दिन तक इलाके की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। मझौली में फेरीवाले के नाम से किराये का मकान लिया गया और जबलपुर से मोटरसाइकिल खरीदकर 11 अगस्त 2025 को महज 18 मिनट में करीब 14.50 करोड़ रुपये मूल्य का सोना और पांच लाख रुपये नकद लूट लिए गए। यह जबलपुर जिले की सबसे बड़ी बैंक डकैतियों में शामिल है।

छत से भागने की कोशिश भी नहीं आई काम

लगातार 11 महीने तक फरार रहने के बाद जबलपुर क्राइम ब्रांच और बिहार एसटीएफ की संयुक्त टीम ने नक्सल प्रभावित बांके बाजार क्षेत्र के एक गांव से सुनील पासवान को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार वह उस समय घर में सो रहा था। टीम को देखकर उसने चादर लपेटकर छत के रास्ते भागने का प्रयास किया, लेकिन पहले से की गई घेराबंदी के कारण वह बच नहीं सका। उसकी गिरफ्तारी पर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड पुलिस ने कुल एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

पत्नी करती रही पांच हजार की नौकरी

जांच में यह भी सामने आया कि करोड़ों रुपये की डकैती के बावजूद सुनील ने अपनी पत्नी ममता पासवान को धनबाद के एक बुटीक में पांच हजार रुपये प्रतिमाह की नौकरी करने दी, ताकि परिवार की जीवनशैली सामान्य दिखाई दे। दोनों बेटे भी वहीं रहते थे। हालांकि वह हर महीने परिवार को 50 हजार से एक लाख रुपये तक भेजता था। पुलिस के मुताबिक, डकैती से मिले धन से चार से अधिक ट्रक और दो लग्जरी कारें खरीदी गईं। ये वाहन रिश्तेदारों के नाम पर दर्ज कराकर कोल माइंस के व्यवसाय में लगाए गए, जबकि टैक्स और जीएसटी का भुगतान भी सुनील ही करता था। अब पुलिस डकैती की पूरी रकम और उससे अर्जित संपत्तियों का ब्यौरा जुटाने में लगी है।

खाद की कालाबाजारी पर कृषि विभाग सख्त, दो कृषि केंद्र संचालकों पर एफआईआर

जबलपुर। जिले में उर्वरकों की अवैध बिक्री और निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने की शिकायतों पर कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए दो कृषि केंद्र संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के अधिकारियों ने छापामार कार्रवाई की। उप संचालक कृषि उमेश कटहरे ने बताया कि अनुविभागीय कृषि अधिकारी मनीषा पटेल एवं उर्वरक निरीक्षक जयपाल सिंह राठौर द्वारा मझगवां सिहोरा स्थित मेसर्स न्यू गोस्वामी कृषि केंद्र का निरीक्षण किया गया। जांच में संचालक राकेश गोस्वामी द्वारा लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करते हुए अनधिकृत स्रोतों से उर्वरक प्राप्त कर बिक्री करना पाया गया। इसी प्रकार किसानों की शिकायत पर कालादेही बरगी स्थित जानकी कृषि केंद्र का निरीक्षण किया गया। यहां संचालक बलिराम चौकसे द्वारा किसानों से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलकर खाद बेचने और मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं करने की अनियमितता सामने आई। जांच के दौरान किसानों ने भी अधिक कीमत वसूले जाने की शिकायत की।

मैदान में उतरे 92 प्रत्याशियों ने झोंकी पूरी ताकत

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव मतदान सोमवार को

अध्यक्ष पद पर छह दावेदार : कार्यकारिणी सदस्य बनने 51 लगा रहे जोर

जबलपुर। जिला अधिवक्ता संघ, जबलपुर के निर्वाचन सत्र 2026-28 के लिए सोमवार को मतदान होगा। चुनाव को लेकर बार परिसर में सरगर्मियां चरम पर हैं। विभिन्न पदों एवं कार्यकारिणी सदस्य के लिए कुल 92 प्रत्याशी मैदान में हैं। मतदान से एक दिन पहले प्रत्याशियों ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया। इंटरनेट मीडिया, मोबाइल काल और व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचने की कवायद पूरे दिन जारी रही। अध्यक्ष पद के लिए अभय शुक्ला, बाल्मीकि प्रसाद तिवारी, एचआर नायडू, ज्योति राय, मनीष मिश्रा और नरेंद्र जैन चुनाव मैदान में हैं। उपाध्यक्ष पद के लिए 10, महिला उपाध्यक्ष के लिए तीन,

सचिव पद के लिए आठ, सह सचिव के लिए पांच, कोषाध्यक्ष के लिए चार व पुस्तकालय सचिव के लिए चार प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य के 21 पदों के लिए 51 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता जीएस ठाकुर व उनकी टीम ने मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमवार को निर्धारित समय पर मतदान होगा, जिसके बाद मतगणना कर नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। चुनाव के अंतिम दौर में प्रत्याशी और उनके समर्थक सपोर्ट फार वोट अभियान के तहत अधिवक्ताओं से समर्थन मांगते नजर आए। इंटरनेट मीडिया पर भी चुनावी प्रचार पूरे दिन चर्चा का विषय बना रहा।

टेलीकॉम अर्बन फॉरेस्ट में हो रही वृक्षों की कटाई

जबलपुर। शहर के टेलीकॉम फैक्ट्री परिसर स्थित करीब 70 एकड़ के अर्बन फॉरेस्ट में कथित रूप से पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त को शिकायत भेजकर पेड़ों की कटाई पर तत्काल रोक लगाने तथा पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि शनिवार दोपहर टेलीकॉम फैक्ट्री क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री परिसर के भीतर और अन्य स्थानों पर पेड़ों की कटाई होती देखी गई। मंच का कहना है कि इस अर्बन फॉरेस्ट को संरक्षित और विकसित करने के लिए लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं।

पार्ट-टाइम जॉब के नाम पर लाखों रुपये की ठगी

साइबर ठगों का आतंक, टेलीग्राम टास्क बना जाल

जबलपुर। सोशल मीडिया पर सस्ते दाम में ड्राई फ्रूट खरीदना एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को महंगा पड़ गया। ठगों ने पहले ऑनलाइन ऑर्डर करवाया और फिर जीएसटी रिफंड के नाम पर बैंक खाते से 97,454 रुपये निकाल लिए। मामले में अधारताल थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पटेल नगर, महाराजपुर निवासी 67 वर्षीय निरंजन प्रसाद विश्वकर्मा ने फेसबुक पर श्रीराम ड्राई फ्रूट का विज्ञापन देखकर ड्राई फ्रूट ऑर्डर किया था। उन्होंने यूपीआई के माध्यम से 1,150 रुपये का भुगतान किया। इसके बाद कथित विक्रेता ने फोन कर जीएसटी संबंधी समस्या बताकर राशि वापस करने का झांसा दिया और यूपीआई पर कुछ निर्देशों का पालन करवाया। इसी दौरान उनके बैंक ऑफ इंडिया खाते से 97,454 रुपये निकल गए।

मोबाइल हैक कर उड़ाए 1.91 लाख रुपये

शहर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। इस बार ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया के कर्मचारी का मोबाइल हैक कर साइबर अपराधियों ने उसके बैंक खाते से 1 लाख 91 हजार 50 रुपये पार कर दिए। खमरिया पुलिस के अनुसार ग्राम मटामर निवासी हेमंत रजक, जो ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया में डीबीडब्ल्यू पद पर कार्यरत हैं, का एचडीएफसी बैंक की सिविल लाइन शाखा में खाता है। कुछ दिन पहले उनके मोबाइल पर खाते से रकम निकलने के लगातार संदेश आए। जबकि उन्होंने कोई ऑनलाइन लेनदेन नहीं किया था। बैंक पहुंचकर खाते की जानकारी लेने पर पता चला कि 11 जुलाई को तीन अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए 1.91 लाख रुपये बैंक ऑफ बड़ौदा के एक खाते में ट्रांसफर किए गए। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ठगों ने मोबाइल हैक कर क्रेड (सीआरईडी) ऐप के माध्यम से राशि स्थानांतरित की।

सुमधुर भजनों की धुन पर श्रोता झुमते नजर आये!

जय-जय राम कृष्ण हरि जयघोष से गूंज उठा मानस भवन

जबलपुर।

सुमधुर भजनों और अभंगों की भक्तिमय प्रस्तुति से मानस भवन का वातावरण आध्यात्मिक रंग में रंग गया। रसरंग, दत्त भजन मंडल, महाराष्ट्र शिक्षण मंडल एवं संगीत समाज के संयुक्त तत्वावधान में पंचम निषाद मुंबई द्वारा निर्मित 'बोलावा विठ्ठल' भक्तिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, डॉ. जितेंद्र जामदार, जस्टिस देवदत्त धर्माधिकारी, रिकुंज विज, डॉ. माणिक पांसे, सदानंद गोडबोले, डॉ. संजय नागराज, प्रदीप दुबे एवं दिनेश चंद्रराव द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। आमंत्रित कलाकारों ने "नाचतो गोपीजन वृंद वाजवी पावा गोविंद", "माझे माहेर पंढरी" और संत तुकाराम के अभंग "बोलावा विठ्ठल, पहावा विठ्ठल" सहित अनेक भक्तिमय रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. धनश्री लेले के मधुर शब्दों और संगीत विषय पर प्रभावी प्रस्तुति ने कार्यक्रम को विशेष ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम में कलाकारों का स्वागत विजय भावे, शरद आठले, अभय गोरे, विश्वास पाटणकर, डॉ. उमाशंकर शर्मा, शशांक दातार, प्रमोद पाठक, उदय परांजपे एवं रवि परांजपे सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया।

इसके बाद "राजस सुकुमार मदनाचा पुतळा", "इंद्रायणी काठी" और "खेळ मांडियेला" जैसे अभंगों की प्रस्तुतियों ने संगीत संध्या को यादगार बना दिया। वाद्ययंत्रों पर प्रसाद पाध्ये, आदित्य ओक, अपूर्व द्रविड, सम्यक पाराशरी, प्रशांत राणे एवं सुभद्र मुंडे ने शानदार संगत दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विवेक कर्महे ने किया तथा आयोजक संस्था का परिचय अजय भालेराव ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जस्टिस संजीव कालगांवकर, डॉ. कल्पना कर्महे, कैलाश गुप्ता, सेवानिवृत्त मेजर जनरल निश्चय राऊत, स्वप्निल कुलकर्णी, डॉ. शिरीष नाईक, संतोष गोडबोले सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लाल चौक श्रीनगर की तर्ज पर संवरेगा सदर मेन रोड, 6 करोड़ की योजना को मिली मंजूरी

जबलपुर। शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र सदर बाजार को आधुनिक और व्यवस्थित स्वरूप देने की दिशा में पहल शुरू हो गई है। छावनी परिषद, जबलपुर में मुख्य अधिशासी अधिकारी एवं कैंट विधायक अशोक रोहाणी की मौजूदगी में सदर मेन रोड के विकास, सौंदर्यीकरण और यातायात सुधार को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में करीब 6 करोड़ रुपये की लागत से सदर मेन रोड को श्रीनगर के प्रसिद्ध लाल चौक की तर्ज पर विकसित करने पर सहमति बनी। प्रस्तावित योजना में सड़क सौंदर्यीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, आकर्षक फुटपाथ, व्यवस्थित डिवाइडर, बेहतर यातायात प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं का विस्तार शामिल है। इसके साथ ही योद्धा चौक से भारत माता चौक तक सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई, जिससे यातायात दबाव कम होगा और वाहन पार्किंग की समस्या का समाधान हो सकेगा। विकास कार्यों के दौरान व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हों, इसके लिए व्यापारियों से सुझाव लेकर योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि सदर जबलपुर की पहचान है और इसे आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बाजार के रूप में विकसित करना

प्राथमिकता है। उन्होंने विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयसीमा में पूरा करने पर जोर दिया।

बैठक में एडिशनल एसपी यातायात अखिलेश तिवारी, डीएसपी महेंद्र प्रजापति, पूर्व पार्षद सुंदर अग्रवाल, दीपक गोलछा, अरुण अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, आशीष कोटारी, अभिजीत सोनी, बंसल जी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। योजना के पूरा होने के बाद सदर मेन रोड शहर के प्रमुख आधुनिक व्यावसायिक केंद्र के रूप में नई पहचान बना सकेगा।

पूर्व क्षेत्र विद्युत कंपनी में 150 कनिष्ठ अभियंता बने सहायक अभियंता, पदोन्नति से बढ़ा उत्साह

जबलपुर।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे कनिष्ठ अभियंताओं को बड़ी सौगात देते हुए 150 जूनियर इंजीनियरों को सहायक अभियंता पद पर पदोन्नति प्रदान की है। पदोन्नति आदेश जारी होने के बाद कंपनी अधिकारियों और कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। कंपनी प्रबंधन द्वारा जारी आदेश के अनुसार चयनित कनिष्ठ अभियंताओं को उनकी योग्यता, वरिष्ठता और विभागीय नियमों के आधार पर सहायक अभियंता पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदोन्नत अधिकारियों को कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों में नई जिम्मेदारियां दी जाएंगी। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि इस निर्णय से अधिकारियों का मनोबल बढ़ेगा और वे नई ऊर्जा के साथ उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इससे कंपनी की कार्यक्षमता और सेवा गुणवत्ता में भी सुधार आने की उम्मीद है। पदोन्नति प्राप्त अधिकारियों ने कंपनी प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प जताया। कंपनी के प्रबंध संचालक अजय गुप्ता एवं मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) श्रीमती संपदा सराफ गुर्जर ने पदोन्नत अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कंपनी ने इसे अधिकारियों के व्यावसायिक विकास और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

रोटरी इंटरैक्ट क्लब के पदाधिकारियों ने ली शपथ, सेवा कार्यों का लिया संकल्प

जबलपुर। लियोनार्ड हाई स्कूल में रोटरी इंटरैक्ट क्लब के इंस्टॉलेशन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण कर समाजसेवा और नेतृत्व के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैंट विधायक अशोक रोहाणी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मेजर अश्विन यादव, पीपी रोटेरियन अखिलेश जैन, रोटेरियन शैलेन्द्र जेठा (अध्यक्ष, रोटरी क्लब एक्सीलेंस जबलपुर) एवं विद्यालय के प्राचार्य एलजी लोबो उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष रामजी राजपूत ने राष्ट्रगान के साथ की। इस दौरान वर्ष 2025-26 में इंटरैक्ट क्लब द्वारा किए गए

सामाजिक एवं सेवा कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा नई कार्यकारिणी को पदभार सौंपा गया। विधायक अशोक रोहाणी ने नई टीम को बधाई देते हुए वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग की सेवा के लिए प्रेरित किया और विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यवाही देखने के लिए भोपाल आने का आमंत्रण भी दिया। रोटरी इंटरैक्ट क्लब 2026-27 की नई कार्यकारिणी में रामजी राजपूत (अध्यक्ष), अभिनय सिंह ठाकुर (उपाध्यक्ष), लवली कोल (सचिव), श्रुति चौहान (संयुक्त सचिव), वंशिका पिल्लई (कोषाध्यक्ष) तथा अरविंद, अभिजीत, आयुष, रौनक, जागृति, त्रिशिका और अनुष्का को डायरेक्टर चुना गया। समारोह में पीपी रोटेरियन आशीष जैन सहित रोटरी एवं इंटरैक्ट क्लब के सदस्यों ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन मिस हर्षिता ने किया, जबकि आयोजन मिस्टर जोस पैपेम एवं मिस नीलिमा स्वामी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

यूसीसी के विरोध और संगठन विस्तार को लेकर एआईएमआईएम की 5 जिलों की हुई वृहद बैठक

जबलपुर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) मध्य प्रदेश के तत्वावधान में शनिवार को जबलपुर के रसल चौक स्थित अरिहंत पैलेस में पांच जिलों की संयुक्त महा-बैठक आयोजित की गई। बैठक पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के मार्गदर्शन एवं प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जबलपुर, सागर, दमोह, कटनी और बालाघाट के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के प्रस्तावित प्रावधानों पर संवैधानिक एवं कानूनी पहलुओं पर चर्चा की गई तथा संगठन को मजबूत करने, विस्तार देने और आगामी राजनीतिक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 22 जुलाई 2026 को भोपाल में विधानसभा घेराव कर यूसीसी के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने संगठन के अधिकारों और जनहित के मुद्दों को लेकर एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया। कार्यक्रम में पांचों जिलों से आए पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का एआईएमआईएम जबलपुर जिला इकाई द्वारा स्वागत किया गया।

विश्व कौशल दिवसः दिव्यांग विद्यार्थियों को दिया गया डिजिटल एवं रोजगारपरक कौशल का प्रशिक्षण

ब्रेल प्रिंटर सुविधा वाला प्रदेश का पहला महाविद्यालय बना महाकोशल कॉलेज

जबलपुर। विश्व कौशल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल महाविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता, ब्रेल प्रिंटर के उपयोग, कम्युनिकेशन इंग्लिश, सॉफ्ट स्किल, व्यक्तित्व विकास, रोजगारपरक प्रशिक्षण तथा रिज्यूमे तैयार करने की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी गई। दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि महाविद्यालय प्रदेश का पहला संस्थान है, जहाँ दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए ब्रेल प्रिंटर की सुविधा उपलब्ध है। इसके माध्यम से नेत्रहीन विद्यार्थियों के लिए पाठ्य सामग्री तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में नेत्रहीन विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता, जिसके कारण यहाँ 100 से अधिक दिव्यांग विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. संघप्रिया तिवारी, डॉ. महेन्द्र कुशवाहा, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत, प्रशिक्षक राजीब गिरी, खेमचरन गुरुम सहित बड़ी संख्या में दिव्यांग विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यूनिसेफ सीएलएपी 3.0 फील्ड विजिट में विद्यालयों व सामुदायिक गतिविधियों का हुआ मूल्यांकन

जबलपुर।

यूनिसेफ एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के संयुक्त तत्वावधान में संचालित प्रोजेक्ट सीएलएपी 3.0 (क्लाइमेट लीडर्स एक्शन प्लान) के तहत 16 एवं 17 जुलाई को जबलपुर में दो दिवसीय फील्ड विजिट आयोजित की गई। यूनिसेफ की एसबीसी स्पेशलिस्ट झिमली बरुआ के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न विद्यालयों एवं नीमखेड़ा ग्राम का भ्रमण कर परियोजना की गतिविधियों का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों, पालकों और समुदाय के सदस्यों से संवाद किया।

टीम ने सेंट नॉर्बर्ट हायर सेकेंडरी स्कूल, यश नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल, डब्ल्यूएसईसी स्कूल, टेमर भीटा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं होली क्रॉस स्कूल में पैरेंटल केयर, डिजिटल साक्षरता, पोषण, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु नेतृत्व से जुड़ी गतिविधियों का मूल्यांकन किया। इस दौरान विद्यार्थियों को जलवायु संरक्षण, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। भ्रमण के दौरान डॉ. विजयकांत तिवारी, रिया कनोजिया, वी.के. झारिया एवं राहुल राजपूत भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त संचालक शिक्षा घनश्याम सोनी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज तथा जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे से भेंट कर परियोजना की उपलब्धियों और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। फील्ड विजिट को बच्चों एवं युवाओं में जागरूकता, नेतृत्व क्षमता और जलवायु अनुकूल व्यवहार विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया।

बैंक ऑफ इंडिया ने किसान समृद्धि महोत्सव में बांटे 38 करोड़ के ऋण स्वीकृति पत्र

जबलपुर। बैंक ऑफ इंडिया, जबलपुर अंचल द्वारा किसान समृद्धि महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को विभिन्न शाखाओं में पूंजी संवितरण शिविर सह किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने सहभागिता की। इस अवसर पर बैंक की शाखाओं द्वारा किसानों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न कृषि ऋण स्वीकृत किए गए। आंचलिक प्रबंधक रमेश कुमार ने विभिन्न शाखाओं का दौरा कर किसानों को संबोधित किया और कृषि ऋण योजनाओं की जानकारी देते हुए ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए। किसान समृद्धि महोत्सव के तहत बैंक ऑफ इंडिया, जबलपुर अंचल की शाखाओं द्वारा कुल 38 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। इसमें 15 करोड़ रुपये कृषि ऋण, 8 करोड़ रुपये खुदरा ऋण और 15 करोड़ रुपये एमएसएमई ऋण शामिल हैं। बैंक ऑफ इंडिया जबलपुर अंचल द्वारा मध्यप्रदेश के 24 जिलों में संचालित शाखाओं के माध्यम से किसानों, स्व-सहायता समूहों एवं कृषि व्यवसाय से जुड़े लोगों को बैंक एवं भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत निरंतर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

जीआरपी ने झुग्गी बस्ती में चलाया जन जागरूकता अभियान, नशामुक्त जीवन का दिलाया संकल्प

जबलपुर।

मध्यप्रदेश पुलिस के "नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान के तहत जीआरपी थाना जबलपुर ने रेलवे स्टेशन के पुल नंबर-2 के समीप स्थित झुग्गी-झोपड़ी बस्ती में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस टीम ने घर-घर जाकर युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को शराब, तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट सहित अन्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों की जानकारी दी तथा नशे से दूर रहने की अपील की। अधिकारियों ने नागरिकों से अवैध मादक पदार्थों के कारोबार या सेवन की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई गई। अभियान में सहायक उप निरीक्षक गोपाल सिंह, प्रधान आरक्षक राम निवास ओझा, दर्शन कौरव, सुनील, ललिता, आरक्षक अजय तिवारी एवं महिला आरक्षक रंकू की सक्रिय सहभागिता रही।

सेंट अलॉयसियस स्कूल रिमझा प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक क्रिश्चियन मंच ने सेंट अलॉयसियस हायर सेकेंडरी स्कूल, रिमझा में हुई तोड़फोड़ एवं हमले की घटना की निंदा करते हुए इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। मंच का आरोप है कि कुछ लोगों ने धर्मांतरण के बेबुनियाद आरोप लगाकर स्कूल परिसर में प्रवेश कर तोड़फोड़ की, जिससे शैक्षणिक संस्थान को आर्थिक नुकसान पहुंचा और ईसाई समाज में रोष व्याप्त है। मंच के अनुसार, जिस कर्मचारी ने धर्मांतरण के आरोप लगाए, उसे एक वर्ष के संविदा आधार पर नियुक्त किया गया था और सेवा संतोषजनक नहीं पाए जाने पर अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया। इसके बाद उसने कथित रूप से बजरंग दल एवं अन्य हिंदू संगठनों का सहारा लेकर स्कूल पर आरोप लगाए। संगठन ने कहा कि विद्यालय शिक्षा का मंदिर है और ऐसे संस्थानों पर हमला लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं कानून के शासन के विपरीत है। मंच ने कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में मंच के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, एडवोकेट जेम्स एन्थोनी, हैरिस नथानियल, फ्रांसिस एन्थोनी, क्रिस्टोफर नरोन्हा, क्लेमेंट पायस, अल्बर्ट एन्थोनी, लालजी प्रसाद, आनंद राज एन्थोनी, अल्फ्रेड एम्ब्रोस, फिलिप एन्थोनी, रिंकू पीटर, गुडविन चार्ल्स, एनोस विक्टर, सुधीर पावेल, रिजनाल रिचर्डसन, डेनिस क्लेमेंट एवं लकी हैरी सहित अन्य सदस्यों ने निष्पक्ष जांच की मांग की।

श्री विनोद सिंह ठाकुर- मड़ई मस्जिद के पास व्हीकल निवासी श्री विनोद सिंह ठाकुर (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शकुंतला साहू- गुप्तेश्वर निवासी श्री कैलाश साहू की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला साहू (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रमा शंकर श्रीवास्तव- दत्त रेसीडेंसी रेलवे स्टेडियम के सामने निवासी श्री रमा शंकर श्रीवास्तव (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई चौधरी- हनुमान टोरिया कांचघर निवासी श्री गुरू प्रसाद चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई चौधरी (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री महेंद्र कुमार शर्मा- गंगानगर गढ़ा निवासी श्री महेंद्र कुमार शर्मा (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुरेश चंद जैन- दीप विहार तुलाराम चौक के पास निवासी श्री सुरेश चंद्र जैन का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला मरावी- गंगा मैया व्हीकल निवासी श्री हल्के सिंह मरावी की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला मरावी (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामू बंशकार- प्रेमसागर पुलिस चौकी के पास निवासी श्री रामू बंशकार (68) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री प्रभात श्रीवास- संजय नगर अधारताल निवासी श्री प्रभात श्रीवास (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामनाथ प्रजापति- शिवधाम नगर आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री रामनाथ प्रजापति (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अम्बिका लाल यादव- नेता कॉलोनी अधारताल निवासी श्री अम्बिका लाल यादव (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रमोद चौधरी- नई बस्ती शिवाजी नगर रामपुर निवासी श्री दीनदयाल चौधरी के पुत्र श्री प्रमोद चौधरी (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति वर्गसेमी
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 8x8 से मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

वरिष्ठ नागरिक व मेधावी छात्र-छात्राएं 'विप्र रत्न' से आज होंगे सम्मानित

सिहोरा। ब्राह्मण समाज सिहोरा द्वारा वरिष्ठ नागरिक एवं मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन आज रुक्मणी पैलेस में सुबह 10 बजे से किया जाएगा। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के 100 मेधावी विद्यार्थियों को 'विप्र रत्न' सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम परम पूज्य संत श्री सियावल्लभ दास वेदांती महाराज, कटाव धाम के सानिध्य में आयोजित होगा। मुख्य अतिथि सुशील इंदू तिवारी, विधायक पनागर रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रणय प्रभात पांडे, विधायक बहोरीबंद, श्रीमती संध्या दिलीप दुबे, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद एवं श्रीमती रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री, अध्यक्ष जनपद पंचायत उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज अध्यक्ष राकेश पाठक करेंगे। समारोह में समाज के 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके दो वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही सत्र 2024 में विद्यालयों में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं के 56 एवं कक्षा 12वीं के 44 छात्र-छात्राओं को स्वर्गीय श्रीमती मालती दुबे की पुण्य स्मृति में प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। आयोजन में समाज के संरक्षक प्रकाश पांडे, अश्वनी कुमार पाठक, जयप्रकाश दुबे, नंदकुमार परौहा, महामंत्री प्रवीण कुररिया, प्रवीण गौतम, राजेन्द्र गर्ग, शिशिर पांडे, अशोक उपाध्याय, नरेन्द्र त्रिपाठी, गोपाल पाठक, अनिरुद्ध त्रिवेदी, राजेश मिश्रा, रवि दुबे, सुनील तिवारी, सुरेन्द्र तिवारी, अनिल कुररिया, नरेन्द्र खम्परिया, माधव मिश्रा, राजकिशोर तिवारी, एम.एल. गौतम, हीराधर बडगैया, अरविंद उपाध्याय, राजेन्द्र दुबे, अवधेश दुबे, अनिल दुबे, नारायण तिवारी, नवनीत शुक्ला, सतेन्द्र तिवारी, प्रशांत बाजपेयी, आर.डी. तिवारी, युवा मंडल अध्यक्ष आलोक पांडे एवं महिला मंडल अध्यक्ष धर्मशिला दुबे सहित अन्य सदस्यों ने सभी विप्रजनों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH

I, ARMY NO. 6497147W RANK HAV NAME RAKESH KUMAR MISHRA S/O UMA NARAYAN MISHRA OF UNIT 54 COY ASC SUPPLY TYPE D, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No. 6921 0703 7707 I, have changed name and date of birth of my MOTHER from name SHANTI DEVI MISHRA and date of birth 01/07/1965 (Name and date of birth as per my Army Service Records) to name SHANTI MISHRA and date of birth 01/01/1956 (name and date of birth as per my MOTHER, AADHAR CARD NO. 8562 5768 7437 AND PAN CARD NO. KHQPM7373P) vide affidavit dated 18/07/2026 formerly before Public Notary Jabalpur MP.

CORRECT NAME-SHANTI MISHRA
INCORRECT NAME-SHANTI DEVI MISHRA
CORRECT DATE OF BIRTH-01/01/1956
INCORRECT DATE OF BIRTH-01/07/1965

मिड या स्मॉल-कैप फंड: 10 साल में किसने दिखाया दम

दोनों श्रेणियों ने दिया शानदार रिटर्न, लेकिन जोखिम और उतार-चढ़ाव में मिड-कैप

दोनों का निफ्टी-50 से बेहतर रहा प्रदर्शन

- सिर्फ ज्यादा रिटर्न पर न करें फैसला, पहले जोखिम व वोलैटिलिटी भी समझें
- स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पीछे छोड़ा, मिड-कैप कम जोखिम संग बेहतर
- विशेषज्ञ बोले, गिरावट से घबराने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो अपनाएं
- दोनों फंडों में संपत्ति बनाने की क्षमता, लेकिन क्षमता के अनुसार करें फैसला
- विविधीकरण और लंबी अवधि बेहतर रिटर्न दिलाने की सबसे कारगर रणनीति

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि लंबी अवधि के लिए मिड-कैप फंड चुनें या स्मॉल-कैप फंड। दोनों श्रेणियों ने पिछले एक दशक में शानदार रिटर्न दिए हैं और निवेशकों की संपत्ति में उल्लेखनीय वृद्धि की है। हालांकि, सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश का फैसला करना सही नहीं होता। किसी भी निवेश विकल्प का चयन करते समय उसके जोखिम, उतार-चढ़ाव, निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य को भी ध्यान में रखना जरूरी है। एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्षों में मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने लंबी अवधि के निवेशकों को आकर्षक रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड का औसत 10 वर्षीय वार्षिक रिटर्न (सीएजीआर) 16.69 प्रतिशत रहा, वहीं मिड-कैप फंड ने 16 प्रतिशत का औसत रिटर्न दिया। यानी दोनों के बीच रिटर्न का अंतर बहुत अधिक नहीं है, लेकिन जोखिम और प्रदर्शन के तरीके में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है।

स्मॉल-कैप ने बेंचमार्क को पछाड़ा

आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 250 स्मॉलकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहे। दूसरी ओर, मिड-कैप फंड अपने बेंचमार्क बीएसई 150 मिडकैप टोटल रिटर्न इनडेक्स से थोड़ा पीछे रहे। इससे यह संकेत मिलता है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजरों ने बेहतर स्टॉक चयन के जरिए अतिरिक्त रिटर्न (अल्फा) बनाने में सफलता हासिल की। 10 वर्षों के प्रदर्शन में निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट, क्वांट स्मॉल कैप, एक्सिस स्मॉल कैप और एसबीआई स्मॉल कैप जैसे फंड शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में शामिल रहे। वहीं मिड-कैप श्रेणी में इनवेस्को इंडिया मिड कैप, एडलवाइस मिड कैप, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ और कोटक मिडकैप फंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

रिटर्न के साथ जोखिम भी समझें

अक्सर निवेशक केवल अधिक रिटर्न देखकर निवेश कर देते हैं, जबकि वास्तविक तस्वीर जोखिम के आंकड़ों से सामने आती है। पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप फंड का स्टैंडर्ड डिविएशन 20.33 प्रतिशत रहा, जबकि मिड-कैप फंड का यह आंकड़ा 17.88 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि स्मॉल-कैप फंड में कीमतों का उतार-चढ़ाव ज्यादा रहा और इनमें निवेश करने वालों को अधिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा। इसी तरह जोखिम के मुकाबले मिलने वाले रिटर्न को मापने वाले शार्प रेशियो में भी मिड-कैप फंड आगे रहे। मिड-कैप फंड का शार्प रेशियो 0.79 रहा, जबकि स्मॉल-कैप फंड का 0.69। इसका अर्थ है कि मिड-कैप फंड ने अपेक्षाकृत कम जोखिम लेकर बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न दिया। हालांकि दोनों श्रेणियों का सॉर्टिनो रेशियो समान रहा, जिससे स्पष्ट होता है कि डाउनसाइड जोखिम को ध्यान में रखने पर दोनों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा।

लंबी अवधि के निवेशकों को मिला फायदा : विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले 10 वर्षों की सबसे बड़ी सीख यही है कि जिन्होंने बाजार की गिरावट के दौरान घबराकर निवेश नहीं निकाला और लंबे समय तक निवेश बनाए रखा, उन्हें दोनों श्रेणियों में शानदार रिटर्न मिला। बाजार में गिरावट हर चक्र का सामान्य हिस्सा है और इसे निवेश यात्रा का स्वाभाविक चरण माना जाना चाहिए। मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड को केवल अधिक उतार-चढ़ाव के कारण नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबी अवधि में दोनों श्रेणियों ने निफ्टी 50 से बेहतर प्रदर्शन किया है और निवेशकों के लिए अच्छी संपत्ति बनाने की क्षमता दिखाई है।

विविधीकरण सबसे बेहतर रणनीति

विशेषज्ञों का कहना है कि पूरे निवेश को केवल स्मॉल-कैप या केवल मिड-कैप में लगाना समझदारी नहीं है। बेहतर रणनीति यह है कि निवेशकों का पोर्टफोलियो सभी मार्केट कैप में संतुलित रूप से विभाजित हो। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक के 10 लाख रुपये पूरी तरह स्मॉल-कैप फंड में लगे हों और बाजार में गिरावट आए, तो पूरे पोर्टफोलियो पर उसका असर पड़ेगा। जबकि यदि पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत लार्ज-कैप, 23 प्रतिशत मिड-कैप और 22 प्रतिशत स्मॉल-कैप का संतुलित निवेश हो, तो बाजार की गिरावट का प्रभाव काफी कम हो सकता है। यही कारण है कि वित्तीय योजनाकार हमेशा विविधीकरण को सफल निवेश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति मानते हैं।

किस निवेशक के लिए कौन सा फंड?

यदि आपकी निवेश अवधि 7 से 10 वर्ष या उससे अधिक है और आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, तो स्मॉल-कैप फंड आपके पोर्टफोलियो में बेहतर वृद्धि की संभावना जोड़ सकते हैं। वहीं यदि आप अच्छा रिटर्न चाहते हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम जोखिम लेना पसंद करते हैं, तो मिड-कैप फंड अधिक उपयुक्त विकल्प हो सकते हैं। पहली बार निवेश करने वालों के लिए भी सलाह दी जाती है कि वे सीधे स्मॉल-कैप में बड़ी राशि लगाने के बजाय लार्ज-कैप और मिड-कैप के साथ सीमित हिस्सेदारी स्मॉल-कैप में रखें।

एसआईपी धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका

पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड बताता है कि मिड-कैप और स्मॉल-कैप दोनों श्रेणियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। जहां स्मॉल-कैप फंड ने थोड़ा अधिक रिटर्न और बेहतर अल्फा दिया, वहीं मिड-कैप फंड ने कम उतार-चढ़ाव और बेहतर जोखिम-समायोजित प्रदर्शन के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई। निवेशकों को केवल अधिक रिटर्न के आकर्षण में निर्णय लेने के बजाय अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर पोर्टफोलियो तैयार करना चाहिए। नियमित एसआईपी, लंबी अवधि का नजरिया और विविधीकृत निवेश रणनीति ही धन सृजन का सबसे प्रभावी तरीका साबित हो सकती है।

बहुत ज्यादा एसआईपी से नहीं, सही रणनीति से बनेगी दौलत

नया म्यूचुअल फंड जोड़ने से पहले जांचें कि वास्तव में जरूरत है या नहीं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में बढ़ती जागरूकता के साथ म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बड़ी संख्या में निवेशक हर महीने सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश कर रहे हैं। अक्सर यह धारणा बन जाती है कि जितने अधिक म्यूचुअल फंड होंगे, उतना ही बेहतर रिटर्न मिलेगा और जोखिम कम होगा। लेकिन निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोच हमेशा सही नहीं होती। कई बार जरूरत से ज्यादा फंड रखने से पोर्टफोलियो में एक जैसी कंपनियों का दोहराव बढ़ जाता है, जिससे वास्तविक विविधीकरण नहीं हो पाता और निवेश का उद्देश्य भी प्रभावित हो सकता है।

फंडों की संख्या नहीं, गुणवत्ता और उद्देश्य है महत्वपूर्ण

विशेषज्ञों के अनुसार, किसी निवेशक के लिए कितनी एसआईपी या कितने म्यूचुअल फंड होने चाहिए, इसका कोई तय नियम नहीं है। यह पूरी तरह निवेश राशि, वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम उठाने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 10 से 15 हजार रुपये की एसआईपी करता है, तो उसके लिए चार से छह अच्छे म्यूचुअल फंड पर्याप्त हो सकते हैं। वहीं, 40 से 50 हजार रुपये या उससे अधिक की मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक आठ से दस फंड तक रख सकते हैं। हालांकि, इन फंडों का चयन अलग-अलग श्रेणियों और अलग-अलग एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) से होना चाहिए, ताकि पोर्टफोलियो में वास्तविक विविधीकरण बना रहे।

ओवर-डाइवर्सिफिकेशन से भी हो सकता है नुकसान

निवेश में विविधीकरण जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा विविधीकरण नुकसानदेह भी हो सकता है। यदि किसी निवेशक के कई फंड एक ही तरह की कंपनियों में निवेश करते हैं, तो फंडों की संख्या बढ़ने के बावजूद जोखिम कम नहीं होता। उदाहरण के लिए यदि किसी निवेशक के पास 10 इक्विटी फंड हैं और अधिकांश फंड एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों में ही निवेश करते हैं, तो अलग-अलग स्कीम होने के बावजूद वास्तविक निवेश लगभग समान रहेगा। ऐसे में पोर्टफोलियो केवल दिखने में बड़ा होगा, लेकिन उसमें नई विविधता नहीं जुड़ेगी।

पोर्टफोलियो ओवरलैप पर रखें नजर

म्यूचुअल फंड चुनते समय सबसे महत्वपूर्ण बात पोर्टफोलियो ओवरलैप होती है। इसका अर्थ है कि दो अलग-अलग फंडों में कितनी समान कंपनियां शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दो फंडों के बीच 20 से 30 प्रतिशत तक ओवरलैप है, तो इसे सामान्य माना जा सकता है। लेकिन यदि यह 40 से 50 प्रतिशत या उससे अधिक हो जाए, तो निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। अधिक ओवरलैप का मतलब है कि अलग-अलग फंड रखने के बावजूद निवेश लगभग एक जैसी कंपनियों में ही हो रहा है।

हर नया एनएफओ खरीदना जरूरी नहीं

कई निवेशक बाजार में आने वाले हर नए म्यूचुअल फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेश कर देते हैं। उन्हें लगता है कि नया फंड भविष्य में बेहतर रिटर्न देगा। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी एनएफओ में निवेश करने से पहले उसकी निवेश रणनीति, उद्देश्य और मौजूदा पोर्टफोलियो से उसका अंतर समझना जरूरी है। यदि नया फंड वही काम कर रहा है जो पहले से मौजूद फंड कर रहे हैं, तो उसमें निवेश करना केवल दोहराव बढ़ाएगा।

संतुलित एसेट एलोकेशन है सफलता की कुंजी

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेशकों को बाजार की तेजी या गिरावट देखकर फैसले लेने से बचना चाहिए। इसके बजाय लक्ष्य आधारित निवेश रणनीति अपनानी चाहिए। इक्विटी पोर्टफोलियो में लगभग 55 प्रतिशत निवेश लार्ज कैप, 25 प्रतिशत मिड कैप और 20 प्रतिशत स्मॉल कैप फंड में रखने से संतुलन बनाया जा सकता है। इसके साथ ही जरूरत के अनुसार डेट फंड या अन्य परिसंपत्तियों में भी निवेश रखना चाहिए, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव कम हो।

निवेशकों को मिला बड़ा फायदा

5 वर्ष में 101 इक्विटी फंड्स ने दोगुना किया निवेश

- 310 में से हर तीसरे फंड ने दिया 100% से अधिक रिटर्न
- चार स्कीमों ने सिर्फ तीन साल में किया कमाल
- पुराने रिटर्न देखकर निवेश न करें, सेक्टोरल फंड्स में लें एंट्री

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वर्षों में 310 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 101 फंड्स ने निवेशकों का पैसा दोगुना या उससे अधिक कर दिया। यानी हर तीन में से लगभग एक इक्विटी फंड ने 100 फीसदी से ज्यादा एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। इतना ही नहीं, चार म्यूचुअल फंड ऐसे भी रहे जिन्होंने केवल तीन वर्षों में ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश का फैसला केवल पुराने रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, क्योंकि बाजार और सेक्टर का प्रदर्शन समय के साथ बदलता रहता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और पीएसयू फंड्स रहे सबसे आगे

पांच साल के प्रदर्शन पर नजर डालें तो सबसे अधिक फायदा सेक्टोरल और थीमैटिक फंड्स में निवेश करने वालों को मिला। खासतौर पर इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर और मिडकैप से जुड़े फंड्स ने जबरदस्त रिटर्न दिए।

सबसे आगे आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड रहा, जिसने पांच साल में करीब 188 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी एक लाख रुपये का निवेश लगभग 2.88 लाख रुपये हो गया। इसके बाद एसबीआई पीएसयू फंड और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने करीब 183 प्रतिशत का रिटर्न दिया। वहीं आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड ने 179 प्रतिशत, डीएसपी इंडिया टाइगर फंड ने 176.51 प्रतिशत और निप्पॉन इंडिया पावर एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने लगभग 174 प्रतिशत का रिटर्न दिया। डायवर्सिफाइड मिडकैप श्रेणी में मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड ने पांच वर्षों में करीब 172 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों को शानदार कमाई कराई।

तीन साल में पैसा दोगुना करने वाले फंड

अगर केवल तीन वर्षों के प्रदर्शन को देखें तो एचडीएफसी डिफेंस फंड सबसे आगे रहा। इस फंड ने करीब 174 प्रतिशत का एब्सोल्यूट रिटर्न दिया। यानी तीन साल पहले लगाए गए एक लाख रुपये बढ़कर लगभग 2.74 लाख रुपये हो गए। इसके अलावा बंधन स्मॉल कैप फंड ने 106 प्रतिशत, क्वांट बीएफएसआई फंड ने 101.73 प्रतिशत और एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने 100.24 प्रतिशत का रिटर्न देकर निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया। हालांकि एसबीआई पीएसयू फंड 99.12 प्रतिशत रिटर्न के साथ इस सूची में शामिल होने से मामूली अंतर से चूक गया।

किन सेक्टरों ने दिलाया सबसे ज्यादा फायदा

पिछले कुछ वर्षों में जिन सेक्टरों ने निवेशकों को सबसे अधिक लाभ पहुंचाया, उनमें डिफेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसयू, पावर, स्मॉलकैप, हेल्थकेयर और बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई) प्रमुख रहे। इन क्षेत्रों में सरकार के पूंजीगत खर्च, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, सार्वजनिक उपक्रमों के बेहतर प्रदर्शन और आर्थिक गतिविधियों में तेजी का सकारात्मक असर देखने को मिला। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सेक्टोरल फंड हमेशा एक जैसी तेजी नहीं दिखाते। इनमें तेजी और मंदी आर्थिक चक्र के अनुसार आती-जाती रहती है।

क्या अब भी इनमें निवेश करना सही रहेगा?

आनंद राठी वेल्थ के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी फिरोज अजीज का कहना है कि निवेशकों को केवल पिछले शानदार रिटर्न देखकर किसी सेक्टोरल या थीमैटिक फंड में निवेश नहीं करना चाहिए। किसी भी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। उनके अनुसार, सेक्टोरल फंड्स में सही समय पर निवेश करना और सही समय पर बाहर निकलना काफी महत्वपूर्ण होता है।

दो साल में कई स्टार फंड्स की रफ्तार हुई धीमी

- पांच वर्षों में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई फंड्स का पिछले दो वर्षों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।
- उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड ने पिछले दो वर्षों में केवल 5.28 प्रतिशत रिटर्न दिया। एसबीआई पीएसयू फंड का रिटर्न 0.75 प्रतिशत रहा, जबकि आदित्य बिड़ला सन लाइफ पीएसयू इक्विटी फंड और इनवेस्को इंडिया पीएसयू इक्विटी फंड ने इस अवधि में नकारात्मक रिटर्न दर्ज किया।
- इसी तरह एचडीएफसी इंफ्रास्ट्रक्चर फंड और डीएसपी इंडिया टाइगर फंड का प्रदर्शन भी पिछले दो वर्षों में काफी धीमा रहा। इससे साफ है कि किसी सेक्टर में तेज रैली के बाद कुछ समय तक ठहराव या गिरावट आना सामान्य बात है।

छोटी-छोटी बचत से बनाएं बड़ा फंड, भविष्य होगा सुरक्षित

- लाइफस्टाइल से समझौता किए बिना हर माह कुछ न कुछ बचत करें
- अच्छी बचत का मतलब कंजूसी नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना
- आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाना जरूरी
- स्मार्ट मनी मैनेजमेंट से वर्तमान और भविष्य दोनों होंगे खुशहाल
- हर खरीदारी से पहले खुद से सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है

मनी मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बढ़ती महंगाई, बदलती जीवनशैली और बढ़ते खर्चों के बीच हर व्यक्ति की सबसे बड़ी चिंता होती है कि आखिर बचत कैसे बढ़ाई जाए। आम धारणा यह है कि पैसे बचाने के लिए अपनी पसंद, शौक और मनोरंजन पर रोक लगानी पड़ती है, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि अच्छी बचत का मतलब कंजूसी करना नहीं, बल्कि समझदारी से खर्च करना है। यदि आय, खर्च और निवेश के बीच संतुलन बनाया जाए तो बिना लाइफस्टाइल से समझौता किए हर महीने अच्छी-खासी बचत की जा सकती है। दरअसल, आज के समय में वित्तीय सुरक्षा केवल अधिक कमाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि कमाई का कितना हिस्सा सही तरीके से उपयोग और निवेश किया जा रहा है। यदि व्यक्ति छोटी-छोटी वित्तीय आदतों में बदलाव कर ले तो वह न केवल अपने मासिक खर्चों को नियंत्रित कर सकता है, बल्कि भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों जैसे घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट और इमरजेंसी फंड को भी आसानी से पूरा कर सकता है।

खर्चों का रिकॉर्ड रखना बचत की पहली सीढ़ी

वित्तीय योजना की शुरुआत हमेशा इस सवाल से होती है कि आपका पैसा आखिर खर्च कहां हो रहा है। अधिकांश लोग यह मानते हैं कि वे बहुत अधिक खर्च नहीं करते, लेकिन जब महीनेभर के बैंक स्टेटमेंट या डिजिटल भुगतान का रिकॉर्ड देखा जाता है तो कई ऐसे खर्च सामने आते हैं, जिनकी वास्तव में कोई जरूरत नहीं होती। बिना इस्तेमाल वाले ओटीटी सब्सक्रिप्शन, बार-बार ऑनलाइन खाना मंगाना, छोटी-छोटी ऑनलाइन शॉपिंग, महंगी कॉफी या बार-बार कैब का उपयोग जैसी आदतें महीने के अंत तक हजारों रुपये का अतिरिक्त खर्च करा देती हैं। यदि व्यक्ति अपने सभी खर्चों को मोबाइल ऐप, एक्सेल शीट या डायरी में दर्ज करना शुरू कर दे तो उसे तुरंत समझ आ जाएगा कि बचत की सबसे अधिक संभावना कहां है।

जरूरत और वैल्यू में फर्क समझना जरूरी

अक्सर लोग आकर्षक ऑफर या फैशन के प्रभाव में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं, जिनकी उन्हें वास्तव में आवश्यकता नहीं होती। वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर खरीदारी से पहले खुद से तीन सवाल पूछें क्या यह वास्तव में जरूरी है? क्या इसका उपयोग लंबे समय तक होगा? और क्या इसे अभी खरीदना आवश्यक है? ऐसी वस्तुओं या अनुभवों पर खर्च करना बेहतर माना जाता है जो लंबे समय तक लाभ दें। उदाहरण के लिए, कोई नई स्किल सीखना, स्वास्थ्य पर खर्च करना, परिवार के साथ यात्रा करना या अच्छी किताबें खरीदना ऐसे निवेश हैं जो लंबे समय तक मूल्य देते हैं। इसके विपरीत केवल दिखावे के लिए की गई खरीदारी कुछ समय बाद महत्व खो देती है।

'फन बजट' बनाएं, बचत भी होगी व खुशी भी

कई लोग बचत करने के उत्साह में अपने सभी मनोरंजन संबंधी खर्च बंद कर देते हैं। शुरुआत में यह आसान लगता है, लेकिन कुछ समय बाद व्यक्ति मानसिक रूप से थक जाता है और फिर अचानक जरूरत से ज्यादा खर्च करने लगता है। इस स्थिति से बचने के लिए विशेषज्ञ हर महीने एक निश्चित राशि केवल मनोरंजन, घूमने-फिरने, फिल्म देखने या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अलग रखने की सलाह देते हैं। इसे 'फन बजट' कहा जाता है। इससे व्यक्ति बिना किसी अपराधबोध के अपनी पसंद की गतिविधियों का आनंद ले सकता है और उसका कुल बजट भी नहीं बिगड़ता।

लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन बड़ा वित्तीय जाल

वित्तीय दुनिया में एक शब्द काफी लोकप्रिय है। 'लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन'। इसका मतलब है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे व्यक्ति अपने खर्च भी बढ़ा देता है। नई नौकरी मिलने पर महंगा मोबाइल खरीद लेना, वेतन बढ़ते ही लग्जरी कार की ईएमआई शुरू कर देना या हर सप्ताह महंगे रेस्टोरेंट जाना इसी प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि वेतन बढ़ने पर सबसे पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ानी चाहिए। यदि हर वेतन वृद्धि का कम से कम 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा सीधे एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य निवेश विकल्पों में लगाया जाए तो कुछ वर्षों में बड़ा निवेश कोष तैयार किया जा सकता है।

रोजमर्रा की छोटी आदतों में करें बड़ा बदलाव

बचत के लिए हमेशा बड़े बदलाव की जरूरत नहीं होती। छोटी-छोटी आदतें भी लंबी अवधि में बड़ा असर डालती हैं। उदाहरण के लिए, किसी भी सामान को खरीदने से पहले ऑनलाइन कीमतों की तुलना करना, कैशबैक और डिस्काउंट ऑफर का लाभ उठाना, अनावश्यक गैजेट अपग्रेड से बचना, बिजली और पानी की बचत करना तथा सप्ताह में कुछ दिन बाहर खाने की बजाय घर का भोजन करना जैसी आदतें हर महीने अच्छी रकम बचा सकती हैं। इसी तरह क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करें, जितना समय पर चुका सकें। अनावश्यक ईएमआई से बचना और हर महीने आय का कम से कम 20 से 30 प्रतिशत बचत या निवेश के लिए अलग रखना वित्तीय अनुशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

**संसद का मानसून सत्र इस बार 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। यह 13 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र में कुल 25 दिनों में 19 बैठकें होंगी। मोदी सरकार विदेशी अंशदान (नारेबाजी/चंदे) विनियमन संशोधन विधेयक और राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के अपमान पर 3 साल की सजा का बिल जैसे कई नए विधेयक पेश करने की तैयारी में है। वहीं, मानसून सत्र में कांग्रेस समेत विपक्षी दल नीट-यूजी पेपर लीक, अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी, अयोध्या राम मंदिर दान विवाद, ई-20 ईंधन और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं। ऐसे में सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा। संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संवाद, सहमति और संसदीय नियमों का पालन आवश्यक है। संसद की गरिमा तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे तथा विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुनें। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मानसून सत्र के लिए आत्म अवलोकन जरूरी

विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ ग्रीष्म ऋतु की तपन से राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है।

यह लगभग साढ़े तीन दशक पहले की बात है। उन दिनों की संसदीय जिन्दगी में सांसदों के पास न तो लैपटॉप थे, न 'गूगल' की त्वरित सुविधा और न ही सत्ता पक्ष या प्रतिपक्ष के पास अपने कोई भारी-भरकम मीडिया-वॉर रूम थे। पुरानी कतरनें एकत्र करने वाला कोई अत्याधुनिक तंत्र भी तब मौजूद नहीं था। मगर उन दिनों एचवी कामथ, नाथ पई, मधु लिमये, मधु दंडवते, डॉ. राममनोहर लोहिया और आचार्य कृपलानी सरीखे ऐसे प्रखर सांसदों की मौजूदगी, सत्ता पक्ष को भी सदा मुस्तैद व जवाबदेह बनाए रखती थी। नेहरू-लोहिया के मध्य 'साढ़े 5 आना औसत आय' और कृपलानी व नेहरू के मध्य कृष्ण मेनन प्रकरण पर होने वाली बहसें आज भी प्रासंगिक हैं और संसदीय दिशा की सच्ची सूचक हैं। तब ये दिग्गज जब सदन में प्रवेश करते थे, तो अपने तर्क के पक्ष में नियमित 'होमवर्क' भी करते थे और उनके दोनों हाथों में संदर्भ पुस्तकें होती थीं।

मगर अब इन सब बातों की कोई आवश्यकता भी महसूस नहीं होती। क्योंकि आज ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यवाहियों का एजेंडा पहले से ही तयशुदा होता है। प्रतिपक्ष को अक्सर लगता है कि चर्चा एवं खबरों में बने रहने का एकमात्र सुलभ उपाय, संसदीय कार्य में बाधा डालना है। सदन का बहिष्कार करना, नारेबाजी करना, तख्तियां लहराना और शोर का स्वर ऊंचा ले जाना ही प्रासंगिक बने रहने का एकमात्र तरीका मान लिया गया है। इस सबके लिए यदि सदन से बाहर भी आना पड़े तो वहां भी मीडिया कवरेज भरपूर मिल ही जाती है। इसी परिवर्तित राजनीतिक पृष्ठभूमि में, जब भी मानसून अपने साथ राहत की फुहारें लेकर आता है, सम्पूर्ण राष्ट्र की निगाहें दिल्ली के सत्ता-गलियारों और विशेषकर संसद के मानसून सत्र पर टिक जाती हैं। भारतीय लोकतंत्र का हृदय हमारी संसद है, जहां देश की दिशा और दशा तय होती है। हर बार की तरह इस बार भी एक यक्ष प्रश्न पूरे देश के मानस पटल पर गूंज रहा है कि क्या संसद का यह सत्र भी एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन और हंगामे की भेंट चढ़ जाएगा या इस बार देश को सार्थक और सकारात्मक विमर्श देखने को मिलेगा।

राष्ट्रहित को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता

जब सरकारें विपक्ष की चिंताओं को उदारतापूर्वक सुनती हैं और विपक्षी नेताओं के साथ नेपथ्य में अनौपचारिक संवाद स्थापित करती हैं, तो प्रायः बड़े से बड़े गतिरोध भी बर्फ की भांति पिघल जाते हैं। इन गंभीर परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में, यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि हमारे जन-प्रतिनिधि यह आत्मसात करें कि संसद कोई राजनीतिक अखाड़ा नहीं, अपितु राष्ट्रीय विमर्श का सर्वोच्च और पवित्र मंदिर है। इस मानसून सत्र से सम्पूर्ण राष्ट्र को यह अपेक्षा है कि विपक्ष अपना विरोध अवश्य दर्ज करे, परंतु तर्कों और प्रामाणिक तथ्यों की कसौटी पर। सरकार को भी विपक्ष के तीखे प्रश्नों का धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए और बिना किसी राजनीतिक दंभ के उनका उचित व पारदर्शी उत्तर प्रदान करना चाहिए। अंततः, यह प्रश्न अपनी जगह अडिग है कि क्या यह मानसून सत्र एक बार फिर विपक्ष के प्रदर्शन की वेदी पर स्वाहा हो जाएगा। इस प्रश्न का उत्तर पूर्णतः इस बात पर निर्भर करेगा कि सत्ता और विपक्ष, दोनों ही पक्ष अपने राजनीतिक अहंकार और दलगत स्वार्थों को किनारे रखकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं या नहीं। यदि दोनों ही पक्ष यह स्मरण रखें कि वे उस भव्य इमारत में इसलिए आसीन हैं क्योंकि देश की सवा सौ करोड़ से अधिक जनता ने उन पर अपना अटूट विश्वास जताया है तो निश्चित ही यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ने के बजाय भारत की प्रगति का नया अध्याय लिखेगा।

ज्वलंत मुद्दों की लंबी श्रृंखला

यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक जिज्ञासा मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के कोटि-कोटि करदाताओं की उस गहरी चिंता का प्रकटीकरण है जो वे अपने द्वारा चुने गए जन-प्रतिनिधियों से रखते हैं। विगत कुछ वर्षों के संसदीय इतिहास के पन्नों को यदि हम पलटें तो एक अत्यंत निराशाजनक चित्र उभर कर सामने आता है। संसद के सत्र, चाहे वह शीतकालीन हो, बजट हो या मानसून, प्रायः शोरगुल, अध्यक्ष के आसन के समीप आकर की जाने वाली नारेबाजी और अंततः अनिश्चित काल के लिए कार्यवाही स्थगित होने के गवाह बने हैं।

विपक्ष के पास सदैव सरकार को घेरने के लिए ज्वलंत मुद्दों की एक लंबी श्रृंखला होती है। चाहे वह बढ़ती महंगाई का विषय हो, बेरोजगारी की चुभती समस्या हो, केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग का आरोप हो या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील प्रसंग हों।

सशक्त और मुखर हो विपक्ष

विपक्ष का निरंतर यह तर्क रहता है कि सरकार सदन में उनके स्वर को दबाने का प्रयास कर रही है, महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा से पलायन कर रही है और बिना किसी सार्थक बहस के कानूनों को पारित करवा रही है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का यह मुखर आरोप होता है कि विपक्ष जानबूझकर राष्ट्र के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न कर रहा है, उसके पास कोई ठोस तर्क नहीं है और वह केवल राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहा है। इस निरंतर चलने वाले आरोप-प्रत्यारोप के मध्य हमें यह कदापि विस्मृत नहीं करना चाहिए कि लोकतंत्र बिना एक सशक्त और मुखर विपक्ष के नितांत अधूरा है। प्रदर्शन करना, अपनी असहमति प्रकट करना और विरोध दर्ज कराना विपक्ष का नैसर्गिक लोकतांत्रिक अधिकार है। परंतु विरोध और व्यवधान के बीच एक अत्यंत सूक्ष्म किंतु महत्वपूर्ण लक्ष्मण रेखा होती है।

बहस के लिए तत्पर रहे सरकार

जब लोकतांत्रिक विरोध, अनियंत्रित व्यवधान में परिवर्तित हो जाता है तो विपक्ष अनजाने में उसी सर्वोच्च मंच को नष्ट कर देता है जो उसे सरकार को कटघरे में खड़ा करने के लिए प्रदान किया गया है। संसद में प्रश्नकाल और शून्यकाल जैसे बहुमूल्य प्रहर होते हैं, जब जन-प्रतिनिधि सीधे मंत्रियों से जवाब तलब कर सकते हैं। यदि सदन हंगामे की भेंट चढ़ जाता है तो विपक्ष सरकार का उत्तरदायित्व तय करने का अपना सबसे अचूक अस्त्र स्वयं ही त्याग देता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है कि सरकारें बहुमत से बनती हैं, किंतु राष्ट्र सर्वसम्मति से चलता है। सत्ता पक्ष को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूर्ण अवसर और सम्मान प्राप्त हो। यदि विपक्ष किसी विशेष और ज्वलंत मुद्दे पर विमर्श की मांग कर रहा है, तो सरकार को संसदीय नियमों की परिधि में उस पर खुली बहस के लिए तत्पर रहना चाहिए।

सदन में लगातार विरोध से विपक्ष की गिरती साख

व्यवधान

चरणजीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

दुनिया के किसी भी लोकतंत्र में वहां की संसद को सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। भारतीय लोकतंत्र में संसद का स्थान किसी भी धर्मस्थल से ऊपर माना गया है, क्योंकि संसद ही वह स्थान है जहां आम जनमानस की समस्याओं के निवारण के कानून बनते हैं। देश के प्रत्येक नागरिक को ध्यान में रखकर किसी भी विषय पर चर्चा-परिचर्चा होती है। उसके बाद जनप्रतिनिधियों के वोट के आधार पर कोई विधेयक कानून का रूप लेता है। जब से देश में संविधान लागू हुआ है यह प्रक्रिया अत्यंत सुदृढ़ तरीके से आगे बढ़ रही है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को विश्व की सबसे सुदृढ़ और पारदर्शी लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। आज, जब पूरी दुनिया हमारे लोकतंत्र को एक मानक मानकर अपने देश में लोकतांत्रिक सुधार कर रही है। तब हमारे देश के लोकतंत्र में कुछ अनावश्यक त्रुटियां जगह बना रही हैं।

संसद का काम होता है जनप्रतिनिधियों के माध्यम से देश की जनता की नब्ज टटोलना, फिर उन समस्याओं के निवारण के लिए कानून बनाना। कानून बनाने की इस प्रक्रिया को एक सकारात्मक और आलोचनात्मक बहस से गुजरना आवश्यक है। अगर कोई कानून संसद में पर्याप्त बहस के बिना कानून का रूप ले लेगा तो वह कुछ लोगों को तो संतुष्ट कर सकता है, लेकिन देश के विकास की गति में कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभा सकता है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका कई मायनों में सत्ता पक्ष से भी महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि सत्तापक्ष में बैठे लोग अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में अगर विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका नहीं निभाता तो सरकार निरंकुश हो जाती है। पिछले कई वर्षों से यह देखा गया है कि विपक्ष जो विरोध करता है, वह रचनात्मक न होकर नकारात्मक होता है। विरोध की अपनी कुछ मर्यादाएं होती हैं। तथ्यों और तर्क के आधार पर विरोध स्वीकार्य होता है। उसे सुना भी जाता है और उससे कुछ सकारात्मक व रचनात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है। वर्तमान समय में होने वाला विपक्ष का विरोध, विरोध कम और व्यवधान अधिक होता है। विपक्ष का सजग होना और मुखर होना दोनों आवश्यक हैं। विपक्ष का काम है आईना बनकर सरकार के समक्ष खड़े रहना। सरकार की कमियों को उजागर करना और अगर कुछ गलत हुआ है तो उसे जनता के बीच तक ले जाना। लेकिन यही विरोध जब अपनी मर्यादा लाँघकर अनियंत्रित होने लगे, अभद्रता और हठधर्मिता पर उतर आए तो इसका मतलब होता है कि विपक्ष अपने कर्तव्यों के निर्वहन में असफल है। संसद शुरू होने के पहले दिन से ही बिना किसी उचित कारण के तख्तियाँ और बैनर लेकर कुर्सियों पर खड़े हो जाना, लगातार नारेबाजी करना ,अध्यक्ष के आसन के सामने खड़े होकर शोर मचाना और इसी शोर शराबे के कारण संसद को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करा देना न तो सरकार के पक्ष में होता है न ही विपक्ष के। इससे हर रोज जनता के टैक्स का लाखों रुपया बर्बाद होता है और बहुत से जनहित के विधेयक या तो लम्बे समय के लिए लटक जाते हैं या सरकार उन्हें बगैर किसी चर्चा के पास करा देती है जिसके कारण उन विधेयक में रचनात्मक सुधार की गुंजाइश समाप्त हो जाती है। इस प्रकार देश की जनता को मिलता है एक अधकचरा, अपरिपक्व कानून। जिसके दूरगामी परिणाम देश की जनता को झेलने पड़ते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए किसी भी कानून के प्रावधानों को लेकर जनता में जाकर विरोध करना विपक्ष का कर्तव्य है। लेकिन देश की जनता यह भी पूछती है कि जब कानून बन रहा था उस वक्त विपक्ष कहाँ था। क्या संसद के गलियारे में खड़े होकर नारे लगा रहा था या कानून पर कोई रचनात्मक चर्चा कर रहा था। संसद का मंच सरकार की जवाबदेही तय करने के लिए और सरकार से जवाब मांगने के लिए है। शून्यकाल और प्रश्नकाल के द्वारा जनप्रतिनिधि सीधे सरकार के नुमाइंदों से जवाब मांग सकते हैं। जनता की मूलभूत समस्याएं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, बिजली, पानी, सड़क, राशन होती हैं।

इन समस्याओं पर सरकार से निरंतर प्रश्न करते रहना विपक्ष का मूल एजेंडा होना चाहिए। साथ ही राजमार्ग का निर्माण, रेल, नदी जल बंटवारा, राज्य सीमा विवाद, साम्प्रदाइक सौहार्द, विदेश नीति, दूसरे देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध, ये सभी किसी भी देश के लिए ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जो विपक्ष के सहयोग के बिना नहीं हो सकते हैं। इन विषयों पर चर्चा के समय अगर विपक्ष हंगामा करता है तो फिर जनता का विपक्ष के प्रति मोहभंग होता है। जनता भली-भांति समझती है कि विरोध तथ्यों और तर्कों के आधार पर है या सिर्फ हंगामा खड़ा करने के लिए है। निष्कर्ष यही है कि विपक्ष को अपनी कार्यशैली पर विचार करना चाहिए। अगर विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो, न कि सिर्फ हंगामे के लिए। विरोध के लिए पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। विपक्ष को चाहिए कि वह अपने तर्कों को और मजबूत करे, संसद में रचनात्मक बहस के द्वारा सरकार की नीतियों का विरोध करे यही जनता के हित में है। इसलिए आवश्यक है कि संसद की कार्यवाही निर्बाध रूप से चलती रहे। यही देश हित में है।

विपक्ष को अपनी खोई हुई गरिमा फिर से प्राप्त करनी है तो उसे अपने विरोध का तरीका भी बदलना होगा। विपक्ष को समझना होगा कि विरोध रचनात्मक और तर्कसंगत हो न कि सिर्फ हंगामे के लिए। पूरी संसदीय प्रक्रिया को ठप कर देना लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

पक्ष व विपक्ष में बने व्यावहारिक संतुलन

मानसून सत्र

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय लोकतंत्र के मंदिर में जब भी नए सत्र की शुरुआत होती है, तो पूरे देश की निगाहें स्वाभाविक रूप से उस पर टिक जाती हैं। वर्तमान परिदृश्य में, संसद का यह सत्र केवल दैनिक कामकाज का गवाह बनने वाला नहीं है, बल्कि यह देश के भविष्य की आधारशिला रखने वाले दो ऐतिहासिक विषयों- परिसीमन विधेयक और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर निर्णायक चर्चा का केंद्र बनने जा रहा है। आज हर किसी के मन में यह सवाल है कि क्या सरकार इस मानसून सत्र में इन दोनों बड़े बदलावों को सफलतापूर्वक लागू कर पाएगी।

देश के चुनावी भूगोल को बदल देने वाले इन विधेयकों का भविष्य अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि सदन के भीतर सरकार की रणनीति और विपक्ष की असहमति के बीच कैसा व्यावहारिक संतुलन स्थापित होता है। यदि हम परिसीमन विधेयक को समझें, तो यह केवल भौगोलिक सीमाओं का बदलाव नहीं है, बल्कि बदलती जनसंख्या के आधार पर लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व को अद्यतन करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसके तहत लोकसभा सीटों को बढ़ाकर 850 तक करने का अभूतपूर्व प्रस्ताव रखा गया है। इसका सबसे संवेदनशील पहलू जनसंख्या से जुड़ा है, जिससे विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हो गई है कि जनसंख्या नियंत्रण में उनके अच्छे प्रदर्शन के कारण संसद में उनका प्रतिनिधित्व घट सकता है। हालांकि, गृह मंत्री ने स्पष्ट आश्वासन दिया है कि नए परिसीमन से किसी भी दक्षिणी राज्य को नुकसान नहीं होगा, बल्कि उनका आनुपातिक हिस्सा बरकरार रहेगा और कुल सीटों में भी वृद्धि होगी। इसके बावजूद, क्षेत्रीय दल इसे राज्यों के अधिकारों से जोड़कर देख रहे हैं, जिससे यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक नई राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। अब बड़ा प्रश्न यह है कि क्या सरकार इस सत्र में इस विधेयक को पारित करा सकेगी। इसे पास कराने के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत की आवश्यकता होगी। लोकसभा में सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त संख्याबल है, लेकिन राज्यसभा के आंकड़े और सहयोगी दलों की अपेक्षाओं को साधना एक कठिन चुनौती है। हालांकि, सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली में चौंकाने वाले निर्णयों का एक लंबा इतिहास रहा है, इसलिए राजनीति के इस खेल में किसी भी संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता।

इसी सरगर्मी के बीच, इस सत्र का दूसरा बड़ा मुद्दा 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की दूरगामी संकल्पना है। पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराने की ठोस वकालत की है। इसका तर्क है कि इससे हजारों करोड़ रुपये की भारी बचत होगी और बार-बार आचार संहिता लगने से विकास कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होंगी। वहीं, इसके विपरीत विपक्ष और कई विश्लेषकों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दों की आंधी में स्थानीय समस्याएं पूरी तरह दब जाएंगी। उन्हें डर है कि मतदाता एक ही पार्टी के पक्ष में एकतरफा मतदान कर सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय दलों का स्वतंत्र अस्तित्व और देश का संघीय ढांचा कमजोर हो सकता है। इन दोनों महत्वाकांक्षी विधेयकों की राह में केवल संसदीय गणित ही एकमात्र बाधा नहीं है, बल्कि संवैधानिक संशोधनों की वह जटिल प्रक्रिया भी है जिसमें राज्यों की प्रत्यक्ष भागीदारी अनिवार्य होती है। विशेष रूप से 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संकल्पना को साकार करने के लिए संविधान के कई महत्वपूर्ण अनुच्छेदों में व्यापक संशोधन की आवश्यकता होगी। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में, जहां कई प्रमुख राज्यों में विपक्षी दलों की मजबूत सरकारें आसीन हैं, वहां से इस विधेयक के पक्ष में समर्थन जुटाना केंद्र सरकार के लिए लोहे के चने चबाने जैसा होगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सरकार अपने राजनीतिक कौशल से इस जटिल चक्रव्यूह को भेद पाती है या विपक्ष एकजुट होकर इन विधेयकों को फिलहाल रोकने में सफल रहता है। पूरे देश को प्रतीक्षा है कि पक्ष और विपक्ष राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर इन गंभीर विषयों पर परिपक्व विमर्श प्रस्तुत करेंगे।

यह मानसून सत्र भारतीय लोकतंत्र के लिए एक ऐतिहासिक और निर्णायक पड़ाव बनने जा रहा है। परिसीमन और समकालिक चुनाव, दोनों ही ऐसे परिवर्तनकारी कदम हैं, जिनके लिए केवल साधारण बहुमत नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है।

सांसदों के दैनिक भत्तों में करें कटौती

आर्थिकी

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय संसद देश की संप्रभुता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-आकांक्षाओं का प्रतीक है। पिछले कुछ दशकों में संसद के भीतर बढ़ते गतिरोध और घटती उत्पादकता ने करदाताओं की धनराशि के सदुपयोग और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। भारतीय संसद को चलाने में भारी जन-धन का व्यय होता है। हालिया बजटीय आकलनों और संसदीय आंकड़ों के अनुसार, संसद के दोनों सदनों लोक सभा और राज्य सभा को सुचारू रूप से चलाने का अनुमानित खर्च लगभग 2.5 लाख प्रति मिनट यानी 1.5 करोड़ प्रति घंटा आता है। इस हिसाब से एक दिन की सामान्य कार्यवाही का खर्च करीब 9 करोड़ तक पहुंच जाता है। इस खर्च में सांसदों के वेतन-भत्ते, संसद भवन का रखरखाव, सुरक्षा, सचिवालय का स्टाफ, मुद्रण और सत्र के दौरान होने वाले अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं। जब सदन में व्यवधान के कारण कार्यवाही स्थगित होती है तो यह पूरा पैसा बिना किसी विधायी परिणाम के व्यर्थ हो जाता है।

क्या संसद न चलने पर सांसदों का भत्ता काटा जाना चाहिए? यह मुद्दा भारतीय लोकतंत्र में ज्वलंत बहस बन चुका है। इसके दो मुख्य पहलू हैं। सकारात्मक पक्ष (भत्ता काटे जाने के) यह है कि कॉरपोरेट या किसी भी संगठित क्षेत्र में 'नो वर्क, नो पे' का नियम लागू होता है। जनता का तर्क है कि जब करदाताओं की गाढ़ी कमाई से सांसदों को प्रतिदिन 'सदन उपस्थिति भत्ता' और अन्य सुविधाएं मिलती हैं तो बिना काम किए इसे प्राप्त करना नैतिक रूप से गलत है। व्यवधान के दिनों का भत्ता काटने से सांसदों में जवाबदेही बढ़ेगी। नकारात्मक पक्ष यह है कि संसदीय लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराना भी एक वैध उपकरण माना जाता है। कई बार विपक्ष को अपनी बात रखने का समय नहीं मिलता, जिससे मजबूरन वे सदन के बीचों-बीच वेल में आकर प्रदर्शन करते हैं। सांसद का काम केवल संसद में बैठना नहीं होता, वे समितियों में काम करते हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं का निवारण भी करते हैं। जब बजट या महत्वपूर्ण कानून बिना किसी बहस के 'गिलोटीन' (बिना चर्चा के पास करना) के जरिए पारित हो जाते हैं तो यह न केवल वित्तीय नुकसान है बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी हनन है। 2024 के आम चुनावों के बाद गठित 18वीं लोक सभा में विपक्ष ने पहले की तुलना में अपनी आवाज़ मजबूत की है। इसके प्रारंभिक और बजट सत्रों (2024) में लोक सभा और राज्य सभा क्रमशः 22 और 20 दिनों तक चलीं। हालांकि 2026 के बजट सत्र में विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक के कारण लगभग 20-25 घंटे व्यवधान की भेंट चढ़ गए, जिससे टैक्सपेयर मनी का नुकसान हुआ। नीट परीक्षा विवाद, विभिन्न केंद्रीय मुद्दों पर विपक्ष के तीखे तेवर, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और सेना के पूर्व जनरलों की किताबों के अंशों पर सदन में चर्चा को लेकर हुए विवादों ने सदन को बार-बार बाधित किया। भारतीय संसद के इतिहास को देखें तो पहली तीन लोक सभाओं (1952-1967) में वार्षिक बैठकों का औसत 120-130 दिन होता था, जो अब घटकर औसतन 60-70 दिन रह गया है। संसद में होने वाले व्यवधान महज तात्कालिक राजनीतिक विवाद नहीं होते बल्कि इनके पीछे कुछ गहरे संस्थागत और सियासी कारण होते हैं। विपक्ष का अकसर यह आरोप रहता है कि सरकार महत्वपूर्ण और संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव के तहत चर्चा से बचती है। करदाताओं का पैसा देश के निर्माण के लिए है न कि राजनीतिक गतिरोध की बलिवेदी पर चढ़ने के लिए। संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। न्यूनतम कार्य दिवस तय करना इस दिशा में पहला कदम हो सकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए। हर महत्वपूर्ण विधेयक को संसद में पारित होने से पहले अनिवार्य रूप से विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के पास भेजा जाना चाहिए ताकि उन पर विशेषज्ञता के साथ चर्चा हो सके। संसद की गरिमा, सर्वोच्चता और उत्पादकता तभी बहाल हो सकती है, जब सत्ता पक्ष विपक्ष को पर्याप्त सम्मान और समय दे और विपक्ष भी केवल विरोध के लिए विरोध करने के बजाय रचनात्मक आलोचना का मार्ग चुने।

संसद की उत्पादकता सुधारने और वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए कुछ ठोस सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद या दल जानबूझकर बिना किसी ठोस विधायी कारण के सदन को लगातार बाधित करता है तो आनुपातिक रूप से उनके दैनिक भत्तों में कटौती का कानून बनना चाहिए।

संसद के मानसून सत्र से पहले सरकार ने आज बुलाई सर्वदलीय बैठक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने कल सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील करेगी। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा और उन्हें पारित किए जाने की संभावना है। केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की रूपरेखा पेश कर सकती है, जबकि विपक्षी दल उन मुद्दों को सामने रख सकते हैं जिन्हें वे उठाना चाहते हैं।

बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की रूपरेखा पेश करेगी विपक्ष दल अपने-अपने मुद्दों को सरकार के सामने रखेंगे

20 जुलाई को संसद के मानसून सत्र शुरू होने से पहले सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार सभी दलों से संसद के सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग की अपील करेगी।

पीएम, सीएम व मंत्रियों को हटाने वाले बिल को मंजूरी देने की उम्मीद

130वें संविधान संशोधन बिल की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने संसद में अपनी रिपोर्ट सौंपने से पहले उसे मंजूरी देने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि समिति ने सुझाव दिया है कि अगर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को गंभीर अपराधों के आरोप में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है, तो उन्हें उनके पदों से हमेशा के लिए हटाने के बजाय सस्पेंड कर दिया जाए।

जेपीसी के मंजूरी लेने के संकेत

विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए बनाई रणनीति

सांसद सुधाकर सिंह ने रविवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन संसद के मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा मामले और नीट पेपर लीक जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरेगा। साथ ही, वे विपक्षी दलों में विभाजन करके दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की भाजपा की कथित कोशिशों का भी विरोध करेंगे।

संसद मार्च को लेकर हाई अलर्ट

दिल्ली पुलिस ने दिए बड़े संकेत अभी तक नहीं मांगी गई अनुमति

मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के अनुसार, इस मार्च के लिए संगठन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक अनुमति नहीं मांगी गई है। अगर अब अनुमति के लिए आवेदन किया भी जाता है, तो संसद सत्र के दौरान कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल को देखते हुए इसकी मंजूरी मिलने की संभावना बेहद कम है।

धारा 163 लागू रहेगी

संसद सत्र के दौरान नई दिल्ली जिले, विशेषकर संसद भवन और इंडिया गेट के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रहती है। पुलिस इस दौरान भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के तहत निषेधाज्ञा लागू रखती है, जिसके तहत चार या अधिक लोगों के इकट्ठा होने, अनधिकृत रैलियों और विरोध प्रदर्शनों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहता है।

डीजीपी की अध्यक्षता में आपात बैठक

सोनम वांगचुक को हटाए जाने के बाद जंतर-मंतर पर बढ़े तनाव को देखते हुए दिल्ली पुलिस के नवनियुक्त कमिश्नर अनुराग कुमार ने शनिवार दोपहर 1 बजे पुलिस मुख्यालय में एक उच्च स्तरीय आपातकालीन रणनीति बैठक बुलाई। बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और बिना अनुमति संसद मार्च की कोशिश करने वाले प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने की रणनीति तैयार की गई।

खबर संक्षेप

सपा नेता आजम की 2 साल की सजा बरकरार

आगरा। लोकसभा चुनाव-2019 के दौरान चुनावी सभा में अधिकारी को तनखैया बताने के मामले में

सपा नेता आजम खां को राहत नहीं मिली। निचली अदालत से मिली 2वर्ष की सजा के खिलाफ दायर उनकी अपील को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अदालत ने फैसले को सही ठहराते हुए सजा जुर्माना बरकरार रखा है।

चेंगापल्ली के पास कार टैंकर भिड़े, 3 की मौत

तिरुप्पुर। तमिलनाडु में सेलम-कोयंबटूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चेंगापल्ली के पास शनिवार को

एक कार के सड़क किनारे खड़े गैस टैंकर से टकरा जाने से एक महिला समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 घायल हो गए। मृतकों की पहचान विजय , उनकी पत्नी थेनमोझी और कुमार के रूप में हुई है। 8 लोगों का समूह तिरुत्तनी से ऊटी जा रहा था, तभी हादसा हुआ।

कोलकाता में रिहायशी इमारत में विस्फोट

कोलकाता। कोलकाता के पूर्वी बाहरी इलाके में में हुए विस्फोट में एक इमारत आंशिक रूप से

क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस को संदेह है कि यह घटना देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों के कारण हुई। दक्षिण नारायणपुर इलाके में हुए इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। मुख्य संदिग्ध मोहम्मद शमीम फरार है।

शिंदे गुट में बागी सांसदों के विलय को मंजूरी

नई दिल्ली। लोकसभा में टीएमसी और शिवसेना (उद्धव गुट) के बागी सांसदों की स्थिति को लेकर बड़ा

फैसला आ चुका है। इस कड़ी में महाराष्ट्र की शिवसेना यूबीटी को बड़ा झटका लगा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में उद्धव गुट के छह सांसदों के विलय को लोकसभा सचिवालय ने मंजूरी दे दी है। यूबीटी के सांसद अब शिंदे गुट के सांसद हो गए हैं।

हत्या मामले में 4 को आजीवन कारावास

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले की एक अदालत ने दनकौर थाना क्षेत्र के बिलासपुर

गांव में वर्ष 2016 में पुरानी रंजिश की वजह से एक युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में 4 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष कुमार चौरसिया की अदालत ने 60-60 हजार का जुर्माना लगाया।

पुलिस ने वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती कराया

भड़के विपक्ष ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा केंद्र सरकार का मूल सिद्धांत- असत्य व हिंसा

सुबह 7.40 बजे पुलिस धरनास्थल पर पहुंची

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वांगचुक को अनिश्चितकालीन अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। विपक्ष ने केंद्र पर हमला किया

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को प्रदर्शनस्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा दिया। वांगचुक को अनिश्चितकालीन अनशन के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इसे लेकर कहा है कि उसने दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि मोदी सरकार के मूल सिद्धांत 'असत्य और हिंसा' हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से उस समय हटाया जाना गलत है, जब वह अहिंसक भूख हड़ताल पर बैठे थे।

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर भड़के राहुल गांधी

सरकार ने किसी को नहीं बख्शा: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि प्रोफेसर जीडी अग्रवाल, जिन्होंने गंगा को बचाने के लिए 111 दिनों तक आमरण अनशन किया था, से लेकर हरियाणा की ओलंपिक पहलवानों, 750 किसान आंदोलनकारियों, दलितों, आदिवासियों और पेपर लीक मामलों से प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों तक, किसी को भी सरकार ने नहीं बख्शा।

अहंकार ठीक नहीं, ये सरकार की हार

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर पूर्व सीएम केजरीवाल ने केंद्र पर हमला बोला है। केजरीवाल ने कहा कि इतना अहंकार ठीक नहीं है। उन्हें जबरन उठाने की बजाय, मोदी सरकार को सोनम से बात करनी चाहिए थी। आंदोलन को कुचलने की बजाय शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था सुधारो।

पूरी दुनिया में गहरी चिंता छाई: अखिलेश

अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- 'सोनम वांगचुक को 'बल-प्रयोग' करके, जबरदस्ती उनके आमरण अनशन स्थल से उठाकर ले जाना अत्यंत निंदनीय समाचार है। आज सुबह घटी ये घटना थोड़ी ही देर में पूरे देश और संपूर्ण विश्व में फैल चुकी है। सारी दुनिया और देशभर में वांगचुक को लेकर गहरी चिंता है।

आंदोलन खत्म नहीं

मंच पर फूट-फूटकर रोए दीपके, संसद चलो अभियान होगा

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके हटाए जाने के बाद प्रदर्शन के दौरान फूट-फूटकर रो पड़े। दीपके ने भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। आंदोलन खत्म नहीं होगा। संसद तक मार्च करेंगे। प्रधानमंत्री से इस्तीफा की मांग करेंगे।

दीपके पर स्याही फेंकी, महिला हिरासत में

जंतर-मंतर पर सीजेपी के संस्थापक दीपके पर स्याही फेंकी का मामला सामने आया है। एक महिला ने अभिजीत पर स्याही फेंक दी। दिल्ली पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। इस पर दीपके ने कहा कि उन्हें नीला रंग पसंद है।

सरकार पर बरसे सेलेब्स

तानाशाही की इंतहा:प्रकाश

आम जनता के साथ-साथ कई सेलेब्स की भी इस पर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। प्रकाश राज, विशाल ददलानी, काम्या पंजाबी जैसे एक्टर्स के रिएक्शन

इस मामले पर देखने मिल रहे हैं। इन सभी ने सरकार की जमकर आलोचना की है। इस घटना को लोकतंत्र की हत्या और तानाशाही का नाम दिया है। सोनाक्षी सिन्हा ने वांगचुक की भूख हड़ताल की तुलना महात्मा गांधी की भूख हड़ताल से की गई है। श्रेया धनवंतरी ने लिखा है, हर प्रदर्शन संदेह के घेरे में है। हर असहज करने वाला सवाल एंटी-नेशनल है। आमिर खान की भतीजी और अभिनेत्री जैन खान ने वीडियो में कहती दिखी हैं, मैं यह देखकर बहुत हैरान हूं। शब्द ही नहीं हैं।

वांगचुक अभी भी भूख हड़ताल पर हैं: पत्नी

वांगचुक की पत्नी ने खुलासा किया है कि सोनम अभी भी भूख हड़ताल पर हैं। डॉक्टरों को उन्हें इलेक्ट्रोल देने से मना किया है। वो किसी

दूसरे लैब से भी सोनम की जांच करवाएंगी, उन्हें सफदरजंग अस्पताल पर भरोसा नहीं है। जल्द ही विश्वसनीय अस्पताल में भर्ती कराएंगे। 20 जुलाई को अगर सोनम मार्च में शामिल नहीं हो पाएंगे, तो मैं उनकी जगह मार्च का नेतृत्व करूंगी।

अभिषेक की बढ़ीं मुश्किलें

अमताला में पार्टी ऑफिस पर चला बुलडोजर, ध्वस्त

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन ने शनिवार को अमताला स्थित तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बेनर्जी के कार्यालय को ध्वस्त कर दिया है।

विभागीय जांच में पाया गया था इस कार्यालय का निर्माण स्वीकृत भवन योजना के बिना और लागू नियमों का उल्लंघन करते हुए किया गया था। मामले में एक अधिकारी ने बताया कि भारी सुरक्षा के बीच जेसीबी की मदद से कार्यालय को ध्वस्त किया गया। इस दौरान पुलिस और केंद्रीय बलों को घटनास्थल के आसपास तैनात किया गया था और एहतियात के तौर पर अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मी भी मौके पर मौजूद थे।

शिकायतों के बाद की गई कार्रवाई

अधिकारी ने बताया कि कार्यालय के निर्माण में सभी नियमों का उल्लंघन करने की शिकायतों के बाद यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने आगे बताया कि संबंधित व्यक्तियों को 15 जुलाई को नोटिस जारी कर शिकायतों के आधार पर शुरू की गई वैधानिक प्रक्रिया के तहत सुनवाई के लिए उपस्थित होने को कहा गया है।

भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी

इस कार्रवाई के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जश्न का माहौल छा गया, जिन्होंने अपनी पार्टी के समर्थन में नारे लगाए। अभिषेक डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र से टीएमसी के लोकसभा सांसद हैं। अमताला इसी निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। यहां से भाजपा विधायक अग्निश्वर नस्कर ने आरोप लगाया कि अभिषेक के पार्टी कार्यालय का निर्माण भवन नियमों का उल्लंघन करते हुए किया गया था और उन्होंने जिला प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत किया। नस्कर ने कहा कि यह ढांचा अवैध रूप से बनाया गया था। प्रशासन ने आखिरकार कानून के अनुसार कार्रवाई की है।

पुरी पुलिस ने एडवाइजरी दी

रथ यात्रा में उमड़ी भारी भीड़ बच्चों-बुजुर्गों को साथ न लाएं

एजेंसी ▶▶ पुरी

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए ओडिशा पुलिस के महानिदेशक वाईबी खुरानिया ने श्रद्धालुओं से छोटे बच्चों, बुजुर्गों और अस्वस्थ लोगों को साथ लेकर नहीं आने की अपील की है। सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एडवाइजरी का पालन करें। खुरानिया ने श्रद्धालुओं से कहा कि भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए कम उम्र के बच्चों को साथ न लाएं।

लाखों श्रद्धालुओं से भरी पुरी

डीजीपी ने कहा,ग्रैंड रोड श्रद्धालुओं से खचाखच भरा हुआ है। पूरे पुरी शहर में लाखों श्रद्धालु मौजूद हैं। लगातार बड़ी संख्या में लोग पुरी पहुंच रहे हैं। पूरे शहर में उत्साह और श्रद्धा का माहौल है। सलाह पर नजर रखने और निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की।

बार काउंसिल की सख्त चेतावनी

कोर्टरूम में रील बनाई तो खैर नहीं, अब शपथपत्र देना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय बार काउंसिल (बीसीआई) ने वकीलों, कानून के छात्रों और इंटर्न के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल को लेकर नई आचार संहिता जारी की है। अब अदालत परिसर, कोर्टरूम, बाररूम, वकीलों के चैंबर और न्यायिक भवनों में रील, वीडियो, फोटो या कप्रचार वाला कंटेंट बनाने पर रोक लगा दी गई है। वकीलों के बैंड और गाउन का उपयोग भी सोशल मीडिया पर प्रचार या व्यक्तिगत ब्रांडिंग के लिए करने से मना किया गया है।

सोशल मीडिया एथिक्स नोडल अधिकारी नियुक्त होंगे

कानूनी शिक्षा से जुड़े छोटे वीडियो, रील, पॉडकास्ट क्लिप या पोस्ट साझा करने की इजाजत रहेगी, बशर्ते वे भ्रामक दावे करने वाले न हों। बीसीआई ने सोशल मीडिया एथिक्स नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया है।

2047 के लक्ष्य को रफ्तार देने के लिए नीति आयोग ने जारी की रैंकिंग

निवेश अनुकूलता सूचकांक निवेश आकर्षित करने में गुजरात देश में अव्वल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु भी आगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीति आयोग ने शनिवार को नई दिल्ली में देश का प्रतिष्ठित 'निवेश अनुकूलता सूचकांक 2026 जारी की। इस में गुजरात भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पछाड़कर निवेश आकर्षित करने के मामले में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला राज्य बना। गुजरात के बाद महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गोवा और ओडिशा भी शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हैं। सीईओ निधि छिब्बर ने कहा कि यह सूचकांक केवल एक रैंकिंग नहीं है, बल्कि राज्यों के लिए

एक व्यावहारिक सुधार उपकरण है। इससे राज्यों को अपनी कमियों को पहचानने और एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा।

कारणों को रेखांकित किया

रिपोर्ट में उन प्रमुख कारणों को रेखांकित किया है, जिससे इन राज्यों को उच्च रैंकिंग मिली है। गुजरात में मजबूत बंदरगाह संचालन और बेहतरीन विद्युत क्षेत्र, महाराष्ट्र में निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल को आकर्षित करने की बेजोड़ क्षमता। वहीं तमिलनाडु में शानदार बुनियादी ढांचा आदि हैं।

8 प्रमुख स्तंभ अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर), कारोबारी माहौल, संसाधन, सरकारी नीति, नियामक सुगमता, संस्थागत वातावरण, वित्तीय स्थिति, पर्यावरणीय लचीलापन।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में 'सौश्रुतम 2026' का समापन

आयुर्वेदाचार्यों की पहचान कुशल सर्जन के रूप में हो रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आयुष मंत्रालय के तहत अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में आयोजित 3 दिनी अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 'सौश्रुतम 2026' का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। 15 से 17 जुलाई तक आयोजित इस संगोष्ठी में भारत और विदेशों के प्रमुख विशेषज्ञों ने आचार्य सुश्रुत की शल्य चिकित्सा विरासत, आयुर्वेदिक सर्जरी में नवाचार और आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वय पर विचार-विमर्श किया। खास बात यह रही कि अतिथियों ने कहा कि अब आयुर्वेद आचार्यों की पहचान सर्जन की हो रही।

खास बातें

- थाईलैंड, इजराइल, ऑस्ट्रिया, यूनाइटेड किंगडम, श्रीलंका, इंडोनेशिया, नेपाल, ग्रीस और भारत के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों तथा सर्जनों ने भाग लिया
- एआईआईए, आईएमएस-बीएचयू, आयुर्वेद संस्थान, जयपुर, इंस्टीट्यूट ऑफ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद, जामनगर की भागेदारी

समापन सत्र में शामिल हुए कई गणमान्य

समापन सत्र में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग की अध्यक्ष वैद्य मनीषा कोठेकर और दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। एनसीआईएसएम के 'बोर्ड ऑफ एथिक्स एंड रजिस्ट्रेशन' के अध्यक्ष डॉ. सुश्रुत कनौजिया और पद्मश्री प्रो. मनोरंजन साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक संवाद और नवाचार को मिला बड़ा मंच

निदेशक प्रो. (वैद्य) पीके प्रजापति ने कहा कि इसका का उद्देश्य वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देना, साक्ष्य-आधारित शल्य चिकित्सा पद्धतियों का आदान-प्रदान करना, उभरती तकनीकों को प्रदर्शित करना और आचार्य सुश्रुत की शल्य चिकित्सा विरासत को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना था।

आईआईटी दिल्ली के साथ एमओयू का नवीनीकरण

समापन समारोह के दौरान एआईआईए और आईआईटी दिल्ली के बीच सहयोगी अनुसंधान एवं नवाचार के लिए एमओयू को 5 वर्षों के लिए नवीकृत किया। 'आयुषवल्लारी' के तीसरे संस्करण, 'नेत्र रोग : सामान्य जानकारी और निवारण' पुस्तक तथा 'सौश्रुतम 2026' की स्मारिका का भी विमोचन किया ।

15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मानसूनी गतिविधियां बढ़ेंगी बिजली गिरने का भी खतरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है।

देश के कई हिस्सों में मानसून की गतिविधियां तेज होने के साथ ही भारी बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं।उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

हिमाचल में 'ऑरेंज अलर्ट'

हिमाचल प्रदेश के शिमला में 19 से 23 जुलाई के बीच कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ इस इलाके में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की उम्मीद है, जिससे पूरे राज्य में व्यापक बारिश होगी। मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की आशंका है।

'द इंडिया स्टोरी' 24 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

मुंबई। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' काफी समय से चर्चा में हैं। पिछले महीने निर्माताओं ने इसका टीजर और पोस्टर जारी किए थे, जिसने रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने वाले विषय को जनता के सामने लाने का संकेत दिया था। जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म का निर्देशन चेट्टन डीके ने किया है। फिल्म में काजल वकील के किरदार में हैं, जबकि श्रेयस एक लाचार पिता के रूप में बेटी के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रहा है। फिल्म 24 जुलाई को हिंदी, तेलुगु और तमिल में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

लाइफ Style

प्रकृति

दो साल में ही टूटा रिश्ता

एजेंसी ⏭ मुंबई

'सैयाराब' सीरियल से मशहूर हुईं अभिनेत्री प्रकृति नौटियाल अपनी 2 साल पुरानी शादी को खत्म करने जा रही हैं। यह जोड़ा, जिसने 6 महीने के छोटे से रोमांस के बाद साल 2024 के वेलेंटाइन डे पर शादी की थी, अब अलग होने का फैसला कर चुका है। उनके बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। उन्होंने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दाखिल कर दी है और अब उनकी अगली कोर्ट की तारीख नवंबर में तय है।

प्रकृति ने अगस्त 2024 में छोड़ा था घर : अगस्त 2024 में प्रकृति घर छोड़कर चली गईं, जिसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सौहार्दपूर्ण तरीके से खत्म किया। काम के मोर्चे पर उन्हें कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मार्च में उनका शो 'शहजादी है तू दिल की' कम टीआरपी के कारण बंद हो गया था।

उन्होंने बताया था कि उन्हें महसूस हुआ कि मूल कहानी से बंधे रहना उन्हें सीमित कर रहा था। शो का अचानक बंद होना उन्हें बहुत दुखी कर गया था।' उन्होंने कहा था, 'यह वाकई निराशाजनक और दिल तोड़ने वाला था।'

अगस्त 2024 में प्रकृति घर छोड़कर चली गईं, जिसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सौहार्दपूर्ण तरीके से खत्म किया। काम के मोर्चे पर उन्हें कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मार्च में उनका शो 'शहजादी है तू दिल की' कम टीआरपी के कारण बंद हो गया था।

हॉलीवुड मसाला

द ओडिसी... का रिकॉर्ड तोड़ने को तैयार

लॉस एंजिल्स। क्रिस्टोफर नोलेन की नई फिल्म 'द ओडिसी' 17 जुलाई को भारत के सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है और इसकी एडवांस बुकिंग में भी जबरदस्त हलचल देखी जा रही है। फिल्म के टिकट 150 रुपये से शुरू होकर प्रीमियम सीटों के लिए 3,400 रुपये तक जा रहे हैं। दर्शकों में फिल्म को लेकर कितनी दीवानगी है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है। होमर की क्लासिक कहानी से प्रेरित इस महाकाव्य एडवेंचर में मैट डैमन मुख्य भूमिका में हैं। जानकारों का मानना है कि यह फिल्म क्रिस्टोफर की पिछली ब्लॉकबस्टर 'ओपेनहाइमर' से भी बड़ी ब्लाकबस्टर फिल्म साबित होगी।

गोलम की कास्टिंग पर एंडी सरकिज का दो टूक जवाब

लॉस एंजिल्स। 'द हंट फॉर गोलम' में मुख्य भूमिका निभा रहे एंडी सरकिज ने फिल्म की पूरी तरह से श्वेत कास्ट को लेकर हो रहे विरोध पर अपनी बात रखी है। उन्होंने बताया कि कास्टिंग टॉल्किन के मूल विजन के मुताबिक की गई है, जो नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित है। एंडी ने कहा, 'द शायर एक ऐसा इलाका है, जो पूरी तरह से श्वेत दिखता है। उन्हें शायर की सीमाओं से बाहर क्या हो रहा है, इसकी खास परवाह नहीं होती, लेकिन वे किसी भी बाहरी व्यक्ति को अंदर नहीं आने देना चाहते।' हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि जहां जरूरी होगा, वहां इस मुद्दे पर जरूर ध्यान दिया जाएगा। 'द हंट फॉर गोलम' बिल्बो के जन्मदिन और फ्रोडो के शायर छोड़ने के बीच के 17 साल के अंतराल को दिखाती है।

इस फिल्म से कहलाई थी एक्शन की रानी

मुंबई। अभिनेत्री कैटरीना कैफ 16 जुलाई, 2026 को 43 साल की हो गई हैं। फिलहाल वह बीते कुछ साल से सिनेमा से दूर चल रही हैं और अपना पूरा समय पति विक्की कौशल व बेटे विहान कौशल को दे रही हैं, लेकिन फैंस उनकी वापसी की राह तक रहे हैं। इस बीच, हम आपको कैटरीना की उस फिल्म के बारे में बताएंगे जिसने बॉक्स ऑफिस पर तबाही लाकर रख दी। लोगों ने अभिनेत्री को 'एक्शन की रानी' कहना शुरू कर दिया। यहां जिस फिल्म की बात हो रही है, उसका नाम 'टाइगर जिंदा है' (2017) है। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में सलमान खान मुख्य किरदार में नजर आए थे। यह 'टाइगर' फ्रैंचाइजी की दूसरी कड़ी है, जिसमें कैटरीना ने अपने किरदार 'जोया' (पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट) के रूप में दमदार वापसी की थी।

सनी अपने बेटे राजवीर को बनाएंगे एक्शन हीरो

मुंबई। सनी देओल आगामी फिल्म 'बटवारा 1947' को लेकर चर्चा में हैं, जो अगले महीने 28 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी। इसमें उनके बेटे करण देओल भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस बीच, खबर है कि सनी अपने दूसरे बेटे राजवीर देओल को दोबारा सिनेमा की दुनिया में उतारने की तैयारी में हैं। इसके लिए वह 1985 में रिलीज हुई अपनी सुपरहिट फिल्म 'अर्जुन' का सहारा लेंगे, जिसमें राजवीर बतौर हीरो नजर आ सकते हैं। सनी अपनी फिल्म 'अर्जुन' का रीमेक बनाने जा रहे हैं, जिसमें उनके दूसरे बेटे राजवीर मुख्य भूमिका में होंगे। राहुल रवैल द्वारा निर्देशित ये एक सामाजिक-राजनीतिक एक्शन ड्रामा थी। उन्होंने बताया कि फिल्म के अधिकार करीम मोरानी और उनके साथी सुनील (बंटी) सूरमा के पास थे।

टीवी मसाला

'कौन बनेगा करोड़पति 18' की डेट का ऐलान, अमिताभ ही संभालेंगे कमान

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति सीजन 18 के साथ छोटे पर्दे पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह इस पॉपुलर क्विज शो के 18वें सीजन को होस्ट करते नजर आएंगे। नए सीजन में देश के अलग-अलग हिस्सों से आए कंटेस्टेंट्स का मशहूर 'हॉट सीट' पर स्वागत किया जाएगा। यह शो ग्रैंड प्राइज जीतने के मौके के लिए उनकी जानकारी और स्किल्स को परखेगा। सोनी टीवी ने सोशल मीडिया पर कई प्रोमो शेयर कर इसके नए फॉर्मेट के बारे में भी बताया है, जो बहुत ही खास होने वाला है। इस बार कंटेस्टेंट्स को सोचना पड़ेगा। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' का प्रीमियर 10 अगस्त को होगा।

कौन बनेगा करोड़पति 18 का नया फॉर्मेट : अमिताभ बच्चन इस शो के नए सजीन के साथ फिर से वापसी के लिए तैयार हैं। शो के मेकर्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के नए प्रोमो जारी किए हैं, जिनमें होस्ट अमिताभ बच्चन को रोजमर्रा की स्थितियों में दिखाया गया है। इन प्रोमो में बताया गया है कि आज जानकारी आसानी से मिल जाती है और टेक्नोलॉजी ने लोगों के सीखने का तरीका बदल दिया है, लेकिन सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि जानकारी का समझदारी से इस्तेमाल कैसे किया जाए। इसमें यह भी बताया गया है कि सोचना और सही फैसले लेना भी जरूरी है। ऐसे में कंटेस्टेंट्स को सिर्फ चीजें याद रखने के बजाय सोचने-समझने पर भी ध्यान देना होगा।

केबीसी 18 नए ट्विस्ट के साथ 10 अगस्त से होगा शुरू : 'कौन बनेगा करोड़पति 18' का प्रीमियर 10 अगस्त 2026 को होगा। चैनल ने शो के कई प्रोमो शेयर किए हैं, जिससे पता चलता है कि इस बार इसमें नया ट्विस्ट आने वाला है। पहले प्रोमो में बिग बी कहते हैं, 'इतिहास, खेल, विज्ञान इन सबका ज्ञान इस बार केबीसी में काफी नहीं होगा। क्योंकि अब खेल जो है वो बदल गया है। केवल उत्तर याद रखने से काम नहीं चलने वाला, सोचना पड़ेगा।' दूसरे प्रोमो में दिग्गत अभिनेता कहते हैं, 'देखिए आज एआई ने दुनिया को बदल दिया है। ये बदलाव जो है ना रुकने वाला नहीं है जो कल तक नामुमकिन लगता था, वो आज पल भर में मुमकिन होता है। इस बदलती हुई दुनिया में हम सबको भी बदलना पड़ेगा। इसलिए केबीसी में भी हमने कुछ बदलने का प्रयास किया है, अब उत्तर देने से पहले आपको सोचना पड़ेगा।'

कौन बनेगा करोड़पति 18 का तीसरा प्रोमो

तीसरे प्रोमो में वह कहते हैं, 'आज कल जवाब जो है वो हर जगह मिलने लग गया है। आपकी जेब में भी। नहीं समझे? अरे भाईसाहब आपके फोन पर। इसलिए इस बार केबीसी में हमने कुछ बदलने का प्रयास किया है, जवाब याद रखने से काम नहीं चलेगा, उसके लिए जवाब आपको सोचना पड़ेगा। जी हां, सोचना पड़ेगा।'

जिस्सू 'बहुरूपी' में इंस्पेक्टर अयान बनकर मचाएंगे धमाल

जिस्सू सेनगुप्ता एक बार फिर पर्दे पर लौटे हैं। इस बार वह 'बहुरूपी' के सीक्वल 'बहुरूपी: द गोल्डन डाकू' में इंस्पेक्टर अयान बनर्जी का किरदार निभा रहे हैं। निर्देशक नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ('पोस्टो' और 'बाबा बेबी ओ' जैसी फिल्में बनाने वाले) के साथ जिस्सू दोबारा जुड़े हैं।

मुंबई। रथ यात्रा के खास मौके पर फिल्म से जिस्सू का पहला लुक सामने आया। इस लुक में वह पुलिस की वर्दी, एविएटर चश्मा और मोटरसाइकिल पर सवार, एक सख्त और दमदार अवतार में दिखे। फैंस को उनके इस नए अंदाज की झलक मिल गई।

शिबोप्रसाद ने फिल्म को रथ यात्रा से जोड़ा : इस लुक ने यकीनन फिल्म के एक दमदार और रोमांचक नए अध्याय की नींव रख दी है। निर्देशक शिबोप्रसाद ने बताया कि 'रथ यात्रा के इस शुभ दिन पर भगवान जगन्नाथ को याद करते हुए, हमने अपने इस सफर की शुरुआत कर दी है।' यह फिल्म इंस्पेक्टर बनर्जी के इर्द-गिर्द ढेर सारे एक्शन और ड्रामा से भरपूर होने का वादा करती है। इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों में अभी से जबरदस्त उत्साह है।

रणवीर ने छुपाया 'प्रलय' का लुक

300 करोड़ की फिल्म में मचाएंगे तहलका

मुंबई। रणवीर सिंह हंसल मेहता के ऑफिस के बाहर काले कपड़ों में ढके दिखाई दिए। उन्होंने अपने सिर पर कैप, मास्क और चश्मा लगा रखा था, ताकि कोई उनकी आने वाली फिल्म 'प्रलय' के नए लुक को देख न सके। पैपराजी के लिए रुककर पोज देने के बजाय, उन्होंने सवालों पर ध्यान नहीं दिया। जब किसी ने मजाक में पूछा, 'बाबा नाराज हो क्या?', तो बस मुस्कुराते हुए तेजी से वहां से निकल गए।

रणवीर बनेंगे 'प्रलय' के सह-निर्माता

कहानी पर बनी एक पोस्ट-एपोकलिप्टिक थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर कल्याणी प्रियदर्शन के साथ मुख्य भूमिका में दिखेंगे। साथ ही, वे अपनी कंपनी 'मां कसम फिल्म्स' के बैनर तले फिल्म के सह-निर्माता भी हैं। 300 करोड़ रुपये के बड़े बजट वाली यह फिल्म रणवीर के करियर की अब तक की सबसे महंगी सोलो फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग अगस्त में शुरू होगी और सितंबर में ऑस्ट्रेलिया में इसके कई अहम हिस्सों की शूटिंग की जाएगी।

गोविंदा की वापसी से पहले ओटीटी पर जरूर देखें उनकी सुपरहिट फिल्में...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने बड़े पर्दे पर वापसी का ऐलान कर अपने प्रशंसकों को खुशखबरी दी है। उन्होंने पुष्टि की है कि वह जल्द ही फिल्म 'रूपा' में नजर आएंगे। उनकी वापसी को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है। ऐसे में नई फिल्म के रिलीज होने से पहले आइए गोविंदा की उन शानदार फिल्मों पर नजर डालते हैं, जिनका आनंद आप विभिन्न ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर ले सकते हैं।

'हीरो नंबर 1' और 'कुली नंबर 1'

साल 1997 में आई डेविड धवन की कॉमेडी फिल्म 'हीरो नंबर 1' में गोविंदा के साथ करिश्मा कपूर, कादर खान और परेश रावल मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। कॉमेडी फिल्म 'कुली नंबर 1' में गोविंदा के साथ-साथ करिश्मा कपूर, कादर खान, हरीश कुमार और शक्ति कपूर ने काम किया था। इस फिल्म का भी आप प्राइम वीडियो पर लुफ्त उठा सकते हैं।

'राजा बाबू' और 'दूल्हे राजा'

कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'राजा बाबू' में गोविंदा के साथ-साथ करिश्मा कपूर, शक्ति कपूर, कादर खान और अरुणा ईरानी अहम भूमिका में थे। इस फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया था। आप इस फिल्म को भी ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। हरमेश मल्होत्रा के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म 'दूल्हे राजा' में गोविंदा के साथ-साथ रवीना टंडन, कादर खान, जॉनी लीवर और प्रेम चोपड़ा साथ दिखाई दिए थे। इस फिल्म को आप यूट्यूब पर देख सकते हैं।

'पार्टनर'

सन 2000 के दशक की गोविंदा की सबसे बड़ी हिट फिल्म 'पार्टनर' को डेविड धवन ने निर्देशित किया था। इसमें गोविंदा के साथ सलमान खान, कैटरीना कैफ और लारा दत्ता भी नजर आए थे। आप इस फिल्म को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

'जना नायकन' ने मचाया तूफान की इतने करोड़ की बंपर बुकिंग

मुंबई। फिल्म प्रेमियों के लिए एक बड़ी खबर है। तमिलनाडु सरकार ने सुपरस्टार विजय की नई फिल्म 'जना नायकन' के टिकटों का अधिकतम मूल्य 190 रुपये तय कर दिया है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि निष्पक्षता बनी रहे और टिकटों की कालाबाजारी या मनमानी कीमत वसूली पर रोक लग सके। निर्देशक एच. विनोथ द्वारा निर्देशित यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। राज्य में इसकी एडवांस बुकिंग 19 जुलाई से शुरू हो जाएगी।

एडवांस बुकिंग दुनिया भर में 4 करोड़ पार

'जना नायकन' फिल्म रिलीज से पहले ही खूब चर्चा बटोर रही है। 16 जुलाई तक, इसकी एडवांस बुकिंग ने दुनिया भर में 4 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। रिलीज के दिन, दक्षिण भारत में सुबह 6 बजे से ही फिल्म के शो शुरू हो जाएंगे। वहीं, कर्नाटक के सिनेमाघरों में, जहां टिकटों की कीमतों पर कोई सरकारी पाबंदी नहीं है, वहां एक टिकट 800 से 1000 रुपये में बिक रहा है। उत्तर भारत में फिल्म की भारी मांग के कारण इसे लगभग 2000 सिनेमाघरों में दिखाया जाएगा। साथ ही मुंबई के मलाड और अंधेरी जैसे तमिल बहुल इलाकों में सुबह 4 बजे के विशेष शो भी रखे गए हैं।

नीट यूजी 2026: जबलपुर के आर्यमन सोलंकी बने मध्यप्रदेश टॉपर, AIR 46 रैंक हासिल की

जबलपुर। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज़ लिमिटेड के जबलपुर ब्रांच के क्लासरूम प्रोग्राम के छात्र आर्यमन सोलंकी ने **NEET UG** 2026 में 720 में से 696 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक (**AIR**) 46 हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ वे मध्यप्रदेश के स्टेट टॉपर बने हैं। आर्यमन ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के विश्वास और आकाश के शिक्षकों के मार्गदर्शन को देते हुए कहा कि नियमित मॉक टेस्ट, परफॉर्मेंस एनालिसिस, डाउट सॉल्विंग सेशन और अनुशासित तैयारी ने उनकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। **AESL** के अनुसार, इस वर्ष संस्थान के विद्यार्थियों ने **NEET UG** 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप-10 में चार, टॉप-50 में 18 और टॉप-100 में 41 स्थान हासिल किए हैं। संस्थान के चीफ एकेडमिक्स एवं बिजनेस हेड डॉ. एच.आर. राव ने आर्यमन और उनके परिवार को बधाई देते हुए इसे कड़ी मेहनत, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि **AESL** का लक्ष्य विशेषज्ञ फैकल्टी, वैज्ञानिक अध्ययन सामग्री, नियमित मूल्यांकन और व्यक्तिगत मेंटरिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करना है।

नीट यूजी 2026 में फिज़िक्सवाला के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, जबलपुर में मनाया जश्न

जबलपुर। शिक्षा कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने **NEET UG** 2026 में अपने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का जश्न मनाया। संस्थान के छात्र रविकांत दिवाकर (**AIR** 55), शिवांश आनंद (**AIR** 152), दिव्यांश जायसवाल (**AIR** 173) और साक्षी कुमारी (**AIR** 192) ने ऑल इंडिया रैंक में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। वहीं, जबलपुर के प्रियांशु नामदेव ने **AIR** 1829 प्राप्त कर शहर का गौरव बढ़ाया। फिज़िक्सवाला के संस्थापक एवं सीईओ अलख पांडे ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण प्रेरणादायक है। उन्होंने उन विद्यार्थियों का भी उत्साहवर्धन किया जिन्हें इस बार अपेक्षित सफलता नहीं मिली और कहा कि एक परीक्षा किसी के भविष्य का अंतिम निर्धारण नहीं करती। रविकांत दिवाकर ने अपनी सफलता का श्रेय कॉन्सेप्ट आधारित पढ़ाई, शिक्षकों के मार्गदर्शन और वीडियो सॉल्यूशंस को दिया, जबकि शिवांश आनंद ने नियमित प्रैक्टिस पेपर्स, मॉक टेस्ट और डाउट रेजोल्यूशन को अपनी सफलता का प्रमुख आधार बताया। संस्थान के अनुसार, फिज़िक्सवाला का कोचिंग मॉडल डेली प्रैक्टिस प्रश्न, वीडियो सॉल्यूशंस, 24×7 डाउट रेजोल्यूशन और एआई-आधारित पर्सनलाइज्ड रिवीजन जैसी सुविधाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती तैयारी उपलब्ध कराता है। इसी उपलब्धि के उपलक्ष्य में जबलपुर में छात्रों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

मानसून फन सैटरडे' में बच्चों ने खेल-खेल में सीखे नए कौशल, अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

जबलपुर। वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक में शनिवार को बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए 'मानसून फन सैटरडे' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बच्चों और उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान अम्ब्रेला क्राफ्ट, कागज़ की नाव बनाना, इंद्रधनुष चित्रकला, बीज रोपण, जल आधारित संवेदी गतिविधियाँ, मेंढक कूद प्रतियोगिता, वर्षा गीत एवं वाणी-भाषा विकास से जुड़े विभिन्न खेल आयोजित किए गए। क्लिनिक की संचालिका डॉ. सोनल मेहरा ने बच्चों के साथ गतिविधियों में भाग लेते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के संचार कौशल, मोटर स्किल, रचनात्मकता, सामाजिक सहभागिता और आत्मविश्वास का विकास करना रहा। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. दिनेश गुर्जर एवं डॉ. नीति यादव का मार्गदर्शन रहा। साथ ही स्पीच थेरेपिस्ट, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, विशेष शिक्षकों एवं सहयोगी स्टाफ के साथ स्वाति, धरनी, सीमा, बबीता, निकेश, ज्योति, रत्ना, आस्था, राजेंद्र और निशा का विशेष सहयोग रहा। अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे बच्चों के समग्र विकास के लिए उपयोगी बताया।

पृथ्वी के बाहर जीवन की तलाश पूरी ? नासा को मिले वायुमंडल के पक्के सबूत

वॉशिंगटन। हमारे सौर मंडल के बाहर जीवन की खोज में एक नया मोड़ आया है। रिसर्चर्स ने 49 प्रकाश-वर्ष दूर पृथ्वी जैसे एक ग्रह के चारों ओर एक वायुमंडल का पता लगाया है, जिसकी सतह पर तरल पानी हो सकता है। पथरीले एक्सोप्लैनेट के चारों ओर भी ऐसे घेरे के संकेत मिले हैं, जो अपने तारे के रहने योग्य क्षेत्र (हैबिटेबल जोन) के बाहर स्थित हैं। यह वह क्षेत्र है, जहां ग्रह की सतह पर तरल पानी मौजूद हो सकता है। इसलिए, वहां पृथ्वी की तरह जीवन की संभावना हो सकती है। इससे पहले गैस वाले बड़े एक्सोप्लैनेट और सब-नेपच्यून के चारों ओर वायुमंडल पाए गए हैं, लेकिन यह नई खोज अलग है।

कई मामलों में पृथ्वी के समान

डॉक्टर कॉलिन चेरुबिम के मुताबिक, यह वास्तव में एक रोमांचक खोज है। मुझे लगता है कि यह एलएचएस 1140बी को हमारे सौर मंडल के बाहर एस्ट्रोबायोलॉजी और रहने की क्षमता के अध्ययन के लिए यह सबसे आशाजनक और रोमांचक प्रयोगशाला के रूप में सबसे आगे रखती है। एलएचएस 1140बी ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी से 5.6 गुना है और इसकी त्रिज्या 70% बड़ी है। चेरुबिम ने बताया कि यह कुछ मामलों में पृथ्वी के समान है। जैसे इसकी कुल बनावट और तापमान। कुछ मामलों में यह अलग है। जैसे- यह टाइडली लॉक्ड है, इसमें बहुत अधिक पानी हो सकता है। इसका वायुमंडल बहुत अलग है। नई स्टडी से अब हमें पता चला है कि एलएचएस 1140बी में रहने लायक माहौल के लिए जरूरी सभी चीजें मौजूद हैं। यह एक चट्टानी ग्रह है, यहां का तापमान ऐसा है कि तरल पानी रह सकता है और यहां एक ऐसा वायुमंडल है जो पानी को उड़ने से रोकता है। इसका तारा शांत है और उसमें बहुत कम फ्लेयर्स (ऊर्जा विस्फोट) होते हैं।

एक और ग्रह पर बसेगी दुनिया?

खो सकते हैं वायुमंडलीय गैसें

नीदरलैंड्स की लीडेन ऑब्जर्वेटरी की डॉक्टर यामिला मिगुएल ने भी इन नतीजों का स्वागत किया और कहा कि यह पहले से ही पता था कि अपने होस्ट स्टार के करीब मौजूद ग्रह अंतरिक्ष में अपनी वायुमंडलीय गैसें खो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह ग्रह इसलिए इतना दिलचस्प है, क्योंकि यह इतनी ज्यादा मात्रा में वायुमंडल खो रहा है। हम यहां से इसका पता लगा सकते हैं, जो कि एक छोटे और पथरीले ग्रह के मामले में आसान नहीं है

यह एक शानदार खोज

2017 में खोजा गया यह ग्रह अपेक्षाकृत पास है और सेटस (समुद्री राक्षस) तारामंडल में एक छोटे लाल बौने तारे (रेड ड्वार्फ) की परिक्रमा करता है। यह तारा हमारे अपने सूर्य से छोटा और कम चमकदार है, लेकिन अपनी ऊर्जा का एक बड़ा हिस्सा आयनकारी विकिरण के रूप में छोड़ता है। चेरुबिम ने यह खोज जारी रखने के लिए, खासकर जीवन के संकेत खोजने के लिए, एक बहुत ही रोमांचक जगह है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में एस्ट्रोफिजिक्स की प्रोफेसर जेन बर्कबी ने कहा कि यह शानदार खोज है। छोटे रेड ड्वार्फ तारे सबसे आम तरह के तारे होते हैं। इसलिए उनके रहने लायक जोन में मौजूद चट्टानी एक्सोप्लैनेट का अध्ययन करने का हमारे पास सबसे अच्छा मौका होता है।

बातचीत करने से घबराता था शख्स, ढूंढ ली ऐसी नौकरी, 30 साल से नहीं की बात

रोम। आज की भागती-दौड़ती दुनिया में ज्यादातर लोग लगातार बातचीत करते रहते हैं। लेकिन, कुछ लोग बात करने से बचते हैं। इटली के मौरो मोरांडी ने इस सोच को नई ऊंचाई दी है। वे पिछले 30 सालों से किसी दूसरे इंसान से बात नहीं कर रहे हैं। उनका घर है इटली के सुंदर बुडेली आइलैंड पर, जहां वे अकेले रहकर द्वीप की देखभाल करते हैं। बताया जाता है कि 1980 के दशक के अंत में मौरो मोरांडी नाव की यात्रा पर निकले थे। बुडेली आइलैंड पहुंचकर वे वहां रुक गए। उस समय द्वीप का केयरटेकर जा रहा था। मौरो ने उसकी जगह ले ली और आइलैंड का अनौपचारिक गार्जियन बन गए। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आधुनिक सुविधाओं से दूर, बिना बिजली, इंटरनेट और लगातार संपर्क के वे प्रकृति के साथ रह रहे हैं। उनका काम है आइलैंड की देखभाल करना, सफाई रखना और प्रकृति का निरीक्षण करना।

क्यों छोड़ी बातचीत?

मौरो बताते हैं कि उन्हें शोर-शराबे वाली जिंदगी पसंद नहीं थी। वे शांति और एकांत चाहते थे। आइलैंड पर रहकर उन्होंने सादगी भरी जिंदगी अपनाई। यहां वे किताबें पढ़ते हैं, प्रकृति को निहारते हैं और अपने विचारों में खोए रहते हैं। 30 सालों में उन्होंने बहुत कम लोगों से बात की है। ज्यादातर समय वे पूरी तरह अकेले रहते हैं। उनकी यह कहानी अब दुनिया भर में प्रेरणा बन गई है।

कार्यालय वनमण्डल अधिकारी उत्पादन वनमण्डल मण्डला
Ph. /Fax No - 07642-252449 E-mail-dfowpmand@mp.gov.in

क्रमांक/2460 **निविदा सूचना** दिनांक : 15-07-2026

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक/भण्डार/2026/2250 मण्डला, दिनांक 19.06.2026 से उत्पादन वनमंडल मण्डला अंतर्गत शासकीय वाहनों के उपयोग हेतु टायर - ट्यूब क्रय करने हेतु ऑनलाईन निविदा क्रमांक 2026_MPFD_516725_1 के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गयी है, जिसमें दो ही निविदाकार द्वारा भाग लेने के फलस्वरूप पुन: निविदा संबंधी दिनांकों में संशोधन किया जाता है :-

1- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि -14.07.2026 समय 3.00 बजे अपरान्ह से आगे बढ़ाकर दिनांक 24.07.2026 समय 3.00 बजे अपरान्ह तक की जाती है ।
2- प्राप्त तकनीकी प्रस्तावों को खोलने का समय और तिथि -27.07.2026 समय 12.00 बजे अपरान्ह ।
3- प्राप्त वित्तीय प्रस्तावों को खोलने का समय और तिथि - 29.07.2026 समय 12.00 बजे अपरान्ह ।

वनमण्डल अधिकारी
G-15869/26 उत्पादन वनमण्डल मण्डला

मंगल ग्रह पर मिला 'मधुमक्खी का छत्ता'? 14 साल पुराने क्यूरियोसिटी रोवर ने भेजी तस्वीर

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष की दुनिया से एक बार फिर एक ऐसी सनसनीखेज तस्वीर सामने आई है, जिसने दुनियाभर के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया है। नासा के मंगल पर चक्कर लगाने वाले क्यूरियोसिटी रोवर ने लाल ग्रह की बंजर सतह पर एक बहुत ही अजीबोगरीब आकृति कैमरे में रिकार्ड की है, जो हूबहू मधुमक्खी के बड़े छत्ते जैसे दिखाई देती है। बीते 14 सालों से लाल ग्रह पर चक्कर लगा रहे इस रोवर से आई नई तस्वीर ने साइंस की दुनिया में नई बहस छेड़ दी है। आखिर करोड़ों मील दूर इस वीरान ग्रह पर यह जादुई पैटर्न कैसे बना? लाल ग्रह यानी मंगल पर बीते 14 सालों से खोज कर रहे क्यूरियोसिटी रोवर ने यह हैरान करने वाली तस्वीर गेल क्रेटर इलाके में खींची है। नासा के ब्लॉग के अनुसार, जब वैज्ञानिकों ने इस इलाके की तस्वीरें देखीं, तो वे हैरान हो गए। यहां की जमीन पर बड़े-बड़े पॉलीगोनल यानी कई कोण वाले स्ट्रक्चर बने हुए हैं, जो ऊपर से देखने पर हूबहू मधुमक्खी के छत्ते जैसे दिखते हैं।

इंसान का फैलाया कचरा साफ करेगा अमेजन का यह अनोखा जीव

न्यूयार्क। दुनियाभर के वैज्ञानिक सालों से प्लास्टिक कचरे से निपटने का कोई न कोई तरीका ढूंढ रहे हैं। इसी बीच अमेजन के घने जंगलों से एक ऐसी उम्मीद जागी है, जो आने वाले समय में प्लास्टिक के पहाड़ों को भी समाप्त कर सकती है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे अनोखे फंगस की खोज कर ली है, जो न सिर्फ प्लास्टिक को खाकर पचा जाता है, बल्कि इसे जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की भी जरूरत नहीं होती। इस अनोखे फंगस का वैज्ञानिक नाम पेस्टालोटियोप्सिस माइक्रोस्पोरा है। आइए जानते हैं कि यह कैसे काम करता है और क्यों यह खोज इतनी खास है। **येल यूनिवर्सिटी के छात्रों ने की थी खोज :** इस फंगस की खोज सबसे पहले अमेरिका के येल यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स और छात्रों की एक टीम ने इक्वाडोर के अमेजन जंगलों में की थी। यह टीम वहां पौधों के अंदर रहने वाले सूक्ष्मजीवों जिन्हें एंडोफाइटिक फंगस कहा जाता है पर रिसर्च करने पहुंची थी। जब इन सैंपल्स को लैब में लाकर टेस्ट किया गया, तो वैज्ञानिक हैरान हो गए। यह फंगस पॉलीयूरेथेन नाम के कड़े प्लास्टिक को आसानी से तोड़ पा रहा था, जिसका इस्तेमाल हम घरों में इंसुलेशन, फोम, कोटिंग और गोंद जैसी चीजों को बनाने में करते हैं।

बिना ऑक्सीजन के भी खा जाता है

बिना ऑक्सीजन के काम करना क्यों है बेहद खास?

ज्यादातर किसी चीज को सड़ने या गलने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। लेकिन, इस फंगस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह बिना ऑक्सीजन के भी प्लास्टिक को नष्ट कर सकता है।

इतिहास में पहली बार टाई हुआ मिस इंग्लैंड कंपटीशन

लंदन। मिस इंग्लैंड प्रतियोगिता के 98 साल के लंबे इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब जजों ने किसी एक को नहीं, बल्कि एक साथ दो-दो लड़कियों को विनर घोषित कर दिया है। यह पूरा मामला मिस इंग्लैंड ईस्ट मिडलैंड्स के खिताब का है। इस ब्यूटी पेजेंट में 19 साल की कैटलिन बैनेट और 23 साल की ऐली डैगलिश) नाम की दो सुंदरियां हिस्सा ले रही थीं। जब कैटवॉक और टैलेंट राउंड खत्म हुआ और नतीजे सामने आए, तो जज भी सिर पकड़कर बैठ गए। क्योंकि, दोनों ही कंटेस्टेंट्स के नंबर बिल्कुल बराबर आए थे।

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.
LIC HFL
LIC HOUSING FINANCE LTD
एरिया आफिस :-पहली मंज़िल, प्लाट नंबर 1919, राइट टाउन, प्रेम मंदिर के पास, जबलपुर, मध्य प्रदेश -482002, फोन नंबर 0761-2401338 Website: www.lichousing.com

मांग सूचना

(वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्ननिर्माण और सिक्योरिटी इन्ट्रेस्टे एक्ट 2002 की प्रवर्तन की धारा 13 (2) के अन्तर्गत मांग नोटिस) (1) क्रमांक (2) गृह ऋण खाता क्रमांक (3) ऋणी का नाम व पता (4) सम्पत्ति का पता (5) स्वीकृत ऋण राशि एवं दिनांक (6) बकाया राशि क्र .

क्र	गृह ऋण खाता क्रमांक	ऋणी का नाम व पता	सम्पत्ति का पता	स्वीकृत दिनांक / स्वीकृत ऋण राशि / मांग नोटिस की तिथि	बकाया राशि ₹
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	8002050000581	श्री आशीष कुमार उइके, श्रीमती कामना ठाकुर पता: हाउस नंबर 1901ए, टाइप-1, सेक्टर-2, शोभापुर, जबलपुर, मध्य प्रदेश	प्लॉट नंबर 198, नानक गृह निर्माण समिति लिमिटेड, मौजा मानेगाँव, डायवर्टेड खसरा नंबर 7/23, 7/24, 7/29, 7/30, 7/32, 7/33, 7/35 का हिस्सा (म्यूटेशन के बाद खसरा नंबर 7/432), जबलपुर, मध्य प्रदेश सीमाएँ:- पूर्व-मुगल का घर, पश्चिम-सड़क, उत्तर-पांडे जी का घर, दक्षिण-शिव प्रताप का घर। प्लॉट का एरिया 1000 वर्ग फुट।	28/03/2023 33,00,000/- 13/05/2026	33,03,753.53/- + ब्याज व अन्य खर्चे

आपके अनुरोध पर हमने आपको गृह ऋण वित्त राशि के रूप में इकरार नामे की शर्तों के अनुसार स्वीकृत की थी । जिनको आपने स्वीकार किया था । (1) स्वीकृत ऋण राशि स्वीकृति दिनांक एवं आपके खाता संख्या का ब्यौरा ऊपर दिया गया है । (2) आपको विदित है कि आपको प्रदत्त ऋण राशि उपरोक्त (कालम नं. 5) आस्ति । प्रतिभूति अनुबंध (रक्षित आस्ति) से रक्षित है । इसके लिए आपने आवश्यक दस्तावेज निष्पादन करके प्रतिभुति के रूप में सम्यबंधक किया है । (3) हम आपको यह भी सूचित करते है कि संपूर्ण ऋण अंदा करने हेतु बार - बार मांग नोटिस भेजे गए और मौखिक रूप से अनुरोध किए जाने के पश्चात भी अभी तक आपने ऋण अदा नहीं किया है । इस तरह आपने ऋण की अदायगी में गंभीर अनियमितता बरती है । (4) आज दिनांक तक आपको उपरोक्त राशि देय है (कालम नं. 6) 1 (5) ऊपर लिखे कारणों से हम एतद द्वारा आपको सूचित करते हैं कि इस नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अंदर आप समस्त देय राशियों की भुगतान करें, न करने की स्थिति में हम सिक्योरिटाईजेशन एक्ट की धारा 13 (4) की शक्तियों का उपयोग करेंगे। (6) उपरोक्त शक्तियों के अधीन कार्यवाही करने पर प्राप्त धनराशि प्रथमतः समस्त व्यय प्रभार व खर्चे हेतु उपयोग की जावेगी । जो हमारी राय में उचित प्रकार से किए गए है या संबंधित हो एवं इसके पश्चात हमारे शेष जैसा कि उपरोक्त अदित है में दिनांक **31.05.2026** से वसूली की तारीख की संविदा गत हित के निस्तारण में प्रयोग की जावेगी एवं शेष धनराशि (यदि कोई हो तो) आपको भुगतान दिया जायेगा । (7) एक्ट की धारा 13 (13) के अन्तर्गत आगाह करे कि इस नोटिस की प्राप्त के पश्चात आप इस नोटिस के दर्शायी गई किसी भी रक्षित आस्ति का अन्तरण, बिक्री पट्टे के द्वारा रक्षित ऋण दाता की लिखित पूर्ण सहमति के बिना नहीं कर सकेंगे । (8) एक्ट की धारा 13 (10) के अन्तर्गत हम आपको यह भी सूचित करते है कि यदि रक्षित आस्तियों बिक्री से प्राप्त हमारे ऋण की भरपाई नहीं होती है तो हम आपके विरूद्ध ऋण वसूली अधिकरण (DRT) में जाकर शेष धन राशि की वसूली के लिए कार्यवाही करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। यह मांग नोटिस दो समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जा रहा है।

दिनांक : **19.07.2026**
स्थान : जबलपुर

आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयेाग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती

RAIPUR GREEN ENERGY PVT. LTD.
(TATA MOTORS)
RE-WI-RE
WE ARE HIRING!
FIELD PURCHASE EXECUTIVES
(SCRAP VEHICLES)
KEY RESPONSIBILITIES
■ Field visit to find scrap, accidental & old vehicles.
REQUIREMENTS
■ Graduate ■ Experience in Secondhand Sales of Automobiles or related field preferred.
EARN MORE WITH PERFORMANCE
Send your Resume on WhatsApp
CALL: 9109952355 OR 9399230747

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6" मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

शब्द पहेली - 6291

बाएँ से दाएँ
1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे
1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली- 6290 का हल

ल	गा	म	■	अ	■	त	र	ब	त	र
ल	■	त	म	स	■	ह	म	ला	■	खै
क	श	■	■	ल	■	ल	■	■	का	ल
■	ही	■	क	हा	नी	का	र	■	र	■
ब	द	मा	श	■	र	■	च	म	क	ना
■	■	■	ल	क्ष	■	सी	ना	■	■	■
र	त	ज	गा	■	आ	■	का	म	या	ब
■	र	■	ना	ना	स	सु	र	■	च	■
रा	ह	■	■	म	■	रा	■	■	क	म
ह	■	त	ना	व	■	पा	य	ल	■	हु
त	ल	ब	गा	र	■	न	■	ब	ल	वा

सूडोकु नवताल - 6301

सरल

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6300 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड

मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

{ कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी }

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। k

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

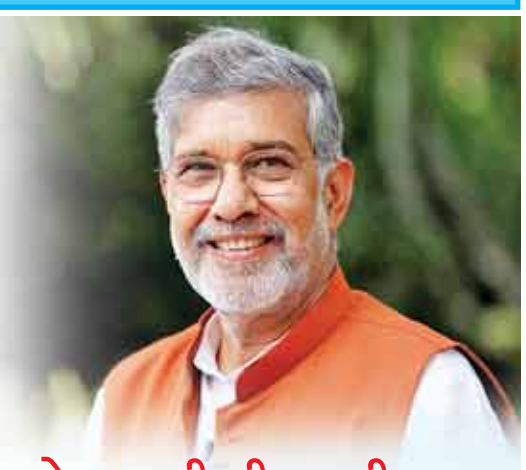

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

{ विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी }

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्वः आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चेः यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणालीः जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधानः आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटानः भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। k

प्रस्तुतिः सरस्वती रमेश

{ लघुकथाएं }

यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला-पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। k

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। k

- संजीव ठाकुर

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। k

किताबः चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखकः** गोविंद सेन,
मूल्यः 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

दोपहर 3.30 बजे से आमने-सामने होगी गिल और ब्रुक की टीमें

लॉर्डस में महामुकाबला आज, रोहित की लय और गिल की साख दांव पर

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए जब रविवार को लॉर्डस पर उतरेगी तो समूचे क्रिकेट जगत की नजरें 'हिटमैन' रोहित शर्मा पर लगी होंगी।

तमाम अटकलों के बीच बीसीसीआई ने साफ तौर पर कहा है कि यह रोहित के कैरियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं होगा लेकिन पहले दो मैचों में नाकाम रहे भारत के पूर्व कप्तान खुद को साबित जरूर करना चाहेंगे। फ्रंटफुट पर बेहतरीन पूल शॉट खेलने और स्पिनरों को मैदान के चारों ओर खेलने वाले रोहित इस श्रृंखला में उस लय में नहीं दिखे, जिससे इन अटकलों को बल मिला कि 39 वर्ष का यह दिग्गज अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाला वनडे विश्व कप नहीं खेल सकेगा।

आर्चर और रोहित होंगे आमने-सामने

'क्रिकेट का घर' कहे जाने वाले लॉर्डस पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर शायद उन्हें लय हासिल करने में मदद मिले। बतौर कप्तान रोहित ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए हमेशा पावरप्ले में जोखिमभरे शॉट्स खेले हैं। उनके प्रशंसक रविवार को उसी रोहित को देखना चाहते हैं। पहले दस ओवर में उन्हें जोफ्रा आर्चर की तूफानी गेंदों का सामना करना होगा। कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे, जो सोफिया गार्डस पर आसानी से आउट हो गए थे।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोस टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार

दूसरी ओर विराट कोहली का शानदार फॉर्म बरकरार है। वह बृहस्पतिवार को दूसरे शतक की ओर बढ रहे थे लेकिन आर्चर की गेंद पर आउट हो गए, जिसके बाद भारत का मध्यक्रम ढह गया और टीम को पराजय का सामना करना पड़ा। अब भारतीय टीम उससे सबक लेकर उतरेगी। केएल राहुल की जगह उतरे ईशान किशन शॉर्ट गेंद पर विकेट गंवा बैठे। उछलती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जाहिर हो गई। श्रेयस अय्यर ने मध्यक्रम में अच्छा खेला और आदिल रशीद के साथ स्पिनरों का बखूबी सामना किया।

कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

गेंदबाजी में कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर चोटिल हैं। रविंद्र जडेजा की गैर मौजूदगी में अक्षर पटेल ने स्पिन हरफनमौला का काम अच्छे से किया है। भारतीय गेंदबाजों को रूट के बल्ले पर अंकुश लगाना होगा, जो कोहली की तरह रन बनाए जा रहे हैं। रूट के अलावा इंग्लैंड के बाकी बल्लेबाजों ने कुछ खास नहीं किया है।

खिताबी महासंग्राम आज

अर्जेंटीना के सामने स्पेन का स्टील डिफेंस

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

एक ओर लियोनेल मेस्सी का करिश्मा है तो दूसरी तरफ टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल गंवाने वाली स्पेन का अभेद डिफेंस। विश्व फुटबॉल की बादशाहत के लिए मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना का सामना रविवार को स्पेन से होगा तो 'आक्रमण और बचाव' की रोचक जंग देखने को मिलेगी। 2010 की चैंपियन स्पेन ने टूर्नामेंट में फाइनल तक के सफर में सिर्फ एक गोल क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ गंवाया है जबकि अर्जेंटीना ने अब तक इस टूर्नामेंट में सात मैचों में सबसे ज्यादा 19 गोल दागे हैं। यह मुकाबला केवल दो टीमों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग फुटबॉल शैलियों का भी है।

मेस्सी-यमाल में होगी भिड़ंत

खिताबी मुकाबले को बार्सीलोना के पूर्व नंबर 10 मेस्सी और वर्तमान में 10 नंबर जर्सी पहनने वाले स्पेन के लामिन यमाल के बीच मुकाबले के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइनल से पहले मेस्सी और यमाल की वायरल हुई दो दशक पुरानी तस्वीर ने इसे और रोचक मोड़ दे दिया है, जिसमें मेस्सी बाथटब में 'बेबी यमाल' को नहलाते दिख रहे हैं। अब देखना यह है कि अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दूसरी बार विश्व कप जीतने वाली टीम बनती है या स्पेन एक बार फिर 'जाइंटकिलर' साबित होता है।

यूरोप और दक्षिण अमेरिका में जंग

कागजों पर बराबरी के दिख रहे इस मुकाबले में यदि अर्जेंटीना का अनुभव और मेस्सी का जादू चलता है तो ट्रॉफी दक्षिण अमेरिका जा सकती है, लेकिन यदि स्पेन ने अपनी लय और अनुशासित खेल बरकरार रखा तो यूरोप की नई बादशाहत स्थापित हो सकती है। यही अनिश्चितता इस फाइनल को यादगार बनाने के लिए काफी है।

अर्जेंटीना को झेलनी पड़ी पक्षपात की तोहमतें

छह बार की चैंपियन अर्जेंटीना और मेस्सी को इस सफर में पक्षपात की भी तोहमतें झेलनी पड़ी लेकिन मेस्सी ने अब तक 8 और विश्व कप कैरियर में 21 गोल दागकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। इस टूर्नामेंट में उनके और एमबाप्पे के आठ गोल हैं लेकिन चार में सहायता करके मेस्सी 'गोल्डन बूट' की दौड़ में फिलहाल आगे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दूसरे गोल में जिस तरह से उन्होंने सूत्रधार की भूमिका निभाई, उससे विरोधी भी दंग रह गए।

खबर संक्षेप

प.बंगाल में विश्व कप की लाइव स्क्रीनिंग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार फीफा विश्व कप फाइनल की लाइव स्क्रीनिंग यहां नंदन पर विशाल स्क्रीन पर करेगी, जिससे फुटबॉलप्रेमियों को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच यह मुकाबला देखने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि अन्य जिलों में भी इस तरह विशाल स्क्रीन पर लाइव स्क्रीनिंग के इंतजाम किए जा रहे हैं। युवा सेवा और खेल विभाग दूसरे विभागों से बातचीत करके यह इंतजाम कर रहा है। इसके लिए हर जिला प्रशासन को एक लाख रुपए दिए गए हैं। मुख्य स्थल कोलकाता में नंदन, रबींद्र सदन और अकादमी परिसर होंगे, जहां दर्शकों के लिए स्टेडियम जैसा माहौल बनाया जा रहा है। पूर्व खिलाड़ियों और जानी मानी हस्तियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है।

मुंबई सिटी एफसी के कोच बने मार्केज

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने मनोलो मार्केज को 2026-27 सत्र के लिए एक वर्ष के अनुबंध पर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। मनोलो इससे पहले भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने हैदराबाद एफसी के मुख्य कोच के रूप में भी काम किया और क्लब को 2021-22 सत्र में पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) कप का खिताब दिलाया। मुंबई सिटी एफसी ने कहा, 'मुंबई सिटी क्लब अपने नए मुख्य कोच के रूप में मनोलो मार्केज का स्वागत करता है। स्पेन के इस कोच ने एक वर्ष के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं और वह आगामी 2026-27 सत्र में मुंबई सिटी की टीम की कमान संभालेंगे।

भारतीय ध्वजवाहक होंगी मीराबाई और लवलीना

ग्लासगो में 23 जुलाई को राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना 'ओवीओ हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।' उन्होंने कहा, ' भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।'

चानू एक दशक से प्रमुख भारोत्तोलक

बत्तीस साल की होने जा रहीं मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोत्तोलक रही हैं। उन्होंने 2021 तोक्यो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अपने पिछले प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं।

प्रमुख पदक दावेदार लवलीना

मुक्केबाज लवलीना ने तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में लवलीना को भी भारत की प्रमुख पदक दावेदार खिलाड़ियों में माना जा रहा है।

बांग्लादेश की शानदार वापसी, जिम्बाब्वे को हराया

एजेंसी ▶▶ बुलावायो

बांग्लादेश की टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां पर आठ बैटर्स वाले प्लान से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में आसानी से हराया। लेकिन दूसरे मैच में वह बांग्लादेश के लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन की फिरकी को नहीं झेल सके। बांग्लादेश की टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन का टोटल बनाया।

इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 152 रन पर ही ढेर हो गई, तो उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई और सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा।

बांग्लादेश ने बनाए 186 रन

बांग्लादेश की टीम बुलावायो के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो उसके दोनों ओपनर्स ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को धो डाला। सैफ हसन और तंजिद हसन ने मिलकर टीम को 14.4 ओवर में 120 रन की शुरुआत दिलाई। तभी सैफ 45 गेंद में आठ चौके और एक छक्के की मदद से 55 रन बनाकर चलते बने। जबकि तंजिद हसन ने भी 44 गेंद में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 58 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा अंत में सैफुद्दीन ने 10 गेंद में चार छक्के लगाकर 31 रन की नाबाद और तूफानी पारी खेली, तो टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 186 रन का टोटल बनाया।

हुसैन और मेहदी ने मिलकर दिलाई जीत

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे के बल्लेबाज अपने ही घरेलू मैदान पर टिक नहीं सके। उनके लिए सबसे अधिक 29 रन सिर्फ रयान बर्ल ही बना सके, तो 28 रन कप्तान सिकंदर रजा ने बनाए। लेकिन ये पारियां जीत के लिए काफी नहीं थीं। बांग्लादेश के रिशाद हुसैन ने अपनी फिरकी से चार विकेट चटकाए, तो अन्य स्पिनर मेहदी हसन ने भी तीन विकेट लेकर जिम्बाब्वे को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। इससे जिम्बाब्वे की टीम 19.4 ओवर में 152 रन पर ही ढेर हो गई और उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा।

भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने के विरोध प्रदर्शन पर चिंता जताई

हर बच्चे को निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार : मनु

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने परीक्षा पेपर कथित तौर पर लीक होने का विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलने का अधिकार है।

इस स्टार निशानेबाज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि यह मुद्दा राजनीति से कहीं बड़ा है और छात्रों के भविष्य की

रक्षा के लिए अधिक जवाबदेही की आवश्यकता है। मनु ने लिखा, 'इस समय बात हमारे देश के भविष्य से जुड़ी जिंदगियों की है। बात हम सबकी है।' मनु ने कहा, 'मैं एक छात्रा हूं और एक समय हम सभी छात्र रहे हैं। हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और जीवन में निष्पक्ष अवसर मिलना चाहिए। ये कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि उनके मौलिक अधिकार हैं। ' जिन छात्रों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई है, उनकी बात करते हुए उन्होंने कहा, 'वे हमारे देश का भविष्य बनने वाले थे। उनके सपनों, उनकी काबिलियत और उनके भविष्य की रक्षा की जानी चाहिए थी। '

महिला क्रिकेट

शतक बनाने के लिए नहीं बदलूंगी अपने खेलने का अंदाज : यास्तिका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया का कहना है कि उन्होंने लॉर्ड्स में अपनी ऐतिहासिक शतकीय पारी के दौरान अपने बल्लेबाजी के अंदाज में कभी बदलाव लाने की कोशिश नहीं की। भाटिया ने कहा कि भारत के आक्रामक क्रिकेट ब्रांड पर टिके रहना उनके लिए निजी उपलब्धियों से ज्यादा अहम है।

भाटिया ने कहा, मैंने शतक के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था। मेरा मकसद था कि मैं अपने हिसाब से खेलूंगी और आक्रामक क्रिकेट खेलूंगी। बेशक में 80 या 90 रन के आस-पास रहूं, लेकिन गेंद को उसकी मेरिट के हिसाब से खेलूंगी। मैं सिर्फ शतक बनाने के लिए अपने खेलने का अंदाज नहीं बदलूंगी।

यास्तिका ने अपने शतक को व्यक्तिगत से ज्यादा टीम की उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों से हम सकारात्मक क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, अमोल सर मुझे टी20 के दौरान भी यही बता रहे थे

कि हम सब एक तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं, जहां हम आक्रामक रहना चाहते हैं और समय सकारात्मक रहना चाहते हैं।

सभी फॉर्मेट में भारत की बनी पहचान

यास्तिका ने कहा कि उस अप्रोच को अपनाने से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी आसान हो गई और इसने उनकी ऐतिहासिक पारी को पूरा करने के तरीके पर असर डाला। उनके शतक ने न केवल उन्हें लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में जगह दिलाई, बल्कि उस निडर अप्रोच को भी दिखाया, जिसने सभी फॉर्मेट में भारत की बल्लेबाजी की पहचान बनाई है।

जापान ओपनः फाइनल में आज सामना जापान की यामागुची से

सिंधु खिताब के करीब, युफेई ने बीच में छोड़ा कोर्ट

एजेंसी ▶▶ टोकियो

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू दो साल से अधिक समय में पहली बार फाइनल में पहुंच गई जब जापान की चेन युफेइ ने जापान ओपन महिला एकल सेमीफाइनल में शनिवार को बीच में ही कोर्ट छोड़ दिया।

सिंधू उस समय 21-19, 15-10 से आगे थी जब चेन को मांसपेशी की चोट के कारण पीछे हटना पड़ा। यह लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल के बाद सिंधू का पहला फाइनल होगा। वह 2024 मलेशिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में भी उपविजेता रही थी। आखिरी बार उन्होंने 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 खिताब जीता था।

यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का

फाइनल में रविवार को सिंधू का सामना जापान की अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी को दूसरे सेमीफाइनल में हराया। यामागुची का सिंधू के खिलाफ रिकॉर्ड 14-10 का है, जिनमें पिछले छह में से पांच मैच उन्होंने जीते हैं।

मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह : सिंधू

मैच के बाद सिंधू ने कहा,'मुझे खुशी है कि फाइनल में पहुंच सकी।' उन्होंने कहा,' मेरे लिए हर मैच पहले मैच की तरह है , खासकर आज का मैच। शुरू से ही फोकस बनाए रखना जरूरी था क्योंकि शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ हर अंक मायने रखता है।' सिंधू ने कहा,' मैंने अपना फोकस बनाए रखा था और मेरे कोच भी बार बार यही कह रहे थे। पहले गेम में मैने बढत बना ली थी लेकिन वह काफी करीब आ गई, जिसके बाद फोकस बनाए रखना जरूरी था। कई बार आगे चलने के बाद अंक गंवाने से निराशा आ जाती है। दिमाग में काफी कुछ चल रहा होता है।'

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

टोल कंपनी को लौटानी होगी अवैध वसूली गई राशि

फास्टैग सिर्फ पेमेंट का जरिया, मनमर्जी की वसूली का लाइसेंस नहीं

जबलपुर। क्या फास्टैग लागू होने के बाद आपके बैंक खाते से भी चुपके से ज्यादा टोल टैक्स कट जाता है और टोल कंपनियां इसे तकनीकी खराबी बताकर पल्ला झाड़ लेती हैं? अगर हां, तो मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का यह ताजा फैसला आपकी जेब को तसल्ली देने वाला है। अदालत ने एक बेहद कड़ा और नजीर बनने वाला फैसला सुनाते हुए साफ कर दिया है कि फास्टैग केवल टोल चुकाने का एक डिजिटल माध्यम है, यह कंपनियों को मनमाने तरीके से नई दरें तय करने या जनता को लूटने की खुली छूट नहीं देता। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रुसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने मेसर्स देवास-भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड की अकड़ ढीली करते हुए उसकी याचिका को न सिर्फ खारिज किया, बल्कि कंपनी पर 25,000 रु का जुर्माना भी ठोक दिया, जो मुख्यमंत्री राहत कोष में जाएगा।

सॉफ्टवेयर की आड़ में 11 करोड़ की स्मार्ट चपत

दरअसल, यह पूरा विवाद मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीआरडीसी) के 21 मई 2025 के उस आदेश के बाद शुरू हुआ था, जिसमें कॉरपोरेशन ने टोल कंपनी को वर्ष 2022 से अब तक की गई अवैध वसूली का पैसा रिफंड करने को कहा था। टोल कंपनी ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। कंपनी की दलील बड़ी अजीब थी कि फास्टैग सिस्टम में सॉफ्टवेयर की मैपिंग के कारण तीन एक्सेल वाली बसों को मल्टी-एक्सेल (भारी वाहन) मान लिया गया और पैसे अपने आप कटते रहे, इसमें हमारी कोई गलती नहीं है।

ई-फाइलिंग का दिया उदाहरण

हाईकोर्ट ने कंपनी के इस तकनीकी बहाने को खारिज करते हुए आईना दिखाया। अदालत ने 30 जून 2007 के मूल रियायत समझौते की याद दिलाते हुए कहा कि अनुबंध में बसों और ट्रकों की दरें पहले से तय थीं। अदालत ने एक बेहद सरल उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कोर्ट में अब ई-फाइलिंग होती है, तो उससे सिर्फ आवेदन का तरीका बदला है, कोर्ट की फीस नहीं बदल जाती। ठीक वैसे ही फास्टैग से सिर्फ भुगतान का तरीका बदला है, टोल की दरें नहीं। कोर्ट ने साफ किया कि अगर सॉफ्टवेयर में गलत मैपिंग हुई, तो उसका हर्जाना टोल ऑपरेटर भुगतेगा, आम जनता नहीं। अब कंपनी को प्रभावित ट्रांसपोर्टरों और वाहन मालिकों को लगभग ₹11 करोड़ की भारी-भरकम राशि रिफंड करनी होगी।

प्रदेश में टोल वसूली के खेलः लागत से 6 गुना तक वसूली के मामले

मध्य प्रदेश में टोल टैक्स के नाम पर जनता की जेब काटने का यह कोई इकलौता मामला नहीं है। प्रदेश में टोल वसूली के ऐसे कई बड़े विवाद अदालतों और विधानसभा में गूंज चुके हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में मध्य प्रदेश के भोपाल-देवास टोल रोड (लागत ₹345 करोड़) और जावरा-नयागांव टोल रोड (लागत ₹426 करोड़) पर लागत से 6 गुना अधिक (करीब ₹2056 करोड़ तक) की भारी-भरकम वसूली किए जाने का मामला सामने आया है। इसके अलावा विधानसभा में भी यह आधिकारिक खुलासा हो चुका है कि कानूनी रूप से टोल वसूली लागू होने की तय तारीख से पहले ही एमपीआरडीसी और ठेकेदारों की मिलीभगत से जनता की जेब से ₹603 करोड़ से ज्यादा की अवैध टोल वसूली कर ली गई थी।

वाहन मालिकों को कैसे मिलेगा अपना पैसा?

हाईकोर्ट ने साफ कर दिया है कि रिफंड का यह फायदा केवल याचिका से जुड़ी एक परिवहन कंपनी तक सीमित नहीं रहेगा। जिन-जिन बस और ट्रक मालिकों से 2022 से अब तक गलत टोल काटा गया है, उन सभी को पैसा वापस मिलेगा। हर वाहन मालिक की रिफंड राशि का निर्धारण आपसी सुलह या मध्यस्थता प्रक्रिया के जरिए तय किया जाएगा। यह फैसला पूरे देश के टोल ऑपरेटरों के लिए एक सख्त चेतावनी है कि डिजिटल इंडिया की आड़ में तकनीकी गड़बड़ी का बहाना बनाकर अब जनता की गाढ़ी कमाई पर डाका नहीं डाला जा सकता।

- नहीं होती कभी पुलिस गश्त, पुलिस चौकी की मांग
- देर रात तक होती है शराबखोरी, मजनुओं ने बनाया ठिकाना

रिछाई रेलवे ओव्हर ब्रिज बना लूट और आपराधिक गतिविधियों का अड्डा

हरिभूमि, जबलपुर।

रिछाई रेलवे ब्रिज आपराधिक गतिविधियों और लूट का अड्डा बना हुआ है। आये दिन रिछाई में लूट, चाकूबाजी और मोबाइल लूटने की वारदात होती रहती है। पुलिस कार्रवाई और गश्त न होने के कारण आपराधिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। ओवर ब्रिज और रिछाई क्षेत्र में लूट और चाकूबाजी की वारदात आम है। लेकिन अधिकतर मामलों में वारदात के शिकार लोग पुलिस के पास थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं कराते। लूट की घटनाओं को पुलिस आमतौर पर चोरी में दर्ज करती है इसलिये भी छिटपुट वारदातों की रिपोर्ट पीड़ित थाने में दर्ज नहीं कराते। रिछाई क्षेत्र के अधिकतर इलाके घुप्प अंधेरे में डूबे होने के कारण भी अपराध बढ़े हैं। लूट की घटनाओं के लिये रिछाई क्षेत्र पूर्व से ही बदनाम होने के कारण यहां आने से भयभीत होते हैं।

पुल की सीढ़िया-फुटपाथ व रेलवे केबिन बने बार!

रिछाई ओवर ब्रिज पर बनी सीढ़ियां-फुटपाथ व रेलवे के विशेष केबिन में शराबियों और आपराधिक तत्वों का अड्डा बना हुआ है। शहर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने ब्रिज को देर रात तक शराबखोरी का अड्डा बना लिया है। पुल पर कारें खड़ी होने से सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। यही नहीं शाम ढलते ही यहां पर मजनुओं की अनैतिक गतिविधियां देखी जा सकती है।

पुलिस चौकी की मांग

रिछाई इंडस्ट्रियल एरिया में बड़ी संख्या में कारखाने होने के कारण पुल पर से मजदूरों की आवाजाही की तादाद भी अधिक है। 24 घंटे कामकाज होने के कारण मजदूरों और महिला श्रमिकों का देर रात तक आना जाना होता है। साथ ही पूरे देश से बड़ी संख्या में लोडेड भारी ट्रकों का भी रात भर आना-जाना होता रहता है। इसके बाद भी पुलिस चौकी रिछाई में न होने के कारण आपराधिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। रिछाई में अधारताल रेलवे स्टेशन होने के कारण मुसाफिरों की भी आवाजाही और ऑटो चालकों का आना जाना लगा रहता है। अतः क्षेत्र में अपराध रोकने के लिये पुलिस चौकी बनाये जाने और पूरे क्षेत्र में गश्त की आवश्यकता है।

चाकू से हमला कर नकदी व मोबाइल लूटा

शहर के विभिन्न इलाकों में लूट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रहीं। इसी क्रम में शुक्रवार की रात रिछाई की फैक्टरी में काम करने वाले युवक को तीन अज्ञात बदमाशों ने चाकू मारकर लूट लिया। लूट के बाद धमकाते हुए आरोपी भाग गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस संबंध में अधारताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार ने बताया कि शुक्रवार को मारपीट में घायल को उपचार हेतु लाईफ लाईन अस्पताल सुहागी में भर्ती कराये जाने की सूचना पर हमराह स्टाफ के साथ पहुंचा। जहां घायल अमित खटीक निवासी पनागर ने बताया कि वह सांई कृपा फैक्ट्री रिछाई में काम करता है। शुक्रवार रात लगभग 10 बजे अपनी फैक्ट्री में काम से वापस अपने घर मोटर सायकल से जा रहा था। इसी बीच रिछाई ब्रिज के ऊपर पीछे से मोटर सायकल में बदमाशो ने गाडी अडाकर उसे रोक लिया। पहले वे उससे गुटखा मांगने लगे, उसने मना कर उनकी बातों को नजर अंदाज किया। उसी समय दो युवक उसके आजू बाजू आ गये और तीसरा उसके पेंट की जेब की तलाशी लेने लगा। उसने विरोध किया तो चाकू से हमलाकर वायें पैर की जांघ में चोट पहुंचा दी। इसके बाद उसके जेब में रखा मोबाइल और 8 हजार रूपये छीनकर मोटर सायकल में बैठकर तीनों बदमाश भाग गये। रिपोर्ट पर धारा 309(4), 126(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गढ़ा पुलिस का जुए के फड़ पर छापा

जबलपुर। गढ़ा पुलिस ने बदनपुर पहाड़िया में चल रहे एक जुए के फड़ पर छापा मारकर 5 जुआड़ियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 25 हजार 260 रुपए जब्त किए है। गढ़ा थाना प्रभारी कुमार शर्मा ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर बदनपुर पहाड़ियां में जुआ मन्ना खेल रहे मोनू प्रजापति, श्याम प्रजापति, मोनू उर्फ लक्ष्मी सिंह लोधी, राहुल मनोहरे, मूर्ति केवट को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं राज बिड्डल, संदीप पटेल, अन्नू रैकवार व 1-2 अन्य लोग मौके का फायदा उठाकर भाग गए एवं अज्जू चक्रवर्ती एवं रोहित सेन द्वारा जुआ का संचालन किया जा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताश पत्तों की 3 गड्डियां तथा 25 हजार 260 रूपये जप्त करते हुये धारा 13 जुआ एक्ट एवं 49 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पेंशनरों को बड़ी राहत...

महंगाई राहत दर बढ़ाने की प्रक्रिया हुई आसान अब दूसरे राज्य की सहमति का इंतजार नहीं

- मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ सरकार का संयुक्त निर्णय, पेंशनरों के हित में प्रशासनिक प्रक्रिया हुई सरल, आदेश जारी होते ही तत्काल

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के लाखों पेंशनरों के लिए राहत भरी खबर है। दोनों राज्यों के वित्त विभाग ने महंगाई राहत (डीआर) में वृद्धि की प्रक्रिया को सरल और त्वरित बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण संयुक्त आदेश जारी किया है। 17 जुलाई 2026 को जारी आदेश के अनुसार अब पेंशनरों को महंगाई राहत में बढ़ोतरी के लिए दूसरे राज्य की सहमति का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह निर्णय लंबे समय से चली आ रही उस पारंपरिक व्यवस्था को समाप्त करता है, जिसके कारण डीआर बढ़ाने में अनावश्यक विलंब होता था।

वित्त विभाग ने जारी किया लिखित आदेश

वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ शासन ने पेंशनरों के हितों और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रक्रिया की समीक्षा की। इसके बाद तय किया गया कि महंगाई राहत स्वीकृत करने के लिए दूसरे राज्य की सहमति प्राप्त करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी जाए।

कम समय महंगाई राहत का लाभ

नई व्यवस्था के तहत अब जिस राज्य को महंगाई राहत बढ़ानी होगी, वह विधायी संशोधन की लंबी प्रक्रिया के बजाय सीधे कार्यकारी आदेश जारी कर सकेगा। इससे निर्णय लेने में तेजी आएगी और पेंशनरों को बढ़ी हुई महंगाई राहत का लाभ पहले की तुलना में कम समय में मिल सकेगा।

नहीं आएगी राज्यों को लेकर कोई बाधा

आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि महंगाई राहत बढ़ाने के निर्णय से उत्पन्न होने वाले वित्तीय भार की जानकारी संबंधित राज्य एक-दूसरे को केवल सूचनार्थ भेजेंगे। इससे प्रशासनिक समन्वय बना रहेगा, जबकि पेंशनरों को लाभ मिलने में कोई अनावश्यक बाधा नहीं आएगी।

राज्य, केंद्र की महंगाई राहत दर से अधिक की नहीं होगी लागू

हालांकि, आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी राज्य, केंद्र सरकार द्वारा घोषित महंगाई राहत की दर से अधिक दर लागू नहीं करेगा। इससे केंद्र और राज्यों की नीति में समानता बनी रहेगी तथा वित्तीय अनुशासन भी सुनिश्चित होगा।

वर्षों से चल रहा था पेंशनर संगठनों का संघर्ष

पेंशनर संगठनों का मानना है कि यह फैसला वर्षों से चली आ रही एक बड़ी प्रशासनिक बाधा को दूर करेगा। समय पर महंगाई राहत मिलने से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई के बीच आर्थिक संबल मिलेगा और उन्हें अपने वैधानिक अधिकारों के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

नई व्यवस्था से भविष्य में मिलेगी राहत

वित्त विभाग का यह आदेश जारी होने की तिथि से ही प्रभावी हो गया है। माना जा रहा है कि नई व्यवस्था से भविष्य में महंगाई राहत संबंधी निर्णय अधिक तेज, पारदर्शी और पेंशनर हितैषी होंगे, जिससे लाखों पेंशनरों को समय पर आर्थिक राहत मिल सकेगी।

प्रदेश भर में हुआ विशेष लोक अदालत का आयोजन

आपसी समझौते से निपटे चेक बाउंस के 1,945 मामले

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति विवेक रूसिया के मार्गदर्शन में शनिवार को पूरे प्रदेश में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों पर आयोजित इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य चेक अनादरण (चेक बाउंस) से जुड़े लंबे समय से लंबित मामलों का सौहार्दपूर्ण और त्वरित निराकरण करना था।

प्राधिकरण की सदस्य सचिव सुमन श्रीवास्तव ने बताया कि न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंकिंग संस्थानों और पक्षकारों के समन्वित प्रयासों से इस विशेष अदालत में कुल 4,636 प्रकरण विचारार्थ रखे गए थे। इनमें से 1,945 मामलों का आपसी सहमति से सफल निपटारा किया गया, जिसके तहत कुल ₹106,42,20,044/- (एक सौ छह करोड़ बयालीस लाख बीस हजार चवालीस रुपये) की समझौता राशि के अवार्ड पारित किए गए।

उन्होंने बताया कि इस आयोजन से पक्षकारों को दीर्घकालीन अदालती प्रक्रिया, मानसिक तनाव और धन व श्रम की बर्बादी से बड़ी राहत मिली है। वहीं उनके व्यावसायिक व व्यक्तिगत संबंध भी सुरक्षित रहे हैं। इस सफल पहल से न्यायालयों में लंबित मामलों के बोझ में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे न्यायपालिका अब अन्य महत्वपूर्ण विवादों पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी विधिक प्रयासों को निरंतर जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

माता सीता पर कथित टिप्पणीः भजन संध्या संचालक को हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत

जबलपुर। मप्र हाई कोर्ट ने सिवनी जिले में आयोजित एक भजन संध्या के दौरान सीताजी पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में आरोपी संदीप तिवारी को अग्रिम जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि रामचरितमानस की चौपाई की व्याख्या करते समय आवेदक द्वारा शब्दों का चयन उचित नहीं रहा हो सकता है, लेकिन प्रथमदृष्टया उसकी मंशा वैसी नहीं दिखती, जैसा अभियोजन पक्ष आरोप लगा रहा है। न्यायालय ने यह भी दोहराया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान का मौलिक अधिकार है और उसकी रक्षा करना अदालतों का दायित्व है।

यह है मामला- सिवनी जिले में आयोजित एक भजन संध्या के दौरान रामचरितमानस की चौपाई की व्याख्या करते समय सीताजी के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने पर संचालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(2) एवं 353(3) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। आरोप था कि धार्मिक समारोह में दिए गए कथन से समुदायों के बीच वैमनस्य फैल सकता है और धार्मिक भावनाएं भड़क सकती हैं। इसके बाद आरोपी ने गिरफ्तारी से संरक्षण के लिए हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की।

'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत संयुक्त टीम की कार्रवाई

स्कूलों के पास गुटखा-सिगरेट बेचने वालों पर पुलिस का शिकंजा

जबलपुर। 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत शनिवार को पुलिस, नगर निगम, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के विभिन्न स्कूलों के आसपास संचालित दुकानों पर सघन जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान तंबाकू, गुटखा और सिगरेट बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई, जिससे क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति रही। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अनु बेनिवाल ने अभियान की शुरुआत से पहले संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया। इसके बाद संयुक्त टीम ने बेलबाग क्षेत्र सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के आसपास स्थित दुकानों की जांच की। बाई का बगीचा स्थित शासकीय स्कूल के मुख्य द्वार के पास एक दुकान से सिगरेट, गुटखा और पान मसाला बरामद होने पर उन्हें जब्त कर लिया गया। दुकान संचालक दिनेश सोनकर, निवासी घमापुर चौक खटीक मोहल्ला के विरुद्ध बेलबाग थाने में वैधानिक कार्रवाई की गई।

दुकानदारों को दी सख्त चेतावनी

अभियान के दौरान अन्य स्कूलों के आसपास की दुकानों की भी जांच की गई। जहां भी गुटखा, पान मसाला अथवा अन्य नशीले तंबाकू उत्पाद मिले, उन्हें जब्त करते हुए नगर निगम की टीम ने चालानी कार्रवाई की। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास किसी भी प्रकार के नशे से संबंधित उत्पादों का विक्रय या भंडारण पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लोकायुक्त विशेष न्यायालय ने क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार की

21 हजार की कथित रिश्वत के मामले में तीन अफसरों को राहत

जबलपुर। जिला अदालत ने 21 हजार रुपये की कथित रिश्वत प्रकरण में शहडोल निवासी संयुक्त संचालक लोक शिक्षण डा. राममोहन तिवारी, लेखापाल अशोक कुमार शिववेदी और सहायक ग्रेड-थ्री संतोष भटेले के खिलाफ लोकायुक्त की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली।विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) मनीष सिंह ठाकुर की कोर्ट ने कहा कि रिकार्ड पर ऐसा कोई प्रथमदृष्टया साक्ष्य नहीं है जिससे भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं 7, 13(1)(बी) एवं 13(2) के तहत अभियोजन चलाया जा सके।

अदालत ने अपने आदेश में माना कि शिकायतकर्ता द्वारा जिस 21 हजार रुपये की राशि को रिश्वत बताया गया, वह कार्यालय में हुई कंप्यूटर चोरी के बाद अनिसा बेगम से विभागीय क्षतिपूर्ति की वसूली से संबंधित थी। यदि वसूली या विभागीय कार्रवाई की वैधता पर कोई विवाद है तो उसका निराकरण अन्य सक्षम मंच पर होगा, इससे आरोपित अधिकारियों का आपराधिक दायित्व स्वतः सिद्ध नहीं होता। परिणामस्वरूप अदालत ने क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करते हुए प्रकरण समाप्त कर दिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240